१ ॥श्रीसुधर्मास्वामिनमः॥ तेणंकालेणं तेणंसमएणं रायगिहेनामंणयरेहोत्था रिद्धित्थिमिय समिद्धा गुणसिलएचेइएहोत्था
वर्णिकाया निहाअसोकनीमावरष निसलहरतपरिशिलापट्ट चउथइअध्ययनइ तिणइचस्मानइ नयरीनगरीनइ महावीरजीका समीपवासीहि आर्य
ए कानइहकइ दइ निमइ ए
वण्णउ असोगवरपायवं पुढवीसिलापट्टए तेणंकालेणं तेणंसमएणं समणस्सभगवउ महावीरस्स अंतेवासी अज्ज
सुधर्मानामइ अणगार माउपक्कनिर्मित श्लोकश्रीकुमार यावत् पंचसइअणगारसाध्य माथइपरिवस्या अनुक्रमइचावनाथका
वण्णिउ
सुहमेणामं अणगारे जातिसंपन्ने जहाकेसी जाव पंचहिंअणगारसएहिं सद्धिंसंपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विंचरेमाणे।
यावत् जिणे राजगृहनगरनइविष यावत् यथायोग्य आज्ञा लेकरिकइ संजमकरी यावत् विचरइवइ परिषदावांदवागई धर्मकथाकहि
६
जाव जेणेव रायगिहेणयरे जाव अहापडिरूवं उग्गहं उगिण्हित्ता संजमेणं जाव विहरंति परिसानिग्गया धम्मोकहि
परिषदापाछीगई तिणाकालइ तिणइचस्मावे आर्यसुधर्मस्वामि अणगारका अंतेवासिणा नेश्रेनामइ साध्य समवचरसस
उ परिसापडिगया तेणंकालेणं तेणंसमएणं अज्जसुहम्मस्स अणगारस्स अंतेवासी जंबूणामंअणगारे समवचरस
स्थानकरि रहनाथका यावत् संखेपीहे विस्तीर्णतेजोलेश्याजि आर्यसुधर्मा अणगारथकइ अतिनिकटनथीइ ऊंचेगोडेकरिनीचाशिरइ यावत् विचरइ
नजइ र
संठाणं संविए जाव संखित्तविउलतेयलेसे अज्जसुहमस्सअणगारस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणुंअहोसिरे जावविहरं
तपपडेते ज्ञानवंतयावत्श्रद्धाव न यावतसेवाकरताथका ऊर्ध्वकहेते ऊंचा उपांगका देवव्रत्य तपस्वीइं यावत्मुक्तिपोहता किसाअर्थकह्या ऊमनि
निमइ
ति ततेणंसेनगवंजावसद्दे जावपज्जुवासमाणे एवंवयासी उक्खेवओ संते समणेणं जावसंपत्तेणं केअट्ठेपन्नत्ते एवं १
अयहेमंइं तपस्वीइं ज्ञानवंतइ यावत्मुक्तिपंहता ऊमउपांगका पांचवर्ग कह्या तेकहइछइ निरावलिका १ कप्पवतसकनामा २
खलुजंबू समणेणं भगवया जावसंपत्तेणं एक्कउवंगाणं पंचवग्गापन्नत्ता तंजहा निरावलियाउ१ कप्पवडिंसयाउ२

पुप्फियाणामा ३ पुप्फचूलिका ४ वन्हिदशानामा ५ अइहेइश्य तपस्वीइं यावत् मुक्तिपहता तिनउपांग पांचवर्ग कह्या तेकहइछइं निरावलि
कि
पुप्फियाउ३ पुप्फचूलाउ४ वन्हिदशाउ५ जइणंभंते समणेणं जाव संपत्तेणं उवंगाणं पंचवग्गापन्नत्ता तंजहा निरावलि
का यावत् वन्हिदशाणंचमइ चथमकाहेइश्य वर्गका उपांगका निरावलीका - तपस्वीइं ज्ञानवंतइ यावत् मुक्तिपहता तेणेकितरा अध्य
यनकह्याहस्सम्र
याउ जाव वन्हिदसाउ पढमस्सणंभंते वग्गस्सउवंगाणं निरावलियाणं समणेणं भगवया जाव संपत्तेणं कयअट्ठस्य
ष्पय कह्या तेकहइछइ कालइ सुकाल २ महाकालनामा३ कृष्णका४ सुकृष्णका ५ तथामहाकृष्णका ६ वीरकृष्णका ७ जाणवा रामकृष्ण
न मार
णा यपन्ना तंजहा कालेइ सुकालेइ महाकालेइ कण्हेइ सुकण्हेइ तहामहाकण्हेइ वीरकण्हेइ७ बोधव्वे रामकृ
का ८ निमइंज पिणेयसेनकृष्णका ९ दसमोमहासेनकृष्णका १० जनिदेइश्य तपस्वीइं यावत् मुक्तिपाप्तिः एउपांगका चथमका
सेइ८ तहेवय पियसेण कण्हेनवमे ९ दसमेमहासेनकण्हे १० जइणंभंते समणेणं जाव संपत्तेणं उवंगाणं पढमस्स
वर्गका निरावलिकाना दसअध्ययन कह्या तेकहइछइ चथमकाहेइश्य अध्ययनना निरावलिकानां तपस्वीइं यावत्मु
वग्गस्स निरावलियाणं दसअज्झयणापन्नत्ता तंजहा पढमस्सणंभंते अज्झयणस्स निरावलियाणं समणेणं जावसं
क्रिगया किसोअर्थ कह्या इमनिअइ इंजंबू निणकालइ तिणचलावइ इसदी जंबुद्वीपनामाद्वी सरतइक्षेत्रइ चंपानामानगरी फुई रिद्धकरि
निमइं संपुर्ण
पत्तेणं केअट्ठे पन्नत्ते एवंखलु जंबू तेणंकालेणं तेणंसमएणंइहेव जंबूद्दीवे२ भारहेवासे चंपाएणामंणगरीहोत्था रिद्धत्थिमि
निर्धनधान्यसु निहांएणनिघनामाचैत्यहोतइ निहां चंपानामानगरीनइ श्रेणिकराजाकापुत्र चेल्लणादेवीका पुत्र कोणिकनामइराजाकरइ
य कू करे विषइ
य समिद्धा उमन्नहएचेइएहोत्था तत्थणं-चंपाएनयरिए सेणियस्सरन्नोपुत्ते चिल्लणादेवीए अत्तए कोणिएणामंराया
वर्णन निण कोणिकराजाकी पद्मावतीनामा राणीकइं मुहाथाछइराधपग यावत् विचरइछइ निहां चंपानगरीन
होत्था महया तस्सणं कोणियस्सरन्नो पउमावईनामं देवीहोत्था सुकुमालपाणिपाए जाव विहरंति तत्थणं चंपाएण
इविषइ श्रेणिकराजानी साथै कोणिकराजानी मावकीमाता कालीनामाराणीकइं सुकुमाल यावत् सरूपदेहिन तिसकालवैराणीका
को
यरीए सेणियस्सरन्नोनत्तुआ कोणियस्सरन्नो लघुमाउया कालीनामंदेवीहोत्था सुकुमालजाव सुरूवा तीसेणंकालीए

पुत्र कालनामा कुमारकेरे सकोमल यावत् रूपवंत नवापदे तेकाकालकुमारे एकदाघसावइ तीनहजारयाथीसाथइं तीनहजार

एदेवीणंपुत्ते कालेणंतेणं समएणं तेइंदियसमोसरणं सुक्कपक्ष जाव सरूवे ततेणं तेकालेकुमारे अण्णयाकयाइं तिहिंदंतिसहस्सेहिं तिहिंअस्स
थोमासाथइं तीनहजाररथसाथइं तीनकोमलवृषभसाथइ गरुडव्याकार इत्यारमेंसागरकालकुमारकरावे कालिकराजानसाथइं रथमूसलसंगामकरइवि
सहस्सेहिं तिहिंरहसहस्सेहिं तिहिंमणुयकोडिहिं गरुडव्यूहिं एकारस्समेणं रक्कमणंहोणिएणंरन्नोसहिं रहमूसलेसंगामेत्त
पढ़वाया नवापद तिकाकाली राणीयइं एकदाघसावइं कडंबकेविचारकीजागरणाजागतीघकी एसाएक रूवे अध्यवसाय यावत ऊपज्या

याए ततेणंसेतीसेदालीएदेवीए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था
इमनिश्चय मेराघुत्र कालकुमार तीनहजारहाथीचइनइ यावत मनुष्यतीतीन कालाणीय जीतइगा तीनइगा जीवइगा नवीजी

एवंखलु ममपुत्ते कालेकुमारे तिहिंदंतिसहस्सेहिं जाव मणुयाए सेमन्ने किंजातिरसति नोजइस्सति जीविस्सति नोजी
वइगा हारइगातेवा नहारइगाते कालीकुमारके जीवतनइदेवुगी आर्त्तिध्यानकरती यावत ध्यानकरइइइं तिणकारणेवइं

वेसति एराजिणेस्सति नोएराजिणेस्सति कालेणंकुमारेणं अहंजीवपाणेमासित्ता उच्चत्तमाणी२ जाव त्रियाइहि तेणंकालेणं
तिणइसमावइ तपस्वीज्ञानवंतमहावीर समोसस्या परिषदावंदवागईनगरपद्ध तिकाकाली देवी सगवंतआगमनीकथासांभली अर्थलाभथके एसाएक

तेणंसमएणं समणेभगवंमहावीरे समोसरिए परिसानिग्गया ततेणं तीसेकालीएदेवीए इमीसेकहाए लद्धे समाणीए अयमेया
अध्यवसायथावत मनमइऊपज्या इमनिश्चइ तपस्वी सगवंत अनुक्रमइ विचरताथका यावत इहआयाइ यावत विचरवत सोमदायकलव नि

अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था एवंखलु समणेभगवं महावीरेणं चरमाणे जाव इहमागए जाव विहरंति तंमहाफलंखलु
अत्य तथारूप यावत विस्तीर्णपणा अर्थके ग्रहणकरि तिसकारणजाउं तपस्वी यावत सेवाकरसंजायके इत्यतह येहवोरूप पुन्य पुन्

तं महारूवाणं जाव विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए तंगच्छामिणं समणं जाव पज्जुवासामि इमंचणं एयारूवे वागरणं पु
गोसायनइ थोकरिके इमविचारविचारके आज्ञाकारीघुरुषघ्रत बोलावेवालायके योकहतीऊई शीघ्रचलावेवा तोदेवानुप्रिय धार्मिकनामारथघडइत

छस्सामि तिकट्टु एवंसंपेहेइत्ता कोडंबियपुरिसे सद्दावेइत्ता एवंवयासी खिप्पामेव तोदेवाणुप्पिया धम्मियंजाणप्पवरं

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

दीना पाणसूणीकबांधको एहवोएकपूत दास्तोवगटकवो धन्यहैतिनकी माता यावत लोउं उमारुक्कालेजाकामांसकरि सू

मासाणं बऊयपिउसाएं अयमेयारूवे दोहलेपाउब्भूए धन्नाणंताउ अम्माउ जाव जउणं उन्नेउदरवलिमंसेहिं सो
लाकरनइ यावत दोहला पूराकरउं तेवालइं मइअहोस्वामी तिमि दोहलाइं अणपूरइकवइथका सूकी सूकी यावत विनाध्यावंत कं

छेहिया जाव दोहलं विणयउंति ततेणं अहंसामी तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि सुक्का लुक्का जाव झियामि
तिवारे नेसेणकराजा चेलणाघनइ एमबोल्या मतिइहदेवाणप्पिय चिंताकर यावत ध्यावइ मइसर्ववात तिमदीजकरुंगा जिम

ततेणं सेसेणिएराया चिल्लणाए एवंवयासी माणंतुमंदेवाणप्पिए उहय जाव झियासि अहणं तहेवनिहामि जहाणं
उमारे दोहला संपाप्ति होश्यी येकरिकइ चेलणादेवीनइं तान्नि इष्टवचनेकरी मनोहर प्रियकारी मनोज्ञवचन विश्वेयमनगमता श्रवनने क्चन

तवदोहलस्स संपत्तिविसंपति तिकटु चेलणाएदेवीए ताहिं इठाहिं कंताहं पियाहं मणुन्नाहिं मणामाहिं उरालाहिं
कल्याणकारीए उपद्रवकरिरहितधनकारी मंगलका प्रिय मधुर सोभायमान वाणीइंकरी शब्दीनइं संतोषी पतिचेलणारांणीका पासथकी

हिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धन्नाहिं मंगल्लाहिं मियमहुर सस्सिरीयाहिं वग्गूहिं समासासेति चेलणादेवीए अंतिया
निकस्यानिकसकइ निहां उपस्थानवाहिरलीसालाइं तिहां आवइआवीनइ सिंहासनथकेनकविषवते पूर्वसन्मुहोयकरिके वयता

उ पडिनिक्कमइअत्ता जेणेवबाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइअत्ता सिंहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसी
तिणदीहलेकी संप्राप्ति निमित्त थणा आय उपायइकरी उत्पातबुद्धिकरिकइ विनयकाविनय कार्मिकीकाम पारिणामिकीबुद्धिनेवयसा

यंति तस्सदोहलस्स संपत्ति निमित्तं बहूहिं आएहिं उवाइयं उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए प
तिसबुद्धिविचारकरतइकं तिसदोहलाकावांछित उपाय कदइकरुंगा नहीजाणनाथका आत्मिसे यावत ध्यावइथा अेसअवसर अनयकुमार

रिणामेमाणेअत्ता तस्सदोहलस्सआयंवा उवायंवा ठिइंवा अविंदमाणा ओहय जाव झियाइंति इमंचणं अभयकु
स्नानकरि यावत सरीर अलंकृतकरीगृह नीकलइनीकलीनइं तिहां बाहिरली वयवदानीआज्ञा तिहां सेणिकराजा तिहांआवइआ

मारेएहाए जाव सरीरे सयंगिहाउ पडिनिक्कमइअत्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव सेणियराया तेसेवउवाग

यकइ श्रेणिकराजा चिंतासहित यावत ध्यावनाथका देखइदेखीनइ इमबोल्या अन्यथादेखात तुम्हेमुझकोदेषकइ दुर्ध्यानसंतोषयावत

ऊइअत्ता सेणियंरायं उहय जाव झियायमाणं पासित्ता एवंवयासी अलयाणंताउ तुब्भेममंयासित्ता हट्ठ तुट्ठ जाव
हृदयविकसतकिसकारणादेखात आकरुंमे चिंतासहितयावत ध्यानकरोते ओ ऊठ देखात एकअर्थकि यंपहो सुणाइकरि तवतुम

हियया तवइकिमदंतातो अकंउन्ने उहय जाव झियाइत्तं अइणंअहं तातो एयमठ्ठस्स अरिहं सवणयाउ तोणं
मुझनेआअर्थः जिमदोय साचा संदेहरहित कहउ जिसवुं कं तिसअर्थका अंतघतेकरुंगा तातयवइस श्रेणि

तुब्भे ममंएयमठं जाइक्खय मचिंतइ मसंदिठं परिकहइ जाइं कहं तस्सअठ्ठस्स अंतगमणंकरेमि ततेणंसे से
कराजा अनयकुमारयतइ इमबोल्यो नहीदेखुत्र साक्षीणअर्थइ जिसकउतुम अयोग्य सुणावणाकं इमनिश्चेइपुत्र भारी

णियराया अनयकुमारं एवंवयासी नहिणंपुत्ता सेकेइ देवे इमाणंतुमंअणारिहे सवणयाए एवंखलुपुत्ता तव
सावकी माता चेलणा देवी तिसक उदारप्रधान यावत महासुपनकदेषपते तिकंमास घणापूर्णकवइ मेरइकादेउगामां

खुलमाइयाउ चिल्लणा देवीए तस्सणं उरालस्स जाव महासुमिणस्स तिण्हंमासाणं बहुपडिपुन्नाणं ममउदरवली
स सूखाकरिके यावत दोहला पूराकरुं तिवारेचेलणारांणी तिसदोहलाकं पूराअणकवइथकइ सूकी यावत चिंताकरइइइ

मंसेहिं सोणिएहिय जाव दोहलं विणेंति ततेणंसाचिल्लणादेवी तंसिदोहलंसि अविणिज्जमाणंसि सुक्का जाव झियाते त
तिसवासइदेपुत्र तिसदोहलाकी संप्राप्तिकइनिमत्तइ घणा उपायइकरी यावत रिझति अजाणताकवा आमिसंचिंताकरुंकं यावत तता

तेणं अहंपुत्ता तसदोहलस्ससंपत्तिनिमित्तं बहूहिं आएहिय जाव ठिइंवा अविंदमाणा ओहय झियाइत्ति जाव त
एवंतेअनय कुमार श्रेणिकराजायते इमबोल्यो मदिदेखात तुमेआर्त्ति यावत ध्यावउ अवंमे सुखीकरुंगा जिम

एणंसेअभय कुमारे सेणियंरायं एवंवयासी माणंतातो तुब्भेउहय जाव झियाह अहणं तहावनिस्सामि जहा
यथा मेरीसावकीमाता चेलणानामांगी तिसकइदोहलकी संप्राप्त दोयगीयाकरिकइ श्रेणिकराजाने तांत्रि इष्टवचन प्रिय

मऊहाणं ममचुल्लमाऊए चिल्लणाएदेवीए तस्सदोहलस्स संपत्ति सक्खंतिकट्टु सेणियंरायं ताहिं इठाहिं कंताहिं

यावत् वाणीकरी स्वस्वकरइकरीनइ जिहां आपणघर तिहां आवइआवीनइ नीनरका एकांतिक रहणवालेपुरुष थोथावइथोथाइके थे

ज्जाव वग्गूहिं समासासेंतिश्ना डोणेव सयंगेहे तेणेव उवागच्छइश्ना अभिंतरए रहसिएण घाणिऊणुरसे सद्दावेइश्ना एवं
सदावेत्ता जावा देवानुप्रियकसाईकेघरतइ गीतोमांसलोइ उदरमांहतेघणुडनकाथलीसरीथामांसलआनवावइते घनीतकारीपुरुष अनयकुमा

वयासी गच्छणं उमेदेवाणप्पिया सेनाउ अद्धमंससुरिंच वच्छिछडगंच गिन्हइश्ना तन्नेणंते घाणिऊखुरिसा श्रसय
रइ इमकहइथकइ हर्ष तुष्ट लाथलोकनइयावत वचनसुणकइ अनयकुमारनइ मयीपथी नीकलइनीकलथकइ जिहां

कुमारेणं एवंवुत्तासमाणा हट्ठ तुट्ठ करयल जाव पडिसुणेइश्ना अभयकुमारस्स अंतियाउ पडिनिक्कमइश्ना डो
कसाईनाघर तिहां आवइआथकें गीतोमांसलाद्धंसहित कालेजाकीकोथलीवेकइ जिहांअनयकुमारइ तिहांआवइ आ

णेव सूनागेहे तेणेव उवागच्छइश्ना अद्धमंससुरिंच वच्छिछडगंच गिन्हंतिश्ना डोणेवअभयकुमारे तेणेवउवाग
वीनइ लाथजोमकइ तेआलोमांसनइलोही कालेजाकीकोथली लीयइ तिवारइते अनयकुमार तेआलामांसलोद्ध वोटा२थंसटुकडा

च्छइश्ना करयल तेअद्धमंससुरिंच वच्छिछडगंच उवणेति ततेणंसे अभयकुमारे तेअद्धमंससुरिंकप्पणिक
करकरिकइ जिहां श्रेणिकराजाछे तिहांआवाआथकइ श्रेणिकराजानें बांधोविचारिकै सिध्यानइविषइ .सुवाय सुवाय

प्पियं करेतिश्ना डोणेव सेणियरायां तेणेवउवागच्छइश्ना सेणियरायं रहसिगयं सयणिज्जंसि उत्ताणयंति निवेज्ज
कइ सेणिकराजाकें उदरावलिविषइ तेआलोमांसलोद्ध बांध्याबांधकइ कालेजेकेमांसकीकोथलीथलेथलेटकइ कारीकरकइ निवारइ

वेश्ना सेणियरायं उदरवलीसु तेअद्धमंससुरिं विरवेतिश्ना वच्छछडएणं विहडंतिश्ना संवत्तीकरणेणं करेंतिश्
चेलणाघनइ ऊपरघरकइ देवणकइकारणथधानवोम वेगावइ वेगायके चेलणादेवी देवइवरावरि सनमुखनिजरदेषेतिहां सेणकराजा घते

ना चित्तेणंदेवि उप्पिंपासाए आलोयणवरगए ववावेतिश्ना चिलणादेवीए अदेसयंसि सयणिदिसिं सेणियरायं
सिध्यानइविषइ मूका स्वावइ श्रेणिकराजाका कालेजाकामांसनइ तुरीसुंवेदइ मदीनकरइकरीनइ उज्वलनाजनविषइया

सयणिज्जंसि उत्ताणगं निवज्जावेति सेणियस्सरण्णो उदरवलिमंसाइं कप्पणिकप्पियाइंकरेतिश्ना सेयनायणसिंच

वइ तयापछेतेश्रेणकराजाऊठोई मूर्छायइ करेंतिकरकइ एकइमूछनइअं मांहोमांहिअनयादि वानकरनाथकारवइ तयापछेत
तरइ कसाथइ

किवेति ततेणंसेसेणियराया अलियं मुच्छियं करेंतिश्ना मुक्कबंधकरेणं अद्धमन्नेणं सद्धिंसंलवमाणे विहंतितत्तेणंसे
अनयकुमार सेणकराजाका कालेजाकामांस लेवइ लेकइ जिहांचेलणादेवीवइ तिहां आवे आवीनइ चेलणामनइ

अभयकुमारे सेणियरायं उदरवलिमंसाइं गिन्हंतिश्ना डोणेवचेलणादेवीए तेणेवउवागच्छइश्ना चिलणादेविं व
देवइ तदयछेतेचेलणा सेणिकराजानो तिस कालेजेकइमांसकर सोचाकरि यावत दोहलाइराकस्या तवोयछेतेचेलणादेवीना संपन्न

वएंति ततेणंसाचिलणा सेणियस्स तेहिं उदरवलीमंसेहिं सोल्लेहिं जाव दोहलंविणेति ततेणंसाचेलणादेवी संपु
कीयादोहला तिमसनमांन्यादोहला विनेदकीयादोहला तेगर्भनतइ सुखइ पालतीविषइ तदपीवइते चेलणादेवी अन्यघस्तावइ

न्नदोहला समाणियदोहला वोच्छिन्नदोहला तंगब्भंसुहंसुहेणं परिवहति ततेणंतीसे चेलणादेवीए अन्नयाकयाइं
श्रेणीरातकासमथनइविषइ एहवोगकरूप यावत ऊपड्या डोहथमइस बालकि गर्भमांहेथकइ पिताकाका

इं उच्चत्तावरत्तकालसमयंसि अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था जइणंावइमेणं दारएणं गब्भगएणंचेव विहणाउ
लेजाकामांसथावणइकीइछाऊपनीतिथावोतेमुकनेनखानिश्चयेमूकनइएगर्भ साडवो पाडिवो गालिवो मुकतइविणासवो इमविचारकरइ

दरवकिमंसाइं खाइस्सणि तंसेयंखलु ममएयंगब्भं साडित्तएवा पाडित्तएवा गालित्तएवा विद्धंसएवा एवंसंपेहेतिश्ना
तेगर्भथेणा गर्भनसाडवाकाउपाये गर्भनइथामकनइक्षयकरी गर्भगालणकरी गर्भगालणकाक्षयकरी वीलइसाडणनणी पा

गब्भंबहूहिं गब्भसाडणेहिय गब्भपाडणेहिय गब्भगालणेहिय गब्भविद्धंसणेहिय इच्छेतिसाडित्तएवा पा
डिवउ गालिवउ यावत तेगर्भनहीं सडवा पाडवा गालिवा विद्धंसवानहीसमर्थ तिवारइतेचेलणादेवी तेगर्भनइ

डित्तएवा गालित्तएवा जाव नोचेवणं तंसेगब्भे सडइवा पडइएवा गलितएवा विद्धंसइवा ततेणंसाचेलणादेवीतंगब्भ
जिवारइ नहीसमर्थथाएइं गर्भसाडवानइक्षयकरी यावत गर्भपाडवानइक्षयक्षयकरी सामर्थ यावत विद्धंसणा तिसथकी विशेषथाकीवब्ध न

वदथाया

जाहे नोसंचाएतिबहिं गब्भसाडणेहिय जाव गब्भपाडणेहिय साडित्तएवा जाव विद्धंसित्तएवा ताहेसंता तंतायरंतता

निर्वेदमापन्नइ तेवालाघरहियकी तेवालाघरहियकइं परस्परकइं आलिविंतावलिंतिकया नेगमेकंवदंतीवइइ तिवारे तेचेलणागांणी नवमदीना घणाघृति धीकइ
विविहासमाणी अकामियाए अवसवसा अट्टवसट्टदुहट्टा तंगब्भंपरिवहंति ततेणं साचिल्लणादेवी नवण्हंमासाणं बहुप
पूर्णकृवांधकोयावत् सकोमलबालकइकं जन्मया तिवारइ तेचेलणागांणीयइ इसाएकरूपं यावत् ऋषभाकउपमइसि बालकनं ग
डिंभगाणं जाव सुकुमालंदारयंपयाया ततेणं तीसेचेल्लणादेवीए इमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्थाजइणावइमेणं दारएणं ग
र्भादियकइ पितावाकालेजाका मांस पांणीकावोल्याऊपज्या तेनजांणीयइ एबालक वध्याधका ऊंणजाणेछमारेऊयका अंतकाकरणहारोहोयगा
णगणंचेव पिउणाउदरवलिंमंसइं रुहाइयाइं तंनमंडइणं एसदारए संवड्ढमाणे कोअम्हंकुलस्स अंतकरेत्तविसंति।
तामुक्तनिश्चय एहबालकघरतइ एकांतऊकरडीयइ नषावचइ इमविचारीविचारके तिवारइपचेते दासचेडीऊं बुलावइबुलायके इमवा
तंमेयंखलु अम्हंएयंदारगं एगंतेउक्कुडियाए उज्झावित्तए एवंसंपेहइत्ता ततेणंसा दासचेडियाउ सदावेतिइत्ता एवंव
दी खावोतुमंदेवाणुप्रिय इनबालकनइ एकांतऊकरडीयइ नाषआवो तिवारइते दासी चेलणायइ इमकहइधकइ
यासी गब्भेणंमंदेवाएफप्पिए एयंदारयं एगंतेउक्कुडियाए उज्झाहि ततेणंसा दासचेडी चेलणाएदेवीए एवंवुत्तासमा
हाथजोम यावत् योकरिके चेलणाका एहअर्थ विनयकरी वचनसांनवइसांनलीतेबालकनइ दाषांकाघुघमाहइ यहणकरेयहणकरने जिहां
णी करयल जाव तिकट्टु चिल्लणादेवीए एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेतिइत्ता तंदारगं करतलपुडेणं गिन्हतिइत्ता जेणेव
असोकवामीइ तिहांआवइ आवीनइ तेबालकनइएकांत ऊकरडीयइ नाषा तिवारइ तेबालकनइ एकांत ऊकरडीवियइ
असोगवाणीया तेणेवउवागच्छइत्ता तंदारगंएगंते उक्कुडियाए उज्झाति ततेणं तेणंदारएणं एगंते उक्कुडियाए उज्झि
नाषा थका तिणअसोकवामीनइविषइ उद्यातऊंचरखाढइ तिवारएतेते श्रेणकराजायइ इसीकथाकाअर्थसांभाथको जिहां
याइं समाणेणं साअसोकवाडियाएसंउद्योइताया विहोत्था ततेणंसे सेणएराया इमीसेकहाए लद्धठे समाणे जेणेव
आसोगवामी तिहांआवइआवीनइ तेबालकनेऊकरडीवियइ नाषा देषीनइराजा कोधवंतऊवो यावत् देदीप्यमानकोयवंतेबा
असोगवाणिया तेणेवउवागच्छइत्ता तंदारयंतेउक्कुडियाइ उज्झियं पासंतिइत्ता आसुरत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तंदा

लक नइ दोनेहाथकापुडमाहइलेवइग्रहण करीनइ जिहांचेलणादेवीवइ तिहांआवइ आवीनइ चेलणाप्रतइं अंचलीबंधनइ आक्रोसथई ओलंभोदेव इदेईनइ
रगं करतलपुडेणंगिण्हंतिइत्ता जेणेवचेल्लणादेवी तेणेवउवागच्छइत्ता चिल्लणंदेविं उच्चावयाहिं आउस्सणाहिं आउसंति
अंचलीवइ निसंबणइकरी निस्तंबी राजाइमबोल्यो किमेसत्तम मेराषुवचनइएकांत ऊकरडीयि नषावो चेलणादेवी
इत्ता उच्चावयाहिं निब्भच्छणाहिं निब्भच्छंति एवंवयासी केसणंडमं ममंवुत्तेणंतेउक्कुरुडियाए उज्झावेति चेलणाएदेवी
अंचलीबंधनइ सुणीनइ इमबोल्या इमदेदेवाणुप्रिये इसबालकनइ अनुक्रमकरि सारावतीथकी संगोपवतीछंई वधारइ
ए उच्चावयाहिं सुणिइत्ता एवंवयासी इमंदेवाणुप्पिया इमंदारगं अणुहुद्धेणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी संवड्ढेति
तिवारइतिकाचेलणादेवी सेणकराजाका इमकहइ यकइ लाडी विशेषबोलीजे योकरिकइश्रेणिकराजाका विनयकरी ए
ततेणंसाचेल्लणादेवी सेणिएणंरन्ना एवंवुत्ता समाणी लज्जिया विलिज्जिया तिकट्टु करयल सेणियस्सरन्नो विणएणं ए
अर्थ सांनलइसांनलीनइ तेबालकनइ अनुक्रमइ तेराषतीथकी संगोपवतीछंई वधारइ तिवारइ तेबालकनइ एकांत ऊकरडीय
यमट्ठं पडिसुणेतिइत्ता तंदारगं अणुहुद्धेणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी संवड्ढेसि ततेणं तस्सदारगस्स एगंतेउक्कुरुडि
इ नाष्यायकां एकअंगुली ऊकटेपंथीयइ ऊरटी छंती पीवइअंगुलीनारवार राषिपुन मोक्ल आवइ वहइ
याए उज्झिज्जमाणस्स अयंगुलिया ऊकुडपिच्छएणं डमियाविद्धा अतिरुक्खं२ दूयंवसोणियंच अत्तिनिस्सवेति।
तिवारे तेबालकपगनथोथकोवेदनाकरि मोटइरसइ आरडइ तिवारइ तेश्रेणकराजा तेबालकना आरडाअक्षरणी
ततेणं सेदारए वेयणा अभिब्भूतेसमाणे महयाएसद्देणं आरसंति ततेणं सेणिएराया तस्सदारगस्स आरसितसद्दं
नइ विवारइकइजिहां तेबालक तिहांआवइआयकइ तेबालकनइ हाथपुडकरि लीयालेकइ तेआंगुलीना अग्रनागमुखमाहि घालइ
सोच्चा निसम्म जेणेव सेदारए तेणेवउवागच्छइत्ता तंदारगं करयलपुडेणंगिण्हइत्ता तंअयंगुलिए आसयंति एक्कि
बालकइं राषिछं लोहीछं मुषकरि चुसवूमतांयइ तिवारइतेबालक वेदनारहित सुषछंवो आणबोलो रहइ जिणरवेलायइ ते
वतिइत्ता दूयंवसोणियंच आसाएणं आसुमंतिइत्ता तेतेणंसेदारए निब्भए निवेयणे उसिणिए संविहई जाहेश्वियणं से

बालक वेदनाकरि व्याप्त ऊर्ध्वश्वासकर्ष सहित श्वासकर्ष आरड्ड निगवेनाई शोककरता निर्दोषबालका निर्दोषआवईआवनिड्ड नेत्रादिक

दारए वेयणाए अभुत्तयसमाणे मद्दयाश्सद्देणं आरसंति ताहेवियणं सेणियराया कोणेवसेदारए नेणेवउवागच्छइश्ता तंदारगं

नईशाश्यशरमईवेवईवेकई निमहीजयावत वेत्तारहितोय खुपकरीनईरडई निवारईतोणबालकजं माता पिता नीजई दिवसई चंदमाद्यपेखि

करतलसंपुडेणंगिन्हइश्ता तेवेव जाव निवेयणाए उसिणिसंविंति ततेणंतस्सदारगस्स अम्मापियरो तम्मि दिवसे वंदसूरदं

दइनिकरावई यावत् बालकवंधारमोदिवस अयमाणकरूप गुणंइगुण निष्पन्न नामधेय करइ जिसकारण हमेइस बालकनईएकांत

सणंयकारेंति जाव संपत्तेबारसमेदिवसे अयमेयारूवं गोएणगुण निप्पन्नं नामधिज्जं करेमि जम्हाणं अम्हेइमस्सदारगस्स

ऊकुरडीयई नांखीयकी आंगुली तदकई पंथीयई ऊरडी तेकारणकउ अमहेणबालकनउ नामधेय

सणंते उक्कुरुडियाए उज्झिजमाणस्स अंगुलिया ऊकुडिया पिडएणं डसिया तेहोऊणं अम्हेइमस्सदारगस्स नामधि

कोणिक तत्रायउ तिणबालककी माताइड पिता नांमधेयकरई कोणकअसा तिवारईतेकोणकना बालकका अनुक्रमकरि

ज्जंकोणिए तत्तेणंतस्सदारगस्स अम्मापियरो नामधिज्जंकरेंति कोणियाणं तत्तेणंतस्सकोणियस्स दारगस्स अणुपुव्वेणं

जनमथितपुनः मेघकीजुंकदणी यावत ऊपरथाकुंआदकइविघविवरेवे आवदांतिआइतिवारपवइतिसकोणिककी ऊमरकई एकदाघरमावई आधि

इवडियंव जाव महाभेदस्स जाव उप्पिंपासायविहरंति अहउं तेणं तस्सकोणियस्स ऊमारस्स अन्नयाकयाइं सुब

राजका समयनईविषई यावत् विचारऊपजा इमनिश्चय ऊसेणकनामाराजाकी व्याघातकरि नहीसमर्थः नहीसमर्थः आपदीराज्यवहनी

अंगी कारकरता

रन्नावरन्नकालसमयंसि जाव समुप्पज्जित्था एवंखलु अहंसेणियस्सरन्नो वाघाएणं नोसंचाएमि सयमेवरज्जसिरिं

ऊवा पाम्यताथका विचरवा तेकारणनवाटे मुझऊंश्रेणकराजाऊंवमीयांका बंधणकरिक आपदीघालई मोटइश राजानिषेधकरि राजपद

कारेमाणे पालेमाणे विहरित्तए तंसेयंखलु ममंसेणियंरायं नियलबंधणंकरेत्ता रज्जंच रट्ठंच बलंच वाहणंच कोसंच कोवागारं

कइ वल इवाहन का

सर्वदेशनई इगयारइंइसांवावा वैरचनई पोतइ राज्यलेक्षीऊं करनाथका पालनाथका यावत् विचरंता तिवारई तेकाद्यादिक दसेऊमार को

ऊणंवटंच इकारसन्नए विहेवियं सयमेवरज्जसिरिं कारेमाणे पालेमाणे जाव विहरति ततेणं तेकालादीए दसऊमारा को

णाक ऊमारका एहवात विनयकरि सांभलइसांभलीनई तिवारई तेकोणकऊमार अन्यदासमयनई सेणकराजाका अवसर जोएवा

णियस्सऊमारस्स एयमट्ठं विन्नएणं पमिसुणंतिश्ता ततेणं ते कालादीए कुमारे अन्नयाकयाइं सेणियस्सरन्नो अंतरं जाण

जाणकई जोएवाश्रेणकराजानई बेडीकावंधन करई आपदीज मोटइश राज्योनरवेकई सीवावई तिवारपछई तेऊणिकऊमार अराजाकुवं

इश्ता सेणियंरायं नियलबंधणं करेति अप्पाणं महयाश्रायासिएणं असिसिंचावेति ततेणं सेऊणिएकुमारे रायाजाए

मोटो तिवारईपछे सेणकराजा एकदासमय स्नानकरीयोवाव सवीगइणाकरी सोनायभोनऊय वेजणाजामादेवीना पगवंदवानेआयातिवारेवेलणाको वेलणाघरई

महता ततेणंसेणियेराया अन्नयाकयाइं व्हाएजाव सव्वालंकार विभूसिए विचित्तेवीए पायंगइणंकरेतिश्ता चेलणादेवि

इमबोल्यो किम देमाता ऊमेसुधनहीऊवा नहीचत्तादऊवानहीहर्षितऊवा नहीआनंदपाम्या कोमइ पोतइ राजकीसकीधनइभोगवतो विचरुं तिवारपछीते चे

एवंवयासी किन्नंअम्मउ ऊमंनउछीवा नऊसएवानहरिसिवा नाणंदेवा जन्नं अहं सयमेव रज्जसिरिं विहरामि ततेणंसा वि

लणादेवी कोणकराजाघनइ इमबोल्यो किमदेसुत्र सुखनईसंतोषऊंवे उम्मादऊंवइ आनंद हीयगा को ऊमनइ सेणकराजा पितादेवगुरु

नणादेवी कूणियंरायं एवंवयासी कहन्नंपुत्ता मंमउछीवा ऊमहरिसि आणंदेवासविंति जन्नं ऊमं सेणियंरायं पियदेवगु

बरोवर अत्यंतनेहकरिरागरक्तसिऊ निवडवंधने करिनई आप वनावका राजानिषेधकरकर सींचावा तिवारपछे तेऊणकराजा

ऊणगं अन्नंतनेव्हाणुरागरत्तं नियलबंधणंकरित्ता अप्पाणं महताश्रायासिएणं असिसिंचावेवि ततेणंसेकूणिएराया

ચેરમેન સ્વર્ગીય વજેરામ રણછોડ ઘોળકિયાના સ્મરણાર્થે તેમના સુપુત્ર વિનુભાઈ તથા પુત્રવધૂ ભારતીબેન તરફથી

ભારતી કલૉજિયાલિટ્સ પ્રોપ્રાયટર્સ ઍન્ડ પાર્ટનર્સ વિશ્વાસુ કર્મચારીઓ ,મુંબઈ ઘાટકોપરની માતુશ્રી ભગવતીબા ગોવિંદજી ઘોળકિયા

વિદ્યાર્થીઓ વિનંતી પત્રકારની ફરજો સંતોષપૂર્વક તાલુકાના વિકાસ માટેની યોજનાઓ સ્વપ્ના ને નીચે સામાન્યપણે ઉપયોગી થઈ પડે તેવા પ્રયત્નો કરવા જોઈએ વિભાગોમાં ઉપલબ્ધ થવાની

ફરિયાદ કરવામાં આવી હતી. ઉપરાંત ૧૯૫૫ના ઑક્ટોબરની ૨૫મી તારીખે ગુજરાત રાજ્યની સ્થાપના થઈ ત્યારે ગુજરાતમાં ૧૯ જિલ્લા હતા. ૧૯૬૦ના મે મહિનાની ૧લી તારીખે મુંબઈ રાજ્યનું વિભાજન થયું અને ગુજરાત રાજ્ય અસ્તિત્વમાં આવ્યું. ત્યારે ગુજરાતમાં ૨૫ જિલ્લા થય

नीकलीनइ जिहां चंपानामानयरीइइ तिहांआवइआवीनइ तिणं विलीएनोगसदितविचरइ गयेपकइकितनेकवायइ अन्यईक कुमांथ

एकमइतिश्रा डोणेव चंपाएणामंणयरी तेणेवउवागछ तिश्रा तछविलनोगसामिनि समणागए कालेण अप्पसोएडाएयाधि
का तिहांरायधीनेकोणाकराजा आवइसावइ कालादिक दशकुमार वोलावइबोलावीनि राज्य देश यावत् सर्वदेशःधुन इग्यारइसगइ

होत्था तेणंसेरुक्मिणिराया अन्नयाकयाइं कालादीए दसकुमारे सदावेइश्रा रछेच रछंच ठावे ठाणवयंच एक्कारसलाए
वोटइबांधीनइ आपदीराज्यवस्त्रीकुं अंगीकारकरताथका राज्यनायगतविचरइ तिहांचंपानगरीयइ सेणाकनोखत्र वेलणादेवीनो अंगजात इरणि

विरचिंतिश्रा सयमेवरुक्मिरिं कारेमाणे यावत् पसेमाणे विहरंति तछणंचंपाए सेणियरमछनो विलणादेवीए अन्नए इरणि
कराजानो सहोदरनाई कनिष्टतेसाईते विहल्लनाम कुमार जेनो सुकमाल यावत सरूप तिवारइविहल्लकुमारकुं श्रेणाकराजा

यस्मरनो सहोदरे कणेयसेलाया विहल्लेणामंकुमारंदेछा सुकमाले ठाव सव्वे ततेणं विहल्लकुमारस्स सेणियस्स
थए जीवतांथकांज सेचनक गंधहाथी अठारहलरीकोहार छवदीयाहे तिवारे विहल्लनामाकुमार सेचनकगंधहाथीकुं अंतेउर

रनो डीवंतएणंचेव सेयणएगंधहछी अठारसवंकेहारं सुबदिने ततेणंसेविहल्लेकुमारे सेयणएगंधहछीए अंतेउ
सहित परिवरीयाथको चंपानगरीकइमाहिश नीकलइनीकलीने बारंवार गंगानामेमोटीनदी मज्जनस्नानकरीसाकरवानितयावं तिवारइ

रएरियाल संछरिछुने चंपंनयरंमज्झंमज्झेणं निग्गछइश्रा लिरकणंश गंगामहानई मज्झणमणेणोतारंति ततेणं
तेसेचनकगंधहस्ती तेरांणीनइ सुंढमइ वेचइलेईनइ केईकनइ छतनइविषइथामइ केईकनइस्कंधऊपरश्थामइ एकनइऊंसस्थलनइवि

सेसेणियरंगंधहछीदेवीउ सुडाए गिन्हंतिश्रा अप्पेगइयाउ छडेछवेति अप्पगईयाउ खंधेछवेति अप्पेगइयाउकुं
वेंस्थाये एकनइ मस्तकनइविषइथापइलेईनइ केईकनइलेइनइ दांतनइऊपरणथइ एक

से अप्पेगइयाउ सीसेछवेति अप्पेगइयाउ छडेछवेति अप्पेगइयाउखंधेछवेति अप्पेगइयाउ दंतमुसलेछवेति अ
नइलेईनइ सुंढसुंघवीनइ अवीलथइ एकनइलेइसुंढनइविषइ दीयोलावइ एकनइलेईनइ दांतांविचइ राखइ एकनइसूंढ

प्पेगतिया सुंढाएगहायउडंवेहासंउविह अप्पेसुमागइयाउ अंदोलावेति अप्पेगतियाउ दंतनरेखमीणेति अप्पेसीत्र

पांणीसुंसरीनवरावइ एकेकरांणीनइ अनेकजात क्रीमायइकरीनइ कीमाकरावइ तिवारइ चंपाएनगरीविषइ सिंघाजनइमार्गेत्रिकमार्गेचउकमार्गेचच्चरमहा
णमार्ग

रणं न्हाणेति अप्पेगतियाउ अणेगेहिं कीलावणएहिं कीलावेति ततेणं चंपाएणयरीए सिंघाडएण तिक्कचउक्क चच्चर म
पंथनइविषइ घणामनुष्य मोटोमांवइ एकवइ यावत परूपइ इमनिश्चय देवाणप्रियो विहल्लनामाकुमारें सेचानक गंधहस्ती

हायहेसुवक्कडगे अभिमंलस एवमाइरकाइं ठाव परूवंति एवंखलु देवाणप्पिया विहल्लेकुमारे सेयणएगंधह
सहित अंतःपुर तिमही यावत अनेकप्रकारइ क्रीमाकरलाई कीलावइलइ एपत्यइ विहल्लनामाकुमार राज्यलीलइनी सोभवतीथकी

स्थिणा अंतेउरं तंचेव ठाव अणेगेहिं कीलावणेहिं कीलावेति तेणंसणं वेहल्लेणंकुमारे रुक्मिरिंकलंब्यचणुश्चमाणे
विचरइछे नहीरुक्मिराजा तिवारइ तेपछमादतीकोणकनीहकिंग अमीयोकोकीवातसु एवातनो अर्थसाधइ एहनो एकरूप यावत अध्यवसायरूप

विहरंति नोरुक्मिणिराया ततेणं तीसेयउमावइदेवीए इमंसेकहेए लहुकासमाणीए अयमेयारूवे ठाव समुप्पज्जित्था
जा इमनिश्चय विहल्लकुमार सेचानक गंधहस्तीयइ यावत अनेकजातिकी कीमायइकरीकीनइछे एपत्यइ विहल्लनामाकुमार राज्यलक्ष्मी

एवंखलुवेहल्लेकुमारे सेयणएगंधहछीए ठाव अणेगेहिं कीलावणएकीलावेति तेणंसेणं वेहल्लेकुमारे रुक्मिरि
कोफल सोभवतीथकी विचरइछे नहीरुक्मिराजतेराजकोणि तोमाहरइकांईका राज्यथकी यावत सर्वविचारिनइ कउ अमारइसेचानक गंध
करावा

फलं पच्चणुश्चवमाणेविहरंति नोरुक्मिणिराया तंकिन्नं अम्हं रुक्मिणवा ठाव ठाणवणवा ठइलं अम्हसेयणए गंध
हस्तीनथी तेकारणइनिश्चेमइ कोणिकराजानइ एवात्तां वीनवु खुंविचारीनइ तिवारइपछइ जिहांकोणकराजातइ तिहां आवइ

हछिनछी तंसेयंखलुममं रुक्मिंरायं एयमहं विन्नवए तिकटु एवंसंपेहइश्रा डोणेवरुक्मिणिराया तेणेवउवाग
आवीनइ हाथजोमने यावत इमदोली इमनिश्चयदेखामी विहल्लनामाकुमार रोचानक गंधहस्तीकरिनइ यावत अनेकप्रकार क्रीमाकरावे

छइश्रा करयल ठाव एवंवयासी एवंखलुसामी विहल्लेकुमारे सेयणएणं गंधहछीए ठाव अणेगेहिं कीलावेति
किमहेसांमी इमकोएकरीनइ यावत सर्वदिनकरनइ कउं अमारइ सेचानकगंधहस्तीनछी तवाथनइ तेरुक्मिणकराजा पदमावतीराणी

किन्नंसामी अम्हंरुक्मिणवा ठाव ठाणवणवा ठइलं अम्हं सेयणएगंधहछिनछी ततेणंसेरुक्मिणिराया एवमाचटि

का एहअर्थ कहे काया कहिन्दी आदरसामन करिन उत्तरदेणकइ अन्नावेमोनक तिवारइते पद्मावतीराणी वारंवार कोणकराजाप्रते एहवात

देवीए एयमट्ठं नोआढाति नोपरिजाणंति तुम्हिणीएसंविट्ठंति ततेणं सा पउमावईदेवी असिरकएंइ कूणियंरायं एयमट्ठं
दीन्नाएए थिरदया
वीनवइ तिवारइते कोणकराजा पद्मावतीराणीका मुखथीवार२ एहवातांकं कवइथकइ एकदाघरमांयइ वेहल्लकुमारप्रते

विनवइ ततेणंसे कूणिएराया पउमावतिदेवीए असिरकएंइ एयमट्ठं विन्नविऊणं अन्नयाकयाइं वेहल्लेकुमारं
बुलावइबुलावीने सेचानकगंधहस्ती अठारलडीकाहार मांग्या तिवारइ तेविहल्लेकुमारे कोणिकराजाप्रते इमवीन्या इमनि

सद्दावेतिश्ना सेयणयंगंधहत्थिं अट्ठारसवंकंचहारं जायइ ततेणं सेविहल्लेकुमारे कूणियंराया एवंवयासी एवंखु
श्रयदेसांमी सेणिकराजानइ जीवतांथकांनिश्चय सेचानकगंधहस्ती अठारयमकोहारयतइ दीयोहो तेकोहेस्वामिन् अमसुझ कंसबीराज्यका

तुसांमी सेणिएणंरन्नो जीवंतएणंचेव सेयणगंधहत्थी अट्ठारसवंकेचहारे दिन्ने तेणंइलंसांमी उत्तेममरज्जसयं
अर्धसागदेवो तो अमे अमकं सेचानक गंधहस्ती अठारलडकोहारयतइ उत्तकंदेवु तिवारइ तेकोणकराजा विहल्लकुमारकामु

अहंदलयद नोएंअम्हेइत्तं सेयणयंगंधहत्थी अट्ठारसवंकेचहारं दलयामि ततेणं सेकूणिएराया विहल्लस्सकुमा
घथी एहवात्तसुणकै नजाणइ नहीअंगीकारकरइ तिवारइवारंवार सेचानकगंधहत्थी अठारलडकाहारयतइ मांगइ तिवारइ

मारस्स एयमट्ठं नोआढंति नोपरिजाणंति असिरकएंइ सेयणयंगंधहत्थी अट्ठारसवंकंचहारं जायति ततेणं त
तिण विहल्लनामाकुमार कूणिकराजायइ वारंवार सेचानक गंधहस्ती अठारलडकाहारका इम सेणकाकांमीकुंवालइ

सविहल्लस्सकुमारस्स कूणिएणंरन्नो असिरकएंइ सेयणंकेचहत्थी अट्ठारसवंकंचहारं एवं अविविउकामेणं
ग्रहणकरिवाअनिलाषीकुंवावलाका सेवाकीइछाकुंइ माहराकोणिकरा सेचानक गंधहस्ती अठारलडकोहारनइलेवइगा तेकारणाइ तांवगकं कोणकराजा

गिण्हउकामेणं सदोलेउ कामेण ममंकूणियराया सेयणंयगंधहत्थी अट्ठारसवंकंचहारं तंजाव तावममंकूणिएणं
रुं जा काणा
सधी सेचानकगंधहस्ती अठारलडकाहारयतइ लेवइ अंतेउरकंलेकइ परिदस्या आपणासांमामात्रउपगरणकुलेकइ चंपानगरी

या सेयणयंगंधहत्थी अट्ठारसवंकंचहारं गहाय अंतेउरपरियाल संपरिवुडस्स सलंकमन्नोवगरण मायाए चंपाउण

MEMORIAL

थकी नीकलइनीकलीने वेसालानयरीयइ नाकइ चेडाराजाकं अंगीकारकरिकइ विचरुंगा इमविचारइविचारकै कोणकराजाका

यरिउ णिरकमंतिश्ना वेसालानयरीए अद्धगं चेडयंरायं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए एवंसंपेहइश्ना कूणियस्सरन्नो
अवसरजांणन यावत् जागताथका विचरइते तिवारइते विहल्लकुमारे अन्यदाघरथावइ कोणकराजा अवसरजांणइजां

अंतराणिं जाव पडिजागरमाणेइ विहरित्तए ततेणंसेविहल्लेकुमारे अन्नयाकयाइं कूणियस्सरन्नो अंतरंजाणं
णीनइं सेचानकगंधहस्ती अठारलडकोहार लेकइ अंतेउरसहित परिवस्योथकी आपकासांमामात्रउपगरणकुलेकइ चं

त्रिश्ना सेयणयंगंधहत्थिं अट्ठारसवंकंचहारं गहाय अंतेउरपरियाल संपरिवुडे सलंकमन्नोवगरण मायाए चं
पानामानगरीथी नीकलइनीकलीनइ जिहां वेसालानगरी तिहां उ आवइआवीनइ वेशालानगरीविषइ आपकोनांनोवेण्येराजा पासथ्रं

पउणयरीए पडिनिरकमइश्ना जेणवेसालाणयरिं तेणेवउवागच्छइश्ना वेसालाएनयरीए अद्धगंचेडयंरायं उवसं
गीकारकरिनै सुभसेनीविचरइं तिवारइतेकूणिकराजा एहवीवातका अर्थलाभइकुंतइ इमनिश्चय विहल्लनामाकुमार मुझकुआणकहइश्य तेसेचानक

पज्जित्ताणं विहरंति ततेणंसेकूणिएराया इमीसेकहाए लद्धठेसमाणे एवंखलु वेहल्लेकुमारे ममंअविदे तेणंसेय
हस्तीकं अठारलडकाहारयतइ अंतपुरकंलेक यावत् नाना वेसालाम मोटाराजा पासइजायकइ सुखइविचरइल तेसलोनिश्चयमुकन सेचानक

णयं अट्ठारसवंकंचहारं अंतेउरए जाव अद्धगं चेमयं महारायं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तंसेयंखलुममं सेयण
गंधहस्ती अठारलडकोहारनिमत्तइ इतसेजणामुकर्कं इममनमेविचारइविचार इतऊबोलावइबोलायकइ इतप्रतइइमवी जावउ अमेदेदेवानुप्रिय

यगंधहत्थिं अट्ठारसवंकंचहारं इयंपेसित्तए एवंसंपेहइश्ना कूयंसदावेतिश्ना एवंवयासी गच्छहणंतुमंदेवाणप्पि
वेसालानगरी तिहांतुमेजायकइ मादरीनांनोचेडोराजाघरइ हाथजोमी वधावीनइ इमकहइजे इमनिश्चयदेसांमी कोणकराजा चोनती

या वेसालिंणयरिं तच्चणंतुमं ममंअद्धरचेडगंरायं करयल धवेइश्ना एवंवयासी एवंखलुसांमी कूणिएराया विन्नवे
करीहे एहविहल्ल कुमार कोणकराजाकइ विनाकहइं सेचानकहस्तीनइं अठारलडकाहारकुं लेकइ अमपासेआयाहइ तेणणीतुमेदेस्या भिन

ति एसणंवेहल्लेकुमारे कूणियस्सरन्नो असंविदेतेणं सेयणगं अट्ठारसवंकहारं गहाय इहहबमागते तेणंउत्तेसामी

कोणिकराजाकं हयाकरिकइ सेचानकक्कं अठारसडकाहारक्कं कोणिकराजानइ देसेजो वेहल्लकुमारक्कंघिणलेजउतिवारइनेइ
न
क्कणिएरायं अक्कगिहसमाणो सेयणगं अठारसवंकंचहारं क्कणियसरन्नो पद्मणिणइ वेहल्लकुमारं पेसेइनउसेइए
कोणिकनामुषथीवचनसाय यावत् सांभलइसांभलीनि जिहांगोतानोघरछे तिहांआवइ आवीनइ जिमविचनामइतयावत् त्योचेलाराजाकोंत्रनुवीनेतेइतइस
क्कणिएकरतले जाव पडिसुणंतिश्ना केणेवसयंगेहे तेणेवउवागच्छइश्ना जहा चिल्लो जाव उरात्तिश्ना एवंश्यासी एवं
इमनिश्चयदेस्वामी कोणकराजावीनवइछे एह विहल्लकुमार चिलातकदेलेगंधहस्तीअठारसलडकाहा यावत् विहल्लकुमारनइइ वेहणेजा तिवारइ तेचेडोराजा तइ
स्वलसामी क्कणिएराया विनवेइ एसणवेहल्लेकुमारे तहेव साणियन्ना जाव वेहल्लंकुमारं पेसेइ ततेणं सेचेल्लएराया तं
तनै इमबोल्यो जिमबीज देदेवानुप्रिय कोणकराजा सेणकराजाकोपुत्र चेलणारांणीको आत्मजइ माहरोभाईतोइ तिमहीज विहल
इयं एवंवयासी जहाचेवणं देवाणप्पिया क्कणिएराया सेणियस्सरन्नोइछते विलणादेवीअन्नए ममंनउए तहेवणं विह
कुमारणि सेणकराजानोपुत्रइ चेलणाकनै आत्मज मेरोदीहवीइ इमकुंसेणकराजाइ जीवतांथकांक विहल्लकुमारकं सेचानकहस्ती
लेकुमारे सेणियस्सरन्नोपुत्तो विलणादेवीए अन्नए ममंनउए सेणियएणंरन्नो डीयंतेणंचेव वेहल्लकुमारस्स सेयणगं अ
अठारसडकोहार यहिवांदीयोदे तेकनै कोणिकराजा विहल्लकुमारप्रत काज सर्वदिशका अर्द्धरागदेवइ तो मइं सेचानक
ठारसगंहारं सुबहिन्नं तेडाइणं कोणिएराया वेहल्लस्सय रन्नोसय डणवयस्सय अवंदलयति तोणं अम्हे सेयणगं
अठारसडकाहारयतइ कोणिकराजाघतइ यातोदिरावु विहल्लकुमारकं सेकुकंतेइवकं सन्मानदेवइ विदाकीया तिवारइते
अठारसेहारं कोणियस्सरन्नो पद्मणिणामि वेहल्लंकुमारं पेसेमितंहयं समाणेति पडिविसज्जेति ततेणंसे
हून चेमइराजायइ विदाकीयांथकां जिहां आरघंटानै योमांकीयहिल तिहांहुत आवइआवीनै चारघंटानाअश्वरथ ऊपरचढे वेसाहान
सेइए चेमणेरन्नो पडिविसज्जीयसमाणे डोणेव वासघरे तेणेवागच्छइश्ना चउघंटंडुरुहंतिश्ना वेसालिंन १२
गरीथी मोटइमाहइ नीकलइनीकली सुधेचाल्यो यावत् कोणकराजानेवडाचइव इमबोल्यो चेडोराजा इमकहइछइ जिमनिश्चय क्कणिक
यहिं मज्झंमज्झेणं णिगच्छइश्ना सुखेहिंवसउ जाव वधावेंतिश्ना एवंवयासी चेडएराया अणवेति जहचेवणं क्कणिये

राजा सेणकराजाकापुत्रइछ चेलणादेवीका आत्मज माहरादोहिता तिमहीसबीवातजाणवीयावत् विहल्लकुमारकं मेचूंवू नेकारणनदेवइछे
मइराजान
राया सेणियस्सरन्नोछते विलणाएदेवीएअन्नए ममंनउए तंचेवसाणियवं जाव विहल्लंकुमारं पेसेमि तेन्नदेतिणंसा
चेमोराजा सेचानकक्कं अठारसडकाहारक्कंनइ विहल्लकुमारकंनदीमे तिवारइतेक्कणिकराजा बीजीवार इतनइबोल्यायकइ इमकोणि
कबोल्योइ
मी चेडएराया सेयणगं अठारसवंकंहारं वेहल्लंनोपेसेति ततेणंसेक्कणियराया इट्ठंपिइयंसदोवेतिश्ना एवंच
जायकइ इमकहेदेस्वामीनिश्च क्कणिकराजा बीनवइछइं जिका काई रतनवस्त्र देशमइअपजइ सर्वतिका जिकाराज ऊलगांम
यासी एवंखलुसामी क्कणिएराया विन्नवेई जाणि काणि रयणाणि समुप्पज्जंति सब्बाणितागि रायकुलागामा
सेणकराजाका राज्यपइश्रीकरताथकां पालताथकां सर्वदीयरत्न अपना तेसेचानक गंधहस्ती अठारसडकोहा
णि सेणियस्सरन्नो रज्जसिरिकारेमाणस्स पालेमाणस्स डचेरयणा समुप्पन्ना तंसेयणतेय गंधहत्थी अठारसवंके
र तिकोजमेस्वामी राजकुल परंपरागत प्रीतिकं विचारकरिनइ सेचानकगंधहस्ती अठारसलडकोहार कोणिकराजाकंनइ
हारे तंनंजइसामीरायकुलपरंपरागयं पीईयं अम्हो वेमाणे सेयणयंगंधहत्थी अठारसवंकंहारं क्कणियसरन्नो
मे पाछेसेजो विहल्लकुमारनइ पेखो तिवारइतेइत कोणिकनामुषथीइमसांसलीघरेआवीघोडानीवदि इमबोल्यो इमनिश्चयदेस्वामीनु
लेकुपरचढीविजायेनय तीचेडाराजा उलखवी
प्पन्नविणइ विहल्लंकुमारं पेसेइ ततेणंसेइए क्कणियसरन्नो तहेव वधावेंतिश्ना एवंवयासी एवंखलुसामी क्कु
मनइक्कणिक चीनवीवइ जिकाकाईरतनवस्त्रनइ यावत् विहल्लकुमारयनइ सेजो तिवारइ तेचेडोराजा तेइतयनइ इमकहइ जिसोमुक्त
णिएराया विन्नवेइ डाणिकाणिताणि डाव वेहल्लं कुमारं पेसेइ ततेणं सेचेल्लपराया तंइयं एवंवयासी डहचेव
देदेवानुप्रियो क्कणिकराजा सेणकराजाकोपुत्र चेलणारांणीको आत्मज जिमपृथ्यमकल्यातिमहीसबी देवइविहल्लकुमारकं सेजवे तेइ
णं देवाणप्पिया क्कणिएराया सेणियस्सरन्नोछते विलणादेवीए अन्नए डंकोपढमं जाव वेहल्लंचकुमारं पेसेइ तं
तनै सत्कारइ सन्मानदेवइ विदाकीया तिवारइतेइत यावत् क्कणिकराजायनइ वधावइवधावी इमइतबोल्यो चेमोराजा इसी
इयं सक्कारेंति समाणेति पडिविसज्जे ततेणंसेइए जाव क्कणियसरन्नो वधावेइश्ना एवंवयासी चेमणराया अ

वातकर्दी जिममाहरइ देवाणुप्रिया कोणिकराजा सेणिकराजाको पुत्र चेल्लणारांणीको आत्मज यावत् वेहल्लकुमारनइ मेलइ तिस

णंवेति ऊहचेवणं देवाणप्पिया कूणिएराया सेणियसरन्नोखुत्ते चिल्लणादेवीय अत्तए जाव वेहल्लेकुमारं पेसेमि तंन

कारणनदेवइ चेमोराजा सेचानकगंधहस्ती अठारलडकाहार वेहल्लकुमारनइ नहीमेलइ तिवारइते कूणिकराजा तेहतका

दिसणंसामी चेडएराया सेयणयंगंधहत्थी अट्ठारसवंकंहारं वेहल्लेकुमारं नोपेसेत्ता ततेणंसे कूणिएराया तस्सइ

मुखथकी एहवार्ता सुणिकइ हीयामइ ग्रीष्मकोप्या लाखइत्यो यावत् मइकाजव्यमान तीजीवेलाइतलइं बोलावइछोडायकइतेइ इमकहे

रायस्सअंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरत्ते रुंविए जाव मिसिमिसेमाणे तच्चेइयं सद्दावेइ सद्दावेत्ति एवंवयासी

जाओ अमेहेदेवाणुप्रिय वेसालानामनगरीविषे चेमानामाराजानइ मावायगकरीसीहासनइ बलासार मारिकइ वडीआगे

सी गच्छणं तुमंदेवाणप्पिया वेसालाएणयरीए चेडगस्सरन्नो वामेणंपाएणंपायपीढ अक्कमाहिं अक्कमित्ताऊतंरयं

एणं तेहएणावेहिश्ता आसुरत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं निलाडि साहट्टु चेडगंरायं एवंवयासी

इसो वेसाकजा अग्राणीवल्लनाबोलइ कृष्णवर्णवंत सज्जावइस्सी वडिंतरहित यावत् एसत्यकूकोणिकराजा आज्ञादेव

हंभोचेडगसराया अपत्थियपत्थिया दुरंतपंतलक्खणा हिरिसिरि परिवज्जिया जाव एसणंकूणिएराया आणवे

अंगीकारकरूं कोणिकराजाकं सेचानकहस्ती अठारलडकोहार असुवेहल्लकुमारनइतेमो अथवायुधकरसावधानहोयरहं

हि पच्चप्पिणाहि कूणियस्सरन्नो सेयणयं अट्ठारसवंकंहारं वेहल्लंचकुमारं पेसेहि अवउज्झसछे चिठाहि ए

घत्यकूकोणिकराजादाधीधेमा मासधीरण्यसहि पायकादिलसकर युधसजकर इहांशीघ्रआवइदे निवारइतेइत साथदेम तिमही यावत्

सणंकूणिएरायासबले सबाहणे सबधीचारेणं उज्जसछे दूइंदूइजमाणेतितेणेसेइए करतल तहेव जाव

तिहांचेडोराजाइह तिहांआयाआयकइ हाथजोमी यावत् वधावेइ तेहतइमबोल्यो एसत्यकूहेसांमी मेरीविनयकरिप्रतिपत्त्रइहि

डोणेवचेडएराया तेणेवउवागच्छइउत्ता करतल जाव वधावेइ एवंवयासी एसणंसामी ममंविणयपडिवत्तीए

मार कोणिकराजाका एहवाती विनयकरि वचनसांभलइं तिवारइंतेकोणिक राजा तेकाल्यादिकदशेकुमारांप्रतइं इमबोल्यो जावउ

कुमारा कूणियस्सरन्नो एयमट्ठं विणएणं पडिसुणंति ततेणंसेकोणियराया तेकालीईयादसेकुमारा एवंवयासी गच्छहणं
ग्रमे देदेवानुप्रिया आपणेर राजांनइंघरा २ स्नानकरी यावत तिलकादिकरीनइं नीयांकरुंसंबंधकरि युद्धायुद्धा तिनइंजारहाथीसाथइं

तुब्भे देवाणुप्पिया सएसए रज्जेसु पत्तेयं२ एगहाया जाव पायचारविहारेणं दक्खिणिल्लेणं दारेणं कंधवरगया पत्तेयं२च तिहिं तिहिं दंतिसहस्सेहिं।
इमतीनइंजारथसाथइं तीनइंजारघोडासाथइं तीनकोडमनुष्यसाथइं परिवस्याथका सर्वऋद्धइं यावत शब्दइंकरी आपआपणा नग

एवंतिहिं२हसहस्सेहिं तिहिंआससहस्सेहिं तिहिंमणुस्सकोडीहिं सद्धिं संपरिवुडा सव्वड्ढीए जाव रवेणं सएहिंसएहिं
रथकी तीनकरइं तीनकरीनइं मुख पासेप्रगटकरीआवो तिवारेते कालादिक दशेकुमार कोणककराजाका एहवात सुण

गरेहिंतो पडिनिक्कमंतिश्त्ता ममं अंतियंपाउब्भवह ततेणंते कालादीए दसकुमारा कूणियस्सरन्नो एयमट्ठं सुच्चा
के आपणे राज्यथकी युद्धा२ स्नानकरी यावत तीनकोड मनुष्यसाथइं परिवस्याथका सर्वऋद्धइं यावत शब्दइंकरी आपआपणइं नगरथकी

सएहिं२ रज्जेसु पत्तेयं२हया जाव तिहिंमणुस्सकोडीसद्धिं संपरिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं सएहिंतो नयरेहिं
नीकलइंनीकलीनइं जिहां अंगनामादेशइंनिहां आवइं आवीनइं तिवारइंतेकालादिक दशेकुमारा यावत जिहां

तो पडिनिक्कमंतिश्त्ता जेणेव अंगाजणवए तेणेव उवागच्छइश्त्ता ततेणंतेकालादीए दसकुमारा जाव जेणे
कूणिकराजाइंनइं तिहांआवइं आवीनइं दाणदेतांनइंयावत वधावइं तिवारपछी तेकूणिकराजा आदेशकारीपुरुषनइं बोलावइंबोल्या

वकूणियराया तेणेवउवागच्छइश्त्ता करयल जाव वधावेंति ततेणंसे कूणिएराया कोडंबियइंसद्दावेतिश
तीनइं इमकहो शीघ्रपणइं अहोदेवानुप्रिय राजाधिराज हस्तिरत्नप्रतइं त्यारकरउ घोडारथीरथ्यारकारकोसैन्य सजाकरु

त्ता एवंवयासी खिप्पामेव भोदेवाणुप्पिया अभिसेक्कंहत्थिरयणं पडिकप्पेह हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीसेणाए सज्जं
री माहारीआज्ञाहोते शीघ्रपणइंकरु तिवारइं तेणइंकूणिकराजा जिहांस्नानकरवानोघरछे यावत नीकलइंनीकलीनइं जिहां बाहिर

ह ममंएयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ततेणं सेकूणिएराया जेणेवमज्जणगिहे जाव पडिनिक्कमंतिश्त्ता जेणेव बाहि
तिहांथकी।

रली वयत्तवानीशाळाछे यावत मनुष्याधि हस्तीरूप तिवारइंते कोणिकराजा तीनइंजारहाथीसाथइं यावत शब्दइंकरी चंपानगरीथी मांहविचवे
तिहांआवइं पति रवद्युं

रिया उवट्ठाणसाला जाव सरवई डरूढे ततेणंसेकूणिएराया तिहिंदंतिसहस्सेहिं जाव रवेणं चंपाएणयरिं मज्झंमज्झे
नीकलइंनीकलीने जिहां कालादिक दशेकुमारछे तिहां आवइंआवीनइं कालादिक दशेकुमारांनइं साथइं एकठामिलइं

णं निग्गच्छइश्त्ता जेणेव कालादीया दसकुमारा तेणेवउवागच्छइश्त्ता कालादिएहिं दसहिंकुमारेहिं सद्धिं एगउमिलीं
तिवारइंतेकोणिकराजा तेत्रीसहजारहस्तीसाथइं यावत तेत्रीसकोडमनुष्यसाथइं परिवस्यो सर्वऋद्धइं यावत शब्दइं सुखइंवसता

त ततेणंसेकूणिएराया तित्तीसाएदंतिसहस्सेहिं जाव तित्तीसाएमणुस्सकोडीहिं संपरिवुडे सव्वड्ढिए जाव रवेणं सुच्चेहिंव
थका जीमणाकरताथका डाबकीमिजवनदीक अंतरिरवासकरतां सुभैवसनाथका अंगनामादेशकइं विचाइंछइं नीकलइंनीकली जिहांविदेहदेश

सही पात्तरासेहिं नातिविगिट्ठेहिं अंतरावासेहिं वसमाणे२ अंगजणवयस्स मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइश्त्ता जेणेवविदेह
इं जिहां वेशालानगरीछइं तिहां आवणलागा तिवारइंतेवेडकराजा इसीवातकाअसीथा जाणइं थकइं नवमल्लकीजाति नव

जणवए जेणेव वेसालाएणगरीए तेणेवपहारेत्थगमणाए ततेणंसेचेडएराया इमीसेकहाए लद्धठे समाणे नवमल्लईन
लल्लकीजाति ए राजाकाशीदेशानाराजा आवारइराजाका समुदयइं बोलावइंबोलावीनइं इमबोल्यो इमनिश्चय हेदेवानुप्रियो विदहनामाकुमर

वलच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो सद्दावेंतिश्त्ता एवंवयासी एवंखलु देवाणुप्पिया विदेहेकुमारे
कूणिकराजाकइं विनांकरइंथकइं सेचानकगंधहाथी अगरलमकोहारयतइं लेकइं इसांशीघ्रउतावलो तिवारइं कोणिकने सेचानककइं

कूणियस्सरन्नो असंविदितेणं सेयणयंगंधहत्थिं अट्ठारसवंकंचहारं गहाय इट्ठंइच्छमाणए ततेणं कूणिए सेयणगस
अठारलडीकोहारके चर्यइं तीनवारइंतमेवीया नेइंयमइं इसकारणवास्तइं मोरीकइंराखकाती तिवारे तेकूणिक मेणइंइच्छी आणसु

अट्ठारसवंकस्सय अट्ठाए नवइंच्यापेसिया तेयमए इमेणं कारणेणं पडिसेहिया ततेणं सेकूणिए ममएयमट्ठं अप्प
णाथका चउरंगणीसेनाकइं साथइंपरिवस्यो युद्धसज्जकइं इसांशीघ्रआवइंछे तेकिम हेदेवानुप्रियो सेचानकगंधहस्ती

डिसुणेमाणे चाउरंगणीएसेणाए सद्धिंसंपरिवुडा जुद्धसज्जे इट्ठइच्छमाणछेति तेकिमं देवाणुप्पिया सेयणगगंधहत्थिं

अठारहदेशोंका मालिक कोणिकराजाको देशेजइ विहल्लकुमारके देशेजे कहेतो युद्धकरीये तिवारइ नवमल्लकी नवलच्छीजा कोस

अठारसवंकस्स रुणियस्सरन्नो पच्चप्पिणामो वेदेसंकुमारं पेसेमो वहाकुणिछा ततेणं नवमल्लई नवलच्छई कासी

तिना

लनाकशीदेशना अठारहराजाकासमूहयते वेशोराजा इमकहइ नदीयावातहेसा हमनेयु शीसानही राजवीयांकाएकोम तेडे सेचानकगंध

कोसलगा अठारसिविगणरायाणो चेडगंरायं एवंवयासी नोएयंसामी कुन्नंवा प्पलंवा रायसिरियंवा तेडनं सेयणगंगं

मित्र कु. नदी

खली अठारसरकाग्रहइ कोणिकराजाकं दीडइ विहल्लेकुमार सराणइआया नदीजे को कोणिकराजा चनरंग

धहत्थिं अठारसवंकस्स रुणियस्सरन्नो पच्चप्पिणंति चेदेसेयकुमारे सरणागए येसेइ डंडइडंडइ रुणियेरायाचाउरं

सेना संग्रहइ परिवरो युद्धकरिवानिमत्ति आवेशीघ्रआवइहइ पलइहमे कोणकसाथइ युद्धकरिस्यो तिवारपछीचेडराजा

गिणीएसेणाए सद्धिंसंपरिवुडे कुडुसछे इहेहचमागछेति ततेणंअम्हे रुणिएणंरन्नोसद्धिं डुद्धामो ततेणंसेचेडएरायं

तेनवमल्लकीजातिनानवलल्लकी कोसीकोसलदेशना अठारहराजोकासमूहयतइ इमबोल्या डोदेदेवानुप्रिया कोणिकराजासाथे

सेनवमल्लई नवलच्छियाइं कासीकोसलगा अठारसविगणरायाणो एवंवयासी जइणंदेवाणप्पिया रुणिएणंरन्नो

युद्धकरोतो जावोजमे आहोदेवानुप्रिया पोता२नइराजथकी स्नानकरी यावत् कालादिक यावत डिणतरइ तिम्हीजवेमानइस्वथावइ

सद्धिं डुज्झहं तंगच्छहणं देवाणप्पिया सयसहस्सकेसु एकाकाडाव कालादीया डाव जइन्नं विडएणं वधवेविरुद्धा

तिवारइतेचेडकराजा कोमंबिकयहइनइबोलावइबोलावी इमबोल्या राजानिमेकहायीरत्न यावत् हाथीआपरि तिवारइतेचेडराजा तीन

ततेणंसेचेडएरन्ना कोडुंबियपुरिसेसद्दावेइसद्दा एवंवयासी अभिसक्कंहचियणं डाव पुरुडे ततेणंसेचेडएराया तिहिं

तदनंतर

हजारहाथी यावत् जिमश्रेणिकतिम देशालानगरीयकी किलालइइ नीकलीनइ जिहो तेनवमलकी नवलछकी राजाकासमूह

दंतिसहस्सेहिं डाव डाहाकुणिए वेसालिंनयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइत्ता डेणेवतेनवमलिए नवलछीए गणरायाणो

निहाआवइआधीनइ तिवारइतेचेडराजा सन्नातन हजारहाथीसाथइ सतावनहजारघोडासाथइ सन्नावनहजाररथः

तेणेवउवागच्छइत्ता ततेणंसेचेडएराया सत्तावन्ना एदंतिसहस्सेहिं सत्तावन्नाएअस्ससहस्सेहिं सत्तावन्नाएरहस्स

सत्तावनकोमनुष्य साथइयरिवस्यो सर्वरुधियुक्त यावत शस्त्रइक जिहांदेशतोअंत तिहांआवइआवीनइ चेमोना

रीसहित

हस्सेहिं सत्तावन्नाएमणुस्सकोडीहिं सद्धिंसंपरिवुडे सबहीए डाव रवेणं डेणेवदेससयंते तेणेवउवागच्छइत्ता चेडग

माराजा कटकनइराएकोजोड वसकरनीथायनाकरइ तिवारइते दोनांराजाकासमुद्र संग्रामसंमिसजकरनइ विशेषइकरइ

नगोत्र तर रद्दो

सरन्नो डोयणंतरियं खंधावारनिवेसंकरेंति ततेणंसे दोन्निविगणरायाणो रणभूमिंरडावेतिरत्ता रणभूमिडयंति

तिवारइते रुणिकराजा तेत्रीसहडारहस्ती यावत् तेत्रीसकोमनुष्यसाथे गरुडव्यूहसैन्यसजीनइ गरुमव्यूहकरि रथमुशलसंग्रामइ

ततेणंसे रुणिएराया तिन्नीसाएहत्थिसहस्सेहिं डाव मणुसाकोडीहिं गरुडव्यूहएणंरहमुसलंसंगा

आया तिवारइतेचेमकराजा सत्तावनहडारहाथीकइसाथे यावत् सत्तावनमनुष्यनीकोमसाथइतेई गरुमव्यूह रथमुसलसंग्राम

मत्तवायाए ततेणंसेचेडएराया सत्तावन्नाएहत्थिसहस्सेहिं डाव सत्तावन्नाएमणुस्सकोडीहिं गरुडव्यूहेणंरहमुसल

इआया तिवारपछइतेचेडेनेही राजांकी सर्व अणीसहित बगतरादिकबां यावत् हाथेलीना घणाहथीयार म्यानथकीतरवारकाढी

हा

संगामंउवाया ततेणंतेदोन्निविरायाणं सन्नद्धबद्ध डाव गहिया उहप्प हरणा माहंतेहिं फलएहिं ति

ज्वलमान तरवार बांधलीनीइइ धनुष्यसो बाणचढायामांबे

क्खिताहिं असीहिं कंधगएहिं तोणेहिं सज्जीवेहिं धणूहिं समुक्खित्तेहिं सरेहिं समुल्लालिताहिं डीवाहिं उसारियाहिं

मोटा उतरइछा सीहनादइशइ तिसकवकलशब्देकरी समुद्रकेकलोलभूंशब्दकरते सर्व

उरुघंटाहिं छिप्पतूरेणं वज्जमाणेणं महियाउक्किट्ठं सीहनादं बोलकलकलरवेणं समुद्दरवभूयं पिवकरेमाणे स

रुक्षिकरियावत शब्देकरी घोमांकेअस घोमांकेअसवार हाथीकेअ हाथीकेअसवार रथकेअसवारस्थकेअसवा पायका पायकसाथइ मोटोमाहइ

वार साथइ सवार साथइ रसा थइ

वहीए डाव रवेणं हयगया हयगणेहिं गयगया गयगणेहिं रहगयोरहगणेहिं पायत्तियापायत्तिएहिं अन्नमन्नेहिं

साथइ चडणलागा तिवारइते दोनू राजाकीसैन्य आपआपणास्वामीकी सिष्याविषइरक्षः घणा डनहय डनवह डन

सद्धिंसंलग्गयाविहोत्था ततेणंतेदोरुविराईएं अणीयाणियासम्मी सासणाएरन्ना महया डणरवेय डणवहं ड

मर्दन डानकाटि२डेरकीया नवाह्यमेधम गोसटोझका कर्दमकिरतायका मोदोमोहि साथड़ शूलड़ निवारडंतेकालीकुमार तीन

णप्पइं ऊणसवहकप्पं नचेत्तकंधकारं नीमरुहिरं कद्दमंकरेमाणा अन्नमन्नेणंसद्धिं ऊझंति तत्थेणंसेकालेऊमारे ति
दजारवाधीसाथड़ यावततीनकोडिमनुष्यसाथड़ मद्यमनूहसंयामऊयारमेसाथा देतिलकसाथी गयोंभरथ्यसस्त हतकीया हतकीया

हिंदतिसहस्सेहिं ऊावमणुस्सकोडीहिं गरुमणुकारसमेणंरंधेणं रूणिये रहमुसलसंगामे संगामेमाणे हयमहिय
क्रिम महावीर कालीदेवीआगड़ कथातिम यावत आजमावी सूका इमतेनिश्चय हेगोतम कालेऊमार अयसड़ आरंस

ऊहा सगचया पासीयहेवीए धारिकडियं ऊाव डीदियाउवरोचेनि एडंतालु गोतमा कालेऊमारे एरिसएहिं आरं
करि यावत अयरो अमुसडालमर्मकडसारकरि कालिकड़अवसरवालकरी चउवी पंचवसतनामा पृथवी हेमासनकीवा या

सेहिं ऊाव एरिसएणं अमुसएऊकामगुणोवेएणं कालेमारे कालोकंदा चयछीए पंचएऊाए छहविए हेमासेनरए ऊा
त नारकीयणड़ ऊमज्या हेड़यकाओनामऊमार चउथी नरगथकी अंतररहित नीकलीनड़ दिड़ंतायणा किहांऊपऊड़गा

व नेरइयत्ताए उववज्जी कालेणंतेतेऊमारे सवछीउ छहवीउ अणंतरं उवहितिया कहिंगच्छिहिंति कहिंउवज्जि
हेगोतम महाविदेहड़ेत्रविषे सिके ऊालड़ दुखमड़कियंत जिमउवबाईमड़ड़ड़पड़नोतिमयावत सीझड़गा बुझड़गा यावत सक

हिंति गोयमा महाविदेहेवासे ऊावं ऊाऊाइं सावंति अड्ढाइं ऊहा दित्तड़त्तो ऊाव सिज्झिहिंति बुज्झिहिंति मुच्चि
लकर्मका अंतक इन्द्रियय देवड़ थमाण सगवंतड़ महावीरदेवड़ यावत मुक्तिपोहता निरावलिकाका षथम अध्ययनका अहवा

तेकाहिंति एवंखलु जंबूसमणेणं सगवया महावीरेणं ऊाव संपत्तेणं निरावलियाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयम
अर्थकहा ॥ कालादेवीअध्ययनमध्योपांगमअध्ययनसं कोदेड़ज्य तपस्वीयड़ यावत मुक्तिपहता निरावलिकाना षथम अध्ययनका

ठेपन्नत्ते ॥इतिपढमंअज्झयणंसमत्तं॥ १ ॥ऊड़ड़क्खेतेते समणेणं ऊाव संपत्तेणं निरावलियाणंपढमस्स अज्झयणस्स
निरवलिकाना एटलुअर्थ कह्या दूजाका देड़ज्य अध्ययनका निरावलिकाना तपस्वीयड़सगवंतड़ महावीरड़ यावत मुक्ति

निरावलियाणं अयमठेपन्नत्ते दोच्चस्सणंभंते अज्झयणस्स निरावलियाणं समणेणंसगवया महावीरेणं ऊाव संप्प

पोहता निर्णकेसाअर्थ इमनिश्चयहेजंबू निर्णड़कालड़ निर्णड़समयड़ चंपानामा नगरीऊई ईत्मानड़णड़पूर्णसिड़चेत्यवैतिहं तिन
कह्या कोणकराजा

त्तेणं केऊड़ेणंते एवंखलुजंबू तेणंकालेणं तेणंसमएणं चंपाएणामं नयरीहोत्था वन्नतदेचेड़ए कूणिएराया पउमा
वतीपद्मावतीराणी तिहां चंपानयरीविषड़ श्रेणकराजानी सार्या कोणिकराजानी सावतीमाता सुकालीनामाराणीऊई केदवी

वतीदेवीए तड़एणं चेपाएनयरीए सेणियस्सरन्नो तड़या कूणियस्सरन्नो सुजमाउयया सुकालीएणंदेवीहोत्था सुक
सुकमालनड़ड़ाथपग यावत तिण सुकालीनांमादेवीकोपुत्र सुकालनामाऊमरऊवो सुकमालड़ तदपीवैते सुकालनामाऊमार

मालपाणिपाया ऊाव सीसेणं सुकालीएदेविएडत्ते सुकालेणंनामंकुमारेहोत्था सुकमाले ततेणंसे सुकालेऊमारे
अन्यदा प्रस्तावड़ मीनटपारसाखीसाथड़ जिमकालऊमार सर्वअधिकार तिमहीज महाविदेहक्षेत्रड़ कर्मका अंतकदेगा इमहीं

अन्नयाकयाइं तिण्हंदंतिसहस्सेहिं ऊाकालेऊमारे तिरदसेसं तंचेव महाविदेहेवासे अंतंकारेहिंतो एवंसे
पालखी आत अध्ययनजोगवो प्रथमकालऊमारसरिएविशेष माताकासिसानामऊमार निरावलिकानामवर्यसिपूर्णड़वा इसाअधिकार समस्त

सवि अट्ठऊज्झयणाणेयव्वा पढमस्सरिसा णवरं मायासरिसाणंसो णिरावलियठं समत्तं निक्खेवउ सवेसिं
काजाणवा इतिश्रीपरड़तिमड़तिपयमवर्गसमाप्त॥१॥ डोदेड़ज्य तपसीड़ सगवंत यावत मुक्तिपुहता वर्गका प्रथमवर्गका निर

सणियव्वो तड़ा पढमोवग्गोसमत्तो॥ १ ॥ऊड़ड़क्खेतेते समणेणं सगवया ऊाव संपत्तेणं उवंगाणं पढमवग्गस्स नि
वलिकाका एटलुअर्थकह्या दूजाका देड़ज्य वर्गका कल्यावतंसकका तपसीड़ यावत मुक्तिपुहता निरावलिकाना अध्ययनका

रयवलियाणं अयमठेपन्नत्ते दोच्चस्सणंभंते वग्गस्स कप्पवडिंसियाणं समणेणं ऊाव संपत्तेणं कयअज्झयणाप्प
प्त इमनिश्चय हेजंबू तपसीड़यावत मुक्तिपोहता कल्यावतंसकना दशाअध्ययनपरूप्या तेकहेछे पद्मऊमार महापद्मका

त्ता एवंखलु जंबू समणेणंऊाव संपत्तेणं कप्पवडिंसियाणं दसऊज्झयणापन्नत्ता तंऊहा पउमेड़ महापउमे
२ भद्रका ३ सुभद्रकाथ पद्मसेनका ५ पद्मगुल्मका ६ नलिनीगुल्मका ७ आनंदका ८ नंदका ९ डोदेड़ज्य तपसीड़ याव

२ भद्देड़ सुभद्देथ पउमसेणेय पउमगुम्मेड नलिणीगुम्मेठ आणंदेड़ नंदणेड़ जड़एंतेते समणेणं जा

त मुक्तिपोहती कल्पवतंसकका दशाअध्ययनपरूपेइ पहिला अध्ययनकोदेखरूप कल्पवतंसकाप्रथमअध्ययने तपस्तीर्थे भगवं

ब संपत्तेणं कप्पवडिंसयाणं दसअज्झयणापन्नत्ता पढमस्सणंभंते अज्झयणस्स कप्पवडिंसयाणं समणेणंभगव
नइ यावत केइइ किंतो अर्थइमनि अइरेजइ तिणइकालइ तिणइसमयइ चंपानगरीहोतीहुई तिहा श्रेणीकनामचैत्य कोणिकराजा

या ज्ञाव के अरेयन्नरे [illegible] सेणंसमणंभगवंमहावीरं वंदइनमंसइ वंदित्तानमंसित्ता एवंवयासी कहणंभंते इर कोणिएरा
ई पदमावतीनामादेवी तिहां चंपानगरीयइ श्रेणिक श्रेणिकराजाकी भार्या कोणिकराजाकी सावकीमाता काल्लीनामेंराणी

या एत्रमावतीदेवी तहेवं चंपानगरीए सेणिए [illegible] एक्कारस अंगाइं बहूणि चउत्थछट्ठम काली णामं
ई सुकमालइइ तिसि काली राणीका आत्मजः कल्लासनामा कुमारछतो सुकमालइइ तिसइ कालकुमारकी

देवीहोत्था सुकमाल तीसेणंकालीदेवीए अन्नया कयाइंकालेणंकालेहोत्था सुकमाता तस्सणं कालकुमारस्स
पदमावतीनामाराणीछइ सुकमालइ आवत यावत विचरइछे

पउमावईणामंदेवीहोत्था सुकमाता तस्सणं कालकुमारस्स पउमावईएणंदेवीहोत्था सुकमाता ज्ञाव विहरंति।
तएणंतेपदमावतीराणी अन्यदाकदाचइ तन्यंत घाणीकेवोग वमित्वाकोयर तिनत्रीनइ विजंपसाहि यावत स्त्रीस्वोस्वप्न देखी

तएणंसेपउमावईदेवी अन्नयाकयाई तंसितारिसगंसि वासघरंसि अब्भितरओ सचित्तकम्मे ज्ञाव सीहं सुमिणे पासि
नइ जागतीछई इमहीजनमकृत्वा जिमभद्रबलकोअभि यावत नामधेयजिवारछएबालकका कालकुमारकाछत्र पदमाव

सत्तमंगं पडिबुद्धा एवंजहाणं ज्ञाव महाबलस्स ज्ञाव नामधिज्जं कारणंसुकुमालए कारणंसुकुमालए पासमूले पउमाव
तीराणीका अंगजात तेकारणदेवी अमरे इस पुत्रका नामधेय मद्राकीयो शेष अधिकारमहाबलवत आवकन्यापरणाईया अपरिघर

ईदेवीए अतए तेणेकारणं अम्हं इमस्सदारगस्स नामधिज्जंपदमे सेसंजहामहाबलस्स अट्ठेरज्जं ज्ञाव उप्पिंपा
घेयधानदोमसुषसोगवताविव सांमीमहावीरसमोसस्या परिषदावंतवागई कोणिकराजानीकव्यो पदमकुमार ज्योमहाबलनीपरे नीकव्यो तिमहीज मातापिता

सायकरणं विहरंति सामीसमोसरिए परिसानिग्गया कोणिए णिग्गए पउमेवि ज्ञाहामहाबले णिग्गए तहेव अम्मा

को सुलकइपत्नाकुमारया दिक्षालेई साधकालइ यावत यमन्नसचारीकृत्वा तदपडैते पदमनामा साधकं तपस्वी ज्ञोत्रवंत म

पीयरो आपुच्छामि ज्ञाव पव्वइये अणगारेजाए ज्ञाव गुत्तबंभयारी ततेणंसेपउमेअणगारस्स समणस्स भगवउम
हावीरका तथातिमरूपगुण स्थिवरकै पासइ सामाइकआदिदेइ एकादश अंग पढ्या पटिकइ घणा उपवास। तेलाबेला

हावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतए सामाइयमाइयाइं एक्कारसअंगाइं अहिंज्जित्ता बहुपडिपुन्नाइं दुवालस
यावत विचरेइइ तिवारइ ते पदमनामा अणगार तिसि घणा किम मेघकुमार तिमधर्मकी जागरणांइजागतां इमभेघपूर्वो तिम

ज्ञाव विहरंति ततेणंसेपउमेअणगारे तेणंओरालेणं ज्ञाव मेहो तहेवधम्म जागरियं [illegible] एवंदेव मेहो तहे
क्षीनतपस्वी ज्ञानवंतनै पूर्वेपूर्वीनइ सेत्रुंजइइमयरया यादवोगमतसं तपस्वी तणारूप स्थिवरपासे सामायकादि इग्यारइ अंगसूं घ

वसमाणं सगवं आपुच्छित्ता विउलेजाव पाउणित्ता सएणं सद्धिंदुवालसवासाइं थेरेणं सामाइयं इक्कारस अंगाइं ब
ए संपूर्णः पांचवर्षोंई चारित्रकीपर्याय पालीनइ एकमासकी संलेषणाकरिनै सातसइ अणसन बेदीनइ

हुपडिपुन्नाइं पंचवासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिभत्ताइं अणसणाइंछेदित्ता
अनुक्रमइ कालमासकरउ स्थिवरअंतरआए सगवंतनैगोतम पूछइ तिवारइस्वामीकहइयावत सातसइ अणसणनु छेदिकइ

आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते सगवं गोयमे एवंवयासी सामीणंभंते ज्ञाव सट्ठिभत्ताइं अणसणाइंछेदित्ता
आलोयनइ ऊंचाचंद्रमाथी सौधर्मदेवलोकइदेवताकरणइ ऊपज्या वेयसागरोपमनी स्थिति तेकिरीटेमुकुट पदमदेव तिसदेवलोकथी आऊखं

आलोइय उद्धंचंदिम [illegible] सोहम्मेकप्पेदेवत्ताए उववन्ने [illegible] सेणंतेणं पउमेदेवेताओ देवलोगाओ आऊ
यकरी किसजायगा देगोतम माहाविदेहइ क्षेत्रइ ज्योइमइनोतोरीज यावत कर्मका अंतकरैगा इमनिश्चयदेजंबू तपस्वीइ यावत महावीरवे

क्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं [illegible] ज्ञाव अंतंकाहिंति एवंखलुजंबू समणेणं ज्ञाव महावी
व यावत मुक्तिपोहता तिणइकल्पवतंसकाना प्रथम अध्ययनका एसाएकअर्थपरूप्योकहो इतिश्रीप्रथमअध्ययनबीजावर्गनोसमाप्त कहउ॥२॥

रेणं ज्ञाव संपत्तेणं कप्पवडिंसियाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते इतिपढमंअज्झयणंबीयवग्गसमत्तं॥२॥

॥ २ ॥ डइलंनंतेसमणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं कप्पवडिंसियाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमढेपन्नत्ते
इत्यादेहजय अध्ययनविषे किसोअर्थ कह्यो श्रमनिश्चयहेजंभू तेणेतिणइकालेतिणइसमइं चंपानामानगरी डंपेतिहां खुनेतिनामाचे
दोच्चस्सणंभंते अज्झयणस्स के अढेपन्नत्ते एवंखलुजंबू तेणंकालेणं तेणंसमएणं चंपाणामंनयरीहोत्था वन्नतदेवे
त्य ऋणिकराजाने पद्मावतीराणीछि तिहां चंपानामनगरीइं श्रेणिकनामराजानी सार्द्ध वेणिकराजाकी सम्बन्धीमाता सुकालीनां
इए इत्थणराया पउमावईदेवी तन्हाणं चंपाएनयरीए सेणियस्सरन्नो नत्तुआ इत्थियस्सरन्नो खुड्डमाउया सुकाली
महं राणीछई तिणइ सुकालीकासुत्र सुकालनामाकुमरहोतोहुउ तिणइसुकालनामाकुमारकइ महापद्मनामइ
णामं देवीहोत्था तीसेणं सुकालीएदेवीए सुकालेणंकुमारेहोत्था तस्सणंसुकालस्सकुमारस्स महापउमाणामं
राणीछई सुकमालइइ तिवारइ तेमहापद्मनामादेवी अन्यदासमइं तेउत्पन्नगर्भयोग्य सर्वानेघरवइ इस तिमहीज महाप
देवीहोत्था सुकमाला तएणं सामदत्तमादेवी अन्नयाकयाइं तंसितारसयंसि वासघरंसि एवं तहेव महाप
अनामासुत्रजानवा आवत् दीक्षालीनकरगाइतरीवि सिद्धांतदेलोके जपजेवा तिणहीजभवथिरिमतपट्योपमकुछिकरत्नकरंडेनं तपस्वीइं यावत् मुक्ति
श्रीद्वितीयाअंगसूत्रकेरीइमप्रति. ३
उमेणामंदारए जाव सिज्झिहिति एवं ईसाणकप्पे वत्तव्वया तेरससागरोवमाइं एवंखलुजंबू समणेणं जाव संप
दत्तातिणइ आवत्अध्ययनजाणवासु माताप्रतिकाजाम्रकंकामांम जांणता कालादिक दशांको पुत्र श्रेणुकमइ प्रथमदेनेयांव
नत्रेथवाकी बीजीपरइ
त्तेणं एवंसेसावि अट्ठगेयव्वा माताउसरिसाणामाउ नेयाकालादीणं दसण्हं कुमाराणं अणुक्कमेणं दोसंवच्छरं
वर्षवर्षाउवर्ष तीनकुमरनइ तीनवर्ष दोयकुमर दोयवर्ष संणत्तकइयोनांको दीक्षानोआउ कयजवो अनुक्रमइ यहिलोसो
चारित्रपाल्यो
चउक्कगं तिण्णिवासाइं तिन्नेवदोण्हंच दोण्णिवासा सेणियनत्तुयाणं परियाउ जेवदासे आणयकप्पे पढमोसो १८
कप्पेइ बीजोईशांणइ तीसासनत्तकुमारइ च चतुर्थीभाईइ ४ यांचमोब्रह्मदेवलोकइ५ छठ्ठोलांतकइ६ सातमो महाशुक्रइ७ आठमो
दसमे वितीयईसाणे तितिन्नसंकुमारे चउत्थीमाहिंदे पंचमउ बंभलोए छठ्ठोलंतए सत्तमउ महासुके अट्ठमउ
सहस्सारे नवमउ पाणए दसमउ अच्चुए सवत्थ उक्कोसठिती नाणियव्वा महाविदेहे सिज्झिहिति कप्पवडिंसया
उपांगसंपूर्णकह्यो बीजावर्गकोदशोअध्ययन समाप्तम्॥ ॥ २ ॥ इतिश्रीद्वितीयवर्गसमाप्तम्॥ ॥ हिवइतीजोवर्गकहइछइ॥ डंकु हेजूजंबू तप
उ सम्मत्ताउ विहित्तिवयो दसअज्झयणसमत्ता॥ २॥इतिबीयवग्गोसमत्तो॥अथइतीयवर्ग॥डइलंनंतेते स
खीइ ज्ञानवंतनइ महावीरइ यावत् मुक्तिगया उपांगका इसरा कल्पावतंशकना इसाअर्थ कह्या तीजाना हेजूजंप
मणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं उवंगाणं दोच्चस्स कप्पवडिंसियाणं अयमढे पन्नत्ते तच्चस्सणंभंते
वर्गना उपांगना पुष्पिकाना किसाअर्थकह्या इमनिश्चयहेजंभू तेणसमय भगवंतज्ञानवं महावीर यावत् मुक्तिपोहता तिणउपा
त
वयस्स उवंगाणं पुप्फियाणं के अट्ठेपन्नत्ते एवंखलुजंबू समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं उवंगा
गका तीसरा वर्गका पुष्पियानामइ तिसकाइस अध्ययनकह्या तेकहेते चंद्रका१ सूर्यका२ सुक्रका३ बहुपुत्रिकाका४ पूर्णभद्रका ५ मां
णं तच्चस्स वग्गस्स पुप्फियाणं दसअज्झयणापन्नत्ता तंजहा चंदे१ सूरे२ सुक्के३ बहुपुत्तियाय पुन्नभद्दे५ मा
नसभद्रका ६ दत्तका७ सिवका८ वलका ९ अणाढियका १० निश्चय जांणवा डंकुहेजूजंप तपस्वीइ यावत् मुक्तिपोहता तेपुष्पिकाना दस
णिभद्दे दत्ते सिवे वलोया अणाढिए चेवबोधव्वा डंकुहेजंबू समणेणं जाव संपत्तेणं पुप्फियाणं दस
अध्ययन पहलाकह्याते पहिलाकाहेजूजंप अध्ययनका पुष्पियाउपांगका तपस्वीइं यावत् मुक्तिपोहता तिणइकेआर्थकह्या तेइमनिश्चयहेजंबू
अज्झयणापन्नत्ता पढमस्सणंभंते अज्झयणस्स पुप्फियाणं समणेणं जाव संपत्तेणं केअट्ठेपन्नत्ते तेणंकालेणं
तेणइकालइ तेणइसमय राजगृह नामानगरइ गुणशिलचैत्यइ श्रेणिकनामराजा तेणइकालइ तेणइसमइं श्रीमहावीरस्वमी
डंकु तेणंकालेणं तेणंसमएणं रायगिहे णामंनयरे गुणसिलेचेइए सेणियेराया तेणंकालेणं तेणंसमएणं सामीसमोस
सस्या परिषदाआइ तेणइकालइ तेणइसमयइ चंद्रः ज्योतिषीनांइंद्रः ज्योतिषीनोराजा चंद्रावतंशकविमानइ सत्ता सुधर्मीसभाइ चंद्र
हे परिसानिग्गया तेणंकालेणं तेणंसमएणं चंदे जोइसिंदे जोइसराया चंदवडिंसगविमाणे सभाए सुहम्माएचं

णामासीसासनविसइ बारसक्कारसामानिकदेवसाथइ यावत् विचरइत्ताइ एवत्यइ संपूर्णआधार जंबूद्वीपकुं विलीएं अवधिज्ञानइउप

देमि सीहासलंसि चउहिंसामाणि यसाहस्सीहिं जाव विहरंति इमंचणं केवलकप्पं जंबूदीवं विउलेणं ओहिणा आभो
आगदेता देषइदेवीनइ तपस्वी ओनवंत जिमसोरियादेव्यातिम सेवकदेवतानइ बोलावेबोलावी सुरिंदकेआदेशाका यावत्बोकरकइ

एमाणेइ पासेतिअत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेत्ता वंदइनमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता
एमाहरीआज्ञा पावीकरी मुखथकानामइघरलगपावत वैक्रिकरइ एविउंब हजारजोजनका विस्तारे साढाबेसहि योजन ऊंचा

तंमाणिस्सियं पच्चप्पणइ सूसरा घंटा जाव दिव्वेणं एवरं जोयणसहस्सविच्छिन्ना अट्ठजोयणं सव्वुसिया।
जमाइ साहिंवनामइजा मजबौसरीजाजबी ऊंचीवइते सेषसबीजिम सूरीयाभकाअधिकारयावत् आयो नाटकनीविधदे तिमहीयावत पाछोगयो देवुजपइम

मदंदक्खिउ पणवीसजोयणसयुस्सिए सेसंजहा सूरियाभस्स जाव आमउ गहविही तहेवजाव पडिगउ संतेत्ति।
कार जावइ
भगवंत देगोतम तथासीइ भगवंतनइवंदी पछइभगवंतइकहोरूट जोकघवेसकरइतिम पूर्वसदृशवो इमानिश्चे नेगोतम तिणइकालइ तिणइसमयइ

भगवं गोयमे समणे संतेहिं जेणेव रूडागारसालासरीरं अणुप्पविट्ठ उच्चत्तवो एवंखलु गो तेणंकालेणं तेणंसमए
सावत्थीनामानगरी ऊभरै कोष्ठकनामाचत्य तिवां जावत्तीनामइ नगरीयइ अंगतीनामा गाथापती देतोऊभई ऋद्धिवंतयावत्

णं सावत्थीएणामणयरीहोत्था कोट्ठएचेइए तत्थणंसावत्थीए णयरीए अंगतीनामं गाहावतीनामंहोत्था अड्ढे जाव।
कोईयगभइऊभरी तिणरैते अंगतीगाथापती सावत्ती नयरीनइ घणा आगनावाणीवा जिमआनंदऊंचूलइ तिणइकालइ तिणइसमय

अपरिभूए तेणंसेअंगतीगाहावती सावत्तीए नयरिए बहूणं णगरणिगम जहाआणंदो तेणंकालेणं तेणंसमए
तिमएहनइकुले पार्श्वनाथ अरिहंत पुरुषादानीय धर्मतीआदिना जिमभगवंतवीर नवहाथकाऊंचा सोलेहजार साधूनइसाथइ

णं पासेअरिहा पुरिसादाणीए आदिगरे जहामहावीरो नवरंसेहो सोलसहस्समाणस्सा हस्सीहिं अज्जासाय
हजारसाधवीनइसाथइ पार्श्वनाथपरिवरा यावत् कोष्टकना संभोलसा परिवदवांदलागई तिवारइ अंगतीगाथापति आयसीकथाअर्थ

अज्जीवासाहस्सीहिं सद्धिंसंपरिवुडे जाव कोट्ठए समोसढे परिसानिग्गया तएणंसे अंगतीगाहावइ इमीसेकहाए।
मूवंतइ

लाघइ थकइ हर्षमंतोष्य जिमकात्रिकिपेडीतिम नीमलइ यावत् सेवाकरइ धर्मसांभली दीयामइक्विारीइतरोविश्वयदवानुप्रिय
यामा

लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जहाकत्तिउसेही तहाणीगच्छति जाव पज्जुवासंति धम्मंसोच्चा णिसम्मजंनवरं देवाणुप्पिया
वमइउवइ अतंवंविषइधायइ वेदपढे जंवेदाणप्रियेनइपासइ यावत् दीक्षालेउगा जिमगंगदत्तचारित्र तिमहीजनधीया यावत् गुप्तब्रह्मचारीसया

जेट्ठपुत्तं कुडुंबेठावित्ता ततेणं अहंदेवाणुप्पियाणं जाव पव्वयामि जहागंगदत्तो तहापव्वइए जाव गुत्तबंभयारी
तदयसुते अंगतीनामइसाधु पार्श्वनाथ अरिहंत तथारूप थिवरकइ पासइ सामाइकादिक इग्यारह अंगऊ पढे पढि

ततेणंसे अंगतीअणगारे पासस्स अरहाउ तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमादीयाइं एक्कारसअंगाइं अहिज्जं
कइ घणा उपवास यावत् आत्मा तावतायका घणावषविगइ वारिसकी पर्याय पाचीनइ अर्धमासकी संलेष

तित्ता बहूहिं चउत्थ जाव अप्पाणं भावेमाणा बहूइंवासाइं सामन्नपरियागं पाउणेतित्ता अद्धमासियाए संलेह
नाकरिके तीससकऊ अणसणघतइ छेदीनइ विराधकइ चारित्र कालके अवसरकालकरी चंद्रावतंशक विमानइ उपजाणइकीसना

णाए तीसंभत्ताए अणसणाए छेदित्ता विराहियसामन्ने कालेमासेकालंकिच्चा चंदवडिंसए विमाणे उववाएसभाए
देवसभाकइविषइ देवइष्यवस्त्रकेअंतर चंद्रजोतिषीनाइंद्रवणइ ऊपजा तिवारइतेवइः जोतिषीनाइंद्रराजा तत्कालऊपजइथकइ पां

देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरि चंदओहसिदत्ताए उववण्णे ततेणंसेचंदे ओहसइंदेराया अहुणोववण्णेसमाणे पं
चप्रकारनी पर्याप्ति आहारपर्याप्ति शरीरपर्याप्ति चंद्रमानोइंद्रइ ज्योतिषीनाइंद्रनइ ज्योतिषीनाराजानो कितराकालनीस्थिती

चविहाए पज्जत्तीए आहारपज्जत्तीए सरीरयपज्जत्तीए चंदप्पभेणंभंते ओहसइंदप्पभओहसुरन्नो केवइयं कालठिती
कही हेगोतम एकपल्योपमनइएकलाषवर्षनी किमहीअधिक इमनिश्चयहेगात्म जोतिषीकीप्रधान देवकीऋद्धिचंद्रकादेवइ जोतिषीनोइंद्रः जोतिषीनाराजा

पन्नत्ते गो पलिओवमंवाससयसहस्से महिड्ढियं एवंखलु गो ओहसप्पभिदत्ता देवढी चंदेणंभंते ओहसिंदे ओहसेराया
तिणदेवलोकथी आयुक्षयकरी वैक्रियशरीरवांनो किहांकपजइगा किहांकपजइगा हेगोतम महाविदेहक्षेत्रविषइ मोक्षइगा इमनि

ताउदेवलोगाउ आउक्खएणं चइत्तइत्ता कहिंगच्छिति कहिंउववज्जिहिति गो महाविदेहेवासेसिज्झिहिति एवंख
नइ

अय देवंजू तपस्वीइं सर्वपूर्ववत् ॥इतिश्रीप्रथमअध्ययनसमाप्तमिति॥॥को देवजू तपस्वीइं ज्ञानवंतइ महावीरदेव यावत् मुक्तियातामइ

सु जंबू समणेणं निरक्खेवओ॥पढमंअज्झयणंसमत्तं॥ २ ॥उक्खेवओ बीयस्स एवंखलु जंबू समणेणं भगवया महावीरेणं जाव सुक्खियाणं

पढम अध्ययनका यावत् एअर्थः धन्यजी इजाकाहेजूअध्ययनका मुक्तियाकी तपस्वीइं यावत् मुक्तियातना केसो

पढममज्झयणस्स जाव अयमट्ठे पन्नत्ते दोच्चस्सणंभंते अज्झयणस्स सुक्खियाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठ

अर्थकहो तेहमनिश्चयहेजंबू तेणकालइ तिणसमयइ राजगृहनामा नयरवार गुणसिलचैत्यइ श्रेणिकराजाके स्वामीकामगव

पन्नत्ते तेणंकालेणं तेणंसमएणं रायगिहेणामंणयरे गुणसिलेचेएणं सेणियराया समोसरण

तिवारइजिमचंद्रमा आव्योतिमहीजनमुक्त यावत् नाटकविधि देखाडीनइ एतावतो गौतमपूर्वधरो सावद्यानवद्यइ सुधनिष्ठत नामइगोत्र

जंबू दयामूर्त्तइ आर्यो

जाव एवइविहिं ववदंसित्ता पडिगइ सुधनवक्ता सावद्यानयरी सुपतिष्ठे एणमंगा

पती कर्त्ता कहवंत जिमहीं आगतीतिम यावत् किवारइ पार्श्वनाथसंतोसस्य जिमअंगतो तिमहीज दीक्षा तिमही विराधक

दाक्षीहोआ अहे जंबू अंगती जाव विहरंति यासासमोसहे जहांअंगती तहेव पंचइए विहराय विहराय

सारिखता यावत् महाविदेहक्षेत्रइ सीझइगा यावत् कर्मकोअंतकरेगा इमनिश्चयहेजंबू तपसीकहयोछइवीसमेंपरइस इति श्रीहेतीयाध्य

सामन्ने जाव महाविदेहासे सिज्झिहिति जाव अंतकरेंति एवंखलुजंबू समणेणंणिरक्खेवो बितियं अज्झयणस

यनसाधमूत्रा जा देवजू तपस्वीइं ज्ञानवंतइ यावत् मुक्तिगया छवीसमेंपरइ अधिकारजाणवो राजगृहनामा नगर श्रेणिकराजा

मत्तं॥ २ ॥उक्खेवओ तइयस्स एवंखलु जंबू समणेणं भगवया जाव संपत्तेणं उक्खेवओ नायव्वो रायगिहेणामं णयरे सेणियरा

तिहांगुणसिलचैत्य तिहांस्वामीसमोसस्या परिषदावंदनगई तेणकालइ तेणसमयइ शुक्रमहेंद्रइ शुक्रावतंसकविमानइ

या गुणसिलेचेइए सामीसमोसढे परिसानिग्गया तेणंकालेणं तेणंसमएणं सुक्केमहग्गहे सुक्कवडिंसए विमाणे

सुक्कनामासिंहासनविषइ चारहजार सामानिकदेवसायइ जिमचंद्र तिम आयो नाटकनीविध उवेखीप्रभुनइ पाछोगयो देवजू

सुक्कंसिसीहासणंसि चउहिंसामाणियसहस्सीहिं जहेवचंदो तहेव आगओ एवइविहिं उवदंसित्ता पडिगए सेतेणं

सावंतनइगौत्र गृहागारसाला नोदृष्टांत पूर्वजोसवधूओ इमनिश्चय हेगोतम तेणइकालइ तेणइसमयइ वाणारसीनाम नगरी कूई मधूवीजीवात

भगवंउच्चा गृहागारसाला सुचरितवंउच्चा एवंखलु गोयमा तेणंकालेणं तेणंसमएणं वाणारसीणामं नयरीहोत्था

तिहां वाणारसी नगरीविषइ सोमिलनामइ ब्राह्मण ऋवेदी गृहवंतयावत् अपरिभूत ऋगुर्वेद यावत् सतीनेष्ठावइ पार्श्वना

तत्थणं वाणारसीए णयरीए सोमिलेनामं माहणेहोत्था अड्ढे जाव अपरिभूयरिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए पासे

यसमोसस्या परिषदा सेवाकरइछे तिवारइ तिणसोमिलनामा ब्राह्मणइ आयसी कथाको साभेअर्थ जाणी एहवाएकरूप

समोसढे परिसा पज्जुवासंति ततेणं तस्ससोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धठे समाणस्स इमेयारूवे

अध्यवसाय यावत् ध इमपार्श्वनाथअरिहंत पुरुषप्रधान अनुक्रमइग्रामानुग्राम यावत् अंबशालवनइ विचरइ तोआवुं पा

अभिगच्छिए जाव धएवंपासेअरहा पुरिसादाणीए जाणिऊणं जाव अंबसालवणे विहरंति तंगच्छामिणं पा

र्श्वनाथ अरिहंतनइ पासइ प्रकटकरूं एमचक्र एसाएकरूप सूत्रार्थ हेतु जोसगवतीविषेइवोतिम सोमिल नीकल्यो शिष्या

संपि अरहंतं अंतियं पाउब्भवामि इमंचणं एयारूवाइं अट्ठाइं हेऊइं जाव पसिणाइं सोमिला णिग्गते खंधि

साथइं यावत् इमबोल्यो यात्राउमारी जीपबूंलइकुमार एबोलयु सरसवलक्ष मासासक्ष इमअकलाकुलथ उमाएकत्तव किंवादोय यावत्

यविक्खणो जाव एवंवयासी कुल्लाणेतत्ते जवणिज्जं पुच्छा सरिसव मासा एकुलत्था एगेतवे कुवेतवे जाव

स्रावक धर्म अंगीकारकरी पाबागया तदपाछे पार्श्वनाथअरिहंत अन्यसमय वाणारसीनामइ नगरीयइ अंबशालवनइ

सावगधम्मंपडिवज्जित्ता पडिगए ततेणंपासेअरिहा अन्नयाकयाइं वाणारसीए णयरीए अंबसालवणाओ

चैत्यथकी नीकलइ नीकलीनइ बाहिरजनपदेशइ विहार विवरइछे तिवारइते सोमिल ब्राह्मण अन्यदासमयइ मिथ्या

पडिनिक्खमंतिइत्ता बाहियाजाणवय विहारं विहरंति ततेणंसे सोमिले माहणे अण्णयाकयाइं अ

त्वीकदर्शनकरी साधुकीसेवाआणकरता तिम मिथ्यात्वकीधवर्ज्यकरि परिव्रजीमानथका सम्यक्त्वकीपर्यायि नहीकरताथका मिथ्या

साहूदंसणेणय अपज्जवासाणं ताएय मिच्छत्तपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं समत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं मिच्छ

त्व आदरा तिवारइ तिण सोमिलनामइ ब्राह्मणकइ अन्यदासमयइ आधीरात्रिकासमयनइविषइ कुटंबकी जागरण जागतांथकां

नंपकिवन्ने तेणं तस्समोमिलस्स माहणस्स अन्नयाकयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडंबजागरियं जागरमा

अथयत्नाएकरूप अध्यवसाय यावत् अध्या इमनिश्चय कं वाणारसीनगरीइविषइ सोमिलनामा ब्राह्मण अत्यंत

णस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था एवंखलु अहं वाणारसीए णयरीए सोमिलनामं माहणं अच्चंत

अत्यंतब्राह्मणकइघरइ तदयनइ महव्रत ब्राह्मणकेमार्ग आदरा वनिता आंणी पुत्र जनमा धनादिकऋद्धिकई तिणसुंमसकेवकर

ऊलमाहणपरंपरए तंतेणंमएवयाइं चिन्नाइं अहियं दारियाइया पुव्वजणिया इट्ठा समाणी ताउपत्तववाकया

यक्ष: यज्ञा ब्राह्मणऊंदहणदई प्रतिष्ठ इच्छा अग्निहोत्रकीया यज्ञसंच आरोग्या तिसकारणसलोमुझनेनिश्च अवसवेरइ यावत् सूर्यऊगई

ऊणा जेहा दिक्किणादिन्ना अतिहि पुज्जिया अग्गीहुया इट्ठा णिरिकिना तेसेयं खलु ममं कल्लाणिकालं जाव जलंते

वाणारसी नगरीयकी बाहिर वणा आम्रकेवन सोयाविहं इमनिश्चयविजोरा बीजोरफलकेवकया ओंबडी फूलकाआंबा रोयावि

वाणारसीए नयरीए बहिया बहवे अंबारामे रोवाविए एवंखलुमाउलिंगे चिंचा कयाइं चिंचा पुप्फारामा रोवामि

इम विचारइकिनारके प्रसावे यावत् सूर्यऊगेअकी वाणारसी नगरीकइ बाहिर अंबकावाग यावत् फूलांकेवाग रोपविकइ तदयनै घ

एवं संपेहइइत्ता कल्लं जाव जलंते वाणारसी नयरीए बहिया अंबारामे जाव पुप्फारामे रोवावेति तंतेणं

णा आम्रकेवन यावत् फूलांकेवन अवलकमइ सोमादिकनासत्यधीराषता वाणारसिदिकइसंयोग पांणकिनीलिणवजाव वाग कृत्या

एकका ता घेया ता

हुवे अंबारामं जाव पुप्फारामाय अण्णेहुंणं सारक्खिज्जमाणा संगो विज्जमाणा संवड्ढिज्जमाणा आरामाजाया

काला काजीदेकांत यावत् रमणीक मोलामेहकासमहसरोवादीसता यत्रांकरी फलांकरि फूलांकरि नीलवर्णकरि श्रीकार अतिही २

किण्हा किण्हछाया जाव रमा महाविदेहतिकरंवत्तया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरे सिरिया अतीव २

सोलताथका रहइलइ तिवारइतिण सोमिल नामइ ब्राह्मण अन्यदासमय आधीरात्रिकासमयनइविषइ कुटंबजाग

उवसोभेमाणे २ चिट्ठति तंतेणं तस्स सोमिलस्समाहणस्स अन्नयाकयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडंबजा

रिका जोगतांथको एसाएकरूप अध्यवसाय यावत् अध्या इम निश्चय कं वाणारसीनगरीयइ सोमिल ब्रा

गरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जावसमुप्पज्जित्था एवंखलुअहं वाणारसीएणयरीए सोमिलसमा

हाण अत्यंतब्राह्मणा ऊलविषइ हुंते तिवारइ महब्राह्मणकेवत आदरो यावत् यज्ञथंनरोपवा तिवारयछी महवाणारसी नगरीके बा

हणे अच्चंतमाहणकुले पसूए तंतेणं मएवयाइं चेयाइं जाव कुवाणिकित्ता तंतेणं मएवाणारसी नयरीए बा

दर घणा आंबाकेवन यावत् रोपावा तोसलो निश्चय मुझनइ दिवइ प्रभाते यावत् सूर्यऊगे अतिदीघणा लोहकाकडाह लोहकुडछ

हिया बहवे अंबारामे जाव रोवावि तंसेयं खलु ममं कल्लाणिं कल्लं जाव जलंते सुबहुं लोहकडाह कडुच्छयं

तेवडी तापसकाउपगरणघमावीनइ विसीर्ण असन पांणी मेवा लवंगादिके मित्रज्ञाती आमंत्रिकइ तेमित्र ज्ञाती आपणा घणा

तेपिय तावसतेउघडावित्ता विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं मित्तणाइं आमंतित्ता तेमित्तणाइं णियगं वि

असनादिक यावत् सन्मानदेकइ तेहिज मित्रआगे यावत् कहेसुत्रकं ऊटंबविमइथापी तेमित्र ज्ञाती यावत् पूलीने अति

तेणं असणेण जाव समाणित्ता तंचेव मित्त जाव जेठपुत्तं कुडंबे ठावित्ता तेमित्तणाइं जाव आपुच्छित्ता सुब

घणा लोहकमाद कमुह वलेफेर तापसकाउपगरणवेकइ डिकेण गंगानदीकेकांठे वांनरनइविषे तापसघणीजातिना तेकहइछे अग्निहो

कं लोहकडाह कडुच्छयं तेपिय तावसतंगंगदाय डेहमे गंगाकूला वाणपछा तावसासंवंति तेऊदा होत्ति

ची १ वस्त्रकरी २ स्नेमिसयन ३ यज्ञकारकइ श्रवांतय उपगरणपासरी एकेकमंमजण० फलसोगवइ ६ एकवारपांणीमइ ण वारंवारस्नानकरे स्नान

या २ योत्तिया २ कोत्तिया ३ कण्णलीध सद्धाहिय घालेत्ती कप्पेत्ताए देउखलियाए उम्मऊगाए समऊगा २० नि

पांणीमांहेघणी माटीघसि स्नानकइ गंगाकइदृ हाणयासइ १३ गंगाकूउत्तरयास १४ संघवजामीनइ २५ कोवेषमारहीजा १६ मृगानइकिना १७ हाथीकिना

मऊगा २१ सप्पवालगा २२ दब्भिगऊलगा २३ उसीरऊलगा २४ मयधम्मा २५ ऊलधम्मा २६ मियलुहा २७ हत्थिना

दिनजीमइ दंभनंवाकरीवा २० दिसाइंफलफूलनाटीनइ २८ वल्लकवस्त्रघतइ घा २९ पांणीकीवेलवांवति ३० सप्पइपांणीमांहइ ३१ एककरूयाकेमूलविष ३२

वसा ३३ उद्दमगा ३४ दिसापोक्खिणए ३५ वाक्कवासिणो ३६ वेलवासिणो ३७ कूलवासिणो ३८ सुरकम्मालिया ३९

एकेकयांणीवीचीन २५ वा० वायुरेत्तरवइतेरइ पांणीऊपरवीसेवाल्लन २७ केईकमूलनोआ केईककंदरोआ केईकखधवंलोआ केईकत्वाबाल्ल २१ केईकपत्र
प्ररहइते बीरहइते हारकरइ २७ हारकरइ २८ हारकरइ २९ हारकरइ ३० नोआहारकरे एतांनोआहा
अंबुलखिणो २४ वाउलखिणो २५ सेवालखिणो २६ मूलाहारा २७ कंदाहारा २८ पत्ताहारा २९ त्वाहारा ३० पुप्फाहा
रकरइ ३२ एकेकफलांनोआ फलीनोआहारइ ३३ बद्दासत्तद्धाजेकंदमूलत्वचापत्र फूल फलबीजनेआ पांणीकेसेवालकरि पाकुरकोविणाभक्षवा आ
रा ३२ फलाहारा ३३ बीयाहारा ३४ परिसडितकंदमूलतयापत्तपुप्फ फलाहारा डालासिलेय कढिणगायब्भूया आ
तापतइकरी पंचाग्निकष्टकरि कोयलासरीखाकरी समजनविशेषपवोशरीर आत्माकेंकरलाथका विचरइ तिहां जेकेईदिसानइधोवीनिने
यावणाहिं पंचग्गीवाहिं इंगालसोल्लियं कडुसोल्लियंपिव अप्पाणंकरेमाणे विहरंति तत्थणं डेतेदिसापोक्खिया
तापस तिनकै समीपइ दिसापोषितसंगासी अंगीकारकस्यो प्रवर्ज्या लीयइथकइ एघत्यइकरण असियदक्षासंगा कटपेमुकन
तावसा तेसिंअंतिए दिसापोक्खियत्ताए पव्वइत्तए पव्वइतेवियाणंसमाणे इमेयारूवं अभिग्गिण्हसामि कप्पइमे
आसडीवलगइ वेलइवेढइ निरंतर दिशध्यनेवकुवालकरिएतले कंचीवाहइ करिने सुर्यसामुहारहीके आ ना
जावज्जीवाए छट्ठछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं दिसावक्कवालेणं तवोकम्मेणं उड्ढंबाहाउ पगिज्झिय२ सुराभिमुहस्स आ
पनाश्रेबाकोरूमिवि आतापना लेनोथका विचरइ योकिरिकै विशेषइमकिवारीनइ घलाते यावत सूर्यउगे अधिक्षा लोहकडाइयगरणचेक
यावत्तूमिए आयावेमाणस्स विहरित्तए तिछट्ठ एवंसेपेहइ२त्ता कल्लंजंवि जलंते सुबहु लोहकडाहं जाव
दिसापोषियतावसत्ताए पव्वइए वियणं समाणे इमेयारूवं अभिग्गहं जाव अभिगिण्हना पढमंछट्ठखमणं
अंगीकारकरिनइ विचरइते तिवारइ तेसोमिल ब्राह्मणऋषी प्रथमबेलाकइ पारणइ आतापनालेवाकीभूमथी उतरताउ
उवसंपज्जित्ताणं विहरंति ततेणं सोमिल माहणरिसी पढमछट्ठखमणपारणगंसि आयावणभूमीउ पच्चोरुहइ
तरीनइ वलकलवस्त्रयदिरणेनि जिहांआपणी ऊतीथी तिहांआया आयकइ वंशतापिनविशेषसारखे लेवेलेकइ पूर्वदिशिकं
सकइ ने
इत्ता वागलवच्छनियच्छे डेणेवसए उडए तेणेवउवागच्छइत्ता कढिणसंकाइयं गिण्हइत्ता पुरत्थिमंदिसिं

पोयइ पूर्वदिशिकइविषइ सोमनामामोटोराजा तिहांफूलफलकेमा तिहांश्रेसाक्वन सोमिलनामाब्राह्मणऋषि वारंवर जिहि
गइथवर्त्ती कल्पइफलादिलेनो
पुरत्थिमादिसाए सोमेमहारायापत्थाणेपत्थियं अभिरक्खउ सोमिलमाहणरिसिं अभिकिणंइडाणिय
तिहां कंद मूल त्वचालादि पानमा फूल फलादिक बीजादिक हरीकाय तेलेतानइ उमारीआक्रा
तच्चकंदाणिय मूलाणिय तयाणिय पत्ताणिय पुप्फाणिय फलाणिय बीयाणिय हरियाणिय ताणि अणुजा
होने थोकरिकै पूर्वदिशाकं जावइजायकइ किके तिहां कंदादिक यावत हरिकाय तिनकोलेकइ वंशसासन कावइ
णउ तिकट्टु पुरत्थिमंदिसिं पसरंतिश्रा डाणिय तच्च कंदाणिय डाव हरियाणिय ताइंगिण्हंति कढिणंसंकाइ
सरइसा रिकइ दर्भनामस कुशपत्र वृक्षशाखामोडा पलाशकी लाकडी लेवेलेकइ जिहांआपणी तोम तिहांआवइ आवीनइ
यं सरंति श्रा दर्भेय कुसेय पत्तामोडेंच समिहा कट्ठाणिय गिण्हंतिश्रा डेणेवसए उडए तेणेवउवागच्छइ
वंशमयसाजन कावडने थापीनइ वेदकाकरि वुहारीयकीधमा गोबरसंलीपइ कुयरयाणीका लिखकावकरिनइ दर्भमयकलसहाथेलेई
श्रा कढिणंसंकाइय ठवेइश्रा वेदिं वड्ढेतिश्रा उवलेवणंसमज्जणं करेतिश्रा दब्भकलसहत्थगए डेणेव
गंगामोटीनदीने तिहां आवे आवीनइ गंगामोटीनदी अवगाहीनइ जलसुंस्नानकरि पालीयेकरीअभिषेककरइकरीनइ
गंगामहानदी तेणेवउवागच्छइश्रा गंगामहानदी उगहेतिश्रा डालमट्टियंकरेइश्रा डालासिलेयकरेतिश्रा
पांणीकीकीमाकरीनइ आचामलया पवित्रहोय अतिसुचीस्तहोयके देवपितरांकाकीयाकर्म दर्भमयकलशहाथेलेकइ गंगामोटीनदी अवगाहेप्रोगा
लकीकंकरेति आयंते चोक्खे परमसुईभूए देवपिउकयकज्जे दब्भकलसहत्थगए गंगामहानई उगाहेतिश्र
दीने जिहांपोतानी ऊती तिहांआवे आवीनइ दर्भकी मृत्तिकाकी गंगाकेरतकी वेदकाकीरचनकरइक सरकंमलेवे शरकंमलेके अरणीकेकइ
श्रा डेणेवसए उडए तेणेवउवागच्छइश्रा दब्भेय कुसेय वालुयाएय वेदिंरएतिश्रा सरंति करेइश्रा अरणीक
करिकइ सरकरके अरणीकंमथेमथनइ अग्नियामी पाडकइ अग्निधुषावइ धुषावीनइ दाकती लकमी अग्निमेघइयकइ अग्नि
रेतिश्रा सरएणं अरणिमद्देतिश्रा अग्गिं पाडेतिश्रा अग्गिसंक्कमेतिश्रा समिहा कट्ठाणि प्पक्खिवित्ति अग्गी

बाहे वालीनइ अग्गिकइ दक्खिणपासइ सोमवासं रक्खा वेमइइउवगरणविसेस वक्कलवर अग्गिकी शिखाव्यव दंडकमंडाय कमंडलुइ काष्ठमयदंड तथा
ठाणइ गरणविसेस दि
उज्जालेतिइत्ता अग्गिस्स दाहिणेपासे सत्तंगाइं समादहे तं जहा१ वक्कलं२ ठाणं३ सिज्जं४ संकहं५ कमंडलुं६ दंडदासं७ तह
आपणइ आधानंतरं सोमवासा दक्खिणपासेधा सक्थिकरि घृतकरि वांवलांकरि अग्निकुंडिमइ नानाजातिवृक्षसमिधकरिपरमात्मा वलिकरिवैश्वानरकीइ
दिइमधो गडवायवमें जाकरकरि ने
वप्पाणं अद्धेताए समिति समादहे मधुणाइं घीएणय तंडुलेहिय अग्गिझूणइ चासमाधेतिइत्ता वलिवइस्सदेतिइत्ता वलिव
तिसवेला अतिथिनिक्कुकआवेत तदयवइ आप आहारयते करइ तिवारइ सोमिल ब्राह्मणऋषिइजोवेयाकइ
अतीतकीपूजाकरत इ
इस्सदेविकरेतिइत्ता अतिहिपूयकरेतिइत्ता तउयछा अयणा आहारं आहारेंति ततेणं सोमिले माहणरिसीदोच्चछट्ठखमणं
अगीकारकरिनइ विदरइ तिवारइ सोमिलब्राह्मणऋषी दूजाछठ्ठमणइयाणे तिमहीजासर्व जाणवा यावत् आहारयतइकरइ एतलो
विजो
उवसंपज्जित्ताणं विहरंति ततेणं सोमिलेमाहणरिसी दोच्चछट्ठपारणगंसि तेचेवसव्वं भाणियव्वं जाव आहारमाहारेंति णवं
इ इमजाणवा दक्खिणदिशिनइविषे यमनामासोमोराजा फलफूलवकेमार्गइ पीवइकदयाजोमेरवि सोमिलब्राह्मणऋषी जिणं तिहं कंदादिक याव
घव द्यो घन दव्या
रं इमेनाएत्तं दाहिणाए दिसाए इमेमहाराया पत्थाणं पत्थिए अभिरक्खउ सोमिलमाहणरिसी जाणिय तच्च कंदाणिय जा
त अछिदइ तिमकही दक्खणदिशइ पाछोआवी पत्थेयछिमदिशा वरुणनामामहाराजा यावत् पश्चिमदिशिग्रहइ आथकइ उत्तरदिशि वेश्रम
वे आणजाणइ तिक्खुत्तो दाहिणंदिसिं पसरंति पच्चत्थिमेणं वरुणेमहाराया जाव पच्चत्थिमं दिसिं पसरति उत्तरेणं वेस्स
णनामामहो राजा यावत् आथकइ पूर्वदिशि जाउवो आरविदिशिग्रहिण इमजाणिवो यावत् आहारयते करइ तदयवइ तिणसोमिलना
मणेमहाराया जाव पसरंति पुव्वदिसागमणे चत्तारिविदिसाउ जाणियव्वा जाव आहारं आहरेंति ततेणं तस्ससोमिल
भा ब्राह्मणऋषिइ अन्यदासस्सावइ आधीरात्रिका समयनइविषइ अनित्यजागरणाइं जागतांथकांनइ अयमेयारूप अध्यवसा
स्स माहणरिसिस्स अन्नयाकयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अणिच्चजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झि
य यावत् आसया इमनिश्चय मइ वाणीरसीनगरीयइ सोमिलनामा ब्राह्मणऋषी अत्यंत ब्राह्मणोकुलइविषइ निवारइम
जनमो इ
त्थिए जाव समुप्पज्जित्था एवंखलु अहं वाणारसीणयरीए सोमिलेणामं माहणरिसी अच्चंत महणकुलप्पसूए ततेणं

ब्राह्मणकाव्रतआदरया यावत् यज्ञस्थंनरोप्या तदपछेमइ वाणारसीइ यावत् मूलंकेवाग रोपावा तदपछैमइ अतिथिणा लोहकमा
दाहियाव
मण्वयाइं विन्नाइं जाव ऊवाणिकित्ता ततेणंममं वाणारसीए जाव सुक्कारामाय रोवियाव ततेणंमए सुबहुं लोहाजा
त घडावा यावत् वेसमुक्कं दूसीनइं अतिथिणालोवस्साजनया लेकेमुंमितकावा यावत दीक्षालेई व्रतलीयांथकां वेलइ२ यावत् विच
व घडाविता जाव डेहंसुत्तं आयछित्ता सुबहुं लोहा जाव गहायसंमे जाव पवइए वइणंसमाणे बहुछट्ठेणं जाव विह
वत
तोसलोनिश्चय मुकने अछ उक्तं वगटकावा यावत् सूर्यऊगथ घणा तापसदीक्षा बोलवानोरा गृहवासनीसंगतिसन्यासग्रथीय पाछलीसंगति ति
रंति तंसेयंखलु ममं अंदाणिं कलं पाउ जाव जलंते बहवे तावसादिछा सछे छवसंगतिएयपरियाय संगतीएय आ
क नकंदमूलके तथामेरइ अपथ्यमकेजेआश्र वाणा मृगादिकतिनइं मूलिकारिकइ वलकलवस्त्रपहिरकइ वंशमयसाजनकाचढिनइं यछेयदि
अरखाहइ
यछित्ता आसमसंसियाणिय बहुइं सत्तसचसयाइं आएकमाणियव्वा वागलवछतियछस्स कढिणं संकाइयं गिण्हंति
कइ हाथका संभोयगरणलेकइ कांदुमुछाइं मुषबांधकइ उत्तरदिशिकइविषे उत्तरकांनीमुषकरी कांदूमुछायंमुषबंधजाईयइतेष इमविचारणावि
स्वानकहीयइ
त्ता दछसप्तसंभोवगरणस्सकढिणद्दाए मुहंबंधित्ता उत्तरदिसाए उत्तराभिमुहस्स महापछाणं पछावेयस्स एवंसंपेहइ
वारके थसात्तियावत् सूर्यऊगे घणा तापसा उपांसदेशनिवोल्याना घरवासनीसंगतीपर्यापालकांसंगतीऊ पूछीनइ आश्रमकइ आश्रयस्था
इइ
त्ता कल्लं जाव जलंते तहवे तावसेय दिछा सछेय छवसंगतिएय परियाय संगतिएय आयछित्ता आसमसंसियाणिय
बहुत मृगादीकजीवांनइ बोलायकइ वलकलवस्त्र पहिरकइ वंशसान कावड लेकइ वाथइसंभोगरणलेकइ तिम
बहुइं सत्तसचसयाइं आएकमाणियत्ता वागलवछनियछस्स कढिणं संकाइयं गिण्हंति दछसप्तसंभोवगरणस्स तंवे
हीसयावत् कांदूमुछायं मुषबंधे बांधके अयमाएकारूप अनियइ आंगीकारकारकरिने जिहां इमे यांणीमांहइ इमथवामाहइ इम
वि यमतोमविषे
विकमंसिवा
व जाव कढिणद्दाए मुहं बंधंतित्ता अयमेयारूवं अनिगहं अनिगिण्हंति जलेवणं अहंजलंसिवा एवंथलंसिवा ए
चंतोमइ सीतोयइविषे पर्वतइकविषे गहुटेवइ गुफाकविषे झांपस्यूं तथाधनूसबनही नहीनिश्चयमुकनेकथइ ऊंतुतिहांते योकरिके
वंकयंसिवानिन्नंसिवा पवयंसिवा गद्दएवा दरिद्दएवा पक्खिलिज्जवा पविडिज्जवा णोखलुमेकप्पइ एवुढिनए निकट्ठु

ಸಾಲಿಗ್ರಾಮ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಕಾವೇರಿ ನದಿಯ ಉತ್ತರ ತೀರದಲ್ಲಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾದ ಶ್ರೀ ಲಕ್ಷ್ಮೀನರಸಿಂಹಸ್ವಾಮಿಯವರ ದೇವಸ್ಥಾನವಿದೆ. ಈ ದೇವಸ್ಥಾನವು ಸುಮಾರು ೧೨೦೦ ವರ್ಷಗಳಷ್ಟು ಪುರಾತನವಾದುದೆಂದು ಹೇಳಲಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ದೇವಸ್ಥಾನದ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಸುಂದರವಾದ ಪುಷ್ಕರಣಿಯಿದೆ. ಈ ಪುಷ್ಕರಣಿಯ ಪಶ್ಚಿಮ ಭಾಗದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಸುಂದರವಾದ ಮಂಟಪವಿದೆ. ಈ ಮಂಟಪದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ವರ್ಷ ಫಾಲ್ಗುಣ ಶುದ್ಧ ಪೌರ್ಣಮಿಯಂದು ಶ್ರೀ ಲಕ್ಷ್ಮೀನರಸಿಂಹಸ್ವಾಮಿಯವರ ಉತ್ಸವ ಮೂರ್ತಿಯನ್ನು ಇಟ್ಟು ಪೂಜಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ಪೂಜೆಯನ್ನು ಸಾಲಿಗ್ರಾಮ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಸುತ್ತಮುತ್ತಲಿನ ಹಳ್ಳಿಗಳಿಂದ ಬಂದಿರುವ ಸುಮಾರು ೨೫ ಜನ ಅರ್ಚಕರು ನೆರವೇರಿಸುತ್ತಾರೆ. ಈ ಪೂಜೆಯನ್ನು ಪ್ರತಿ ವರ್ಷ ಒಬ್ಬೊಬ್ಬ ಅರ್ಚಕರು ಒಂದೊಂದು ವರ್ಷ ನೆರವೇರಿಸುತ್ತಾರೆ. ಈ ಪೂಜೆಯನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವ ಅರ್ಚಕರಿಗೆ ಆ ವರ್ಷ ಪೂರ್ತಿ ಅವರ ಕುಟುಂಬಕ್ಕೆ ಯಾವುದೇ ರೋಗ ರುಜಿನಗಳು ಬರುವುದಿಲ್ಲವೆಂಬ ನಂಬಿಕೆ ಇದೆ. ಈ ಪೂಜೆಯನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವ ಅರ್ಚಕರು ಪೂಜೆಯ ಪ್ರಾರಂಭದಿಂದ ಕೊನೆಯವರೆಗೂ ಮೌನವ್ರತವನ್ನು ಆಚರಿಸಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಮಾಡಿದ ಅಡುಗೆಯನ್ನು ಮಾತ್ರ ಸೇವಿಸಬೇಕು. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಯಾವುದೇ ಕಾರಣಕ್ಕೂ ಮಂಟಪದಿಂದ ಹೊರಗೆ ಬರಬಾರದು. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಯಾವುದೇ ಕಾರಣಕ್ಕೂ ಮಾತನಾಡಬಾರದು. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಯಾವುದೇ ಕಾರಣಕ್ಕೂ ಮಂಟಪದಿಂದ ಹೊರಗೆ ಬರಬಾರದು. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಯಾವುದೇ ಕಾರಣಕ್ಕೂ ಮಾತನಾಡಬಾರದು. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಮಾಡಿದ ಅಡುಗೆಯನ್ನು ಮಾತ್ರ ಸೇವಿಸಬೇಕು. ಈ ಪೂಜೆಯನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವ ಅರ್ಚಕರಿಗೆ ಆ ವರ್ಷ ಪೂರ್ತಿ ಅವರ ಕುಟುಂಬಕ್ಕೆ ಯಾವುದೇ ರೋಗ ರುಜಿನಗಳು ಬರುವುದಿಲ್ಲವೆಂಬ ನಂಬಿಕೆ ಇದೆ. ಈ ಪೂಜೆಯನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವ ಅರ್ಚಕರು ಪೂಜೆಯ ಪ್ರಾರಂಭದಿಂದ ಕೊನೆಯವರೆಗೂ ಮೌನವ್ರತವನ್ನು ಆಚರಿಸಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಮಾಡಿದ ಅಡುಗೆಯನ್ನು ಮಾತ್ರ ಸೇವಿಸಬೇಕು. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಯಾವುದೇ ಕಾರಣಕ್ಕೂ ಮಂಟಪದಿಂದ ಹೊರಗೆ ಬರಬಾರದು. ಈ ಪೂಜೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅರ್ಚಕರು ಯಾವುದೇ ಕಾರಣಕ್ಕೂ ಮಾತನಾಡಬಾರದ

यावत् सूर्यऊगे वलकलवस्त्रपरिरुची वंशकी जावडीइ यावत् कावमुद्रास्तं मुखबांधइबांधीनइ उत्तरसोमुद्दोमुखकरइ उत्तरसंमुद्दोमुखक दिसइ

ले जाव ऊगंते वागलवल्कनियछे कढिएं संकाइयं जाव कछमुद्दाए मुद्दंबंधंतिश्ता उत्तराएदिसाए उत्तरालिमुद्दे।
इ तिवारेतेसोमिल्ल चौथादिवसइ सांजका समय विषइ जिहां वडवृक्षकइ तिहां आवीनइ वडवृक्षकइ हेठइ

तेणंसेसोमिले चउत्थदिवसे सुद्धावरन्हकालसमयंसि डेणेव वडपायवे तेणेवउवागछइ वडपायवस्स अदूरे
वंशतासन थापीथापीने नेवकाकरे गोबरसंलीपइ वुहारइ वुहारीनइ यावत् कायमुद्रायइ मुखबांधीनइ मौनकरिरहइ

कढिएं संठवेत्तिश्ता वेदिंवढेति उवलेवणं समज्जणंकरेति जाव कछमुद्दाए मुद्दंबंधंति उसणीएसंचिठंतिश्ता
तिवारइ सोमिलनइ आधीरात्रिका समयनइविषय एकदेव पासइ प्रगटहुवा तिम्हीकही यावत् पाछागयोदेव तिवारेतेसोमिल्ल

तेणंसोमिलस्स सुद्धरत्तावरत्तकालसमयंसि एगेदेवेअंतियं पाउब्भए तंचेवजणंति जाव पडिगए तेणंसेसो
यावत् सूर्यऊगे वलकलनावस्त्रपहेरी वंशकी कावमकइ यावत् कायमुद्रायइमुखबांधीनइ उत्तरदिशाइ उत्तरकोनीमुखक

मिले जाव ऊगंते वागलवल्कनियछे कढिएं संकाइयं जाव कछमुद्दाएमुद्दंबंधंति उत्तरदिसाए उत्तरालिमुद्दे
रीचाल्यो तिवारेतेसोमिल पंचमादिवसइ सांजका समयनइ विषइ जिहां उंबर वृक्षहे उंबरनोझाडहुंकै हेठे

संपछिएत्ता तेणंसेसोमिले पंचमंदिवसंसि सुद्धावरन्हकालसमयंसि डेणेवउंवरपायवे उंवरपायवस्स
वंशकी जावडे थापीनइ वेदीकरइ यावत् कायमुद्रास्तं मुखबांधीनइ मौनकरीरहइ तिवारे तेसोमिलनोमा

हे कढिएं संकाइयं ठवेति वेदिंवढेति जाव कछमुद्दाए मुद्दंबंधंति उसिणीएसंचिठंति तेणंतस्ससोमलस्स
ब्राह्मणश्रमणनइ आधीरात्रिकइ समयनइविषइ एकदेव यावत् प्रगटहुवो अहोसोमलतेरी चवर्या कष्टचवर्याहे पहिलाकहवो

माहणस्स सुद्धरत्तावरत्ताकालसमयंसि एगेदेवे जाव एवंवयासी हंभोसोमिला पव्वइया छपव्वइया पढमंमणं
तिम मौनकरि रहइ देवता इजीवार कहइ सोमोमिल्ल प्रवर्ज्या तेरीकष्टप्रवर्यहि तिवारे तिण सोमिल्ल तिणदेव

ति तदेव उसिणीए संचिठंति देवे दोच्चंपि वदंति सोमिला पव्वइया छपव्वइया तेणंतस्स सोमिलस्स तेणंदे

इ इजीवार त्रीजीवार इमकदेवकइ तेदेवघरे इमबोल्यो किमइदेवानुप्रिय मेरीप्रवर्ज्याकष्ट तिवारेतेदेवता सोमलवाल्य

वेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवंवुत्तेसमाणे तंदेवं एवंवयासी कहणंतुदेवाणप्पिया ममपव्वइयं तत्तेणंसेदेवे सोमिलंमा
नइ इमबोल्यो इमनिश्चय अहोदेवानुप्रिय इमे पार्श्वनाथ अरिहंत पुरुषमांदेप्रधानतिनकै पासे पांच अनुव्रत सातशिक्षाव्रत

णं एवंवयासी एवंखलुदेवाणप्पिया अम्हेयासम्स अरहओ पुरिसादाणियस्स अंतिए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइ
बारेप्रकारे श्रावकधर्म अंगीकारकर्या तिवारेतइ अन्यदाधस्तावइ असाधकेदशी आधीरात्रे कुटंब यावत् सर्वचीपसर्वबातघिन बना

ए दुवालसविहे सावगधम्मे पडिवन्ने तत्तेणंतव अन्नयाकयाइं असाहु सुद्धरत्ता ऊडंबं जाव सुद्धचिंतितंदेवो
तकरि देवस्करही यावत् जिहां अशोकनामाहुक्ष तिहांआवे आवीनइ वंशासाजन कावइ यावत् मौनकरि रहइ

उच्चारेति जाव डेणेव असोकवरपायवो तेणेवउवागछइत्ता कढिएं संकाइयं जाव उसिणीए संचिठति
तिवारे आधीरात्रिका समयनइविषे तेरइ सभीपं प्रगटहुवा अहोसोमिल्ल तेरीप्रवर्ज्या कष्टइ तिसिहीसविधः देवताआ

तत्तेणंसुद्धरत्तावरत्तकालसमए तवअंतियं पाउब्भवामि हंभोसोमिला पव्वइया छपव्वइयं तेतहावेव देवोणि
पक्कावचनकह्या यावत् पांचमइदिवसइ सांजकासमय नइ विषइ जिहां उंबर वृक्ष तिहां आवे आवीनइ तेवंश

यंतणंति जाव पंचमंदिवसंसि सुद्धावरण्ह कालसमयंसि डेणेवउंबरपायवे तेणेवउवागछइत्ता तेकट्ठी
साक्षण कावडी थापीनइ वेदकाकरइ गोबरेलीपइ वुहारइ करइकरीनइ यावत् कायमुद्रायें मुखबांधइबांधीनइ मौनकरी

ढणं संकाइयं ठवेहिति वेदिंवढेति उवलेवणं समज्जणं करेतिश्ता जाव कछमुद्दाए मुद्दंबंधंतिश्ता उसणी
नइ रहइ तेइमनिश्चय हेदेवानुप्रिया तेरीकुवेषप्रवर्यहि तिवारे तेदेवता सोमिलप्रते इमकहइ को इमे देवानुप्रिय

एसंचिठति तेणंवंखलु देवाणप्पिया तवछपव्वइयं ततेणं तेदेवं सोमिलं एवंवयासी छइणंउमंदेवाणप्पिया
पूर्वजीयहिवर्ज्या पांचअनुव्रत सातशिक्षाव्रत आयही अंगीकारकरकइ मोनंविचरे नो इमे हिवैफेर सुष्टपर्याय

सुद्धपडिवन्नाइं पंचअणुव्वयाइं सत्तसिक्खावयाइं सयमेवउवसंपज्जित्ताणं विहरिसि तोणंउमंइदाणिसुपव्व

देवइ तिवारेतेदेव सोमिलघरते स्फटिकनमस्कारकर जिणदिशिथी आयाथा तिणहीदिसइ गयो तिवारइ सोमिलब्राह्मण ऋषि

इयत्तविज्जा ततेणंसेदेवे सोमिलं वंदति णमंसंति जामेवदिसिं पाउब्भूए तामेवदिसिं पडिगए ततेणंसोमिलेमाहणरि

तेदेवतांइं इमकह्यो यक्ष पूर्वदिग पहिलाज्या पांचअणुव्रत सातशिक्षाव्रतसहआप यावत अंगीकारकरिकइ विचरइ तिवारे

सी तेणंदेवेणं एवंवुत्तेसमाणे छट्ठक्खमणपारणगंसि पंचअणुव्वयाइं सयमेव जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरंति ततेणंसे

तसोमिल घणा उपवासबेला तेला यावत मासअर्धमासक्षमण नानाप्रकारे तपसम्याकाविधानकरि आत्माभावितथाका घ

सोमिले बहूहिं चउत्थ छट्ठ अट्ठम जाव मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोविहाणेहिं अप्पाणंभावेमाणे बहू

ण वर्षलगइ श्रावककी व्रतयाकं वासीनइ अर्धमासखमी संलेषणाइं आयणाकभोंकुं छबीसकरइकरी वीससक्काका अनश

इं वासाइं समणोवासगपरियागंपाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अप्पाणंझूसेत्ता तीसंभत्ताइं अणस

नकंछेदीनइ तिणस्थानकथकं आलोयांविना पडिकम्यांविना विराधके समयइक कालकरनइ सुक्कावतंसक विमा

णे छेदित्ता तस्सठाणस्स आलोइय अप्पडिकंते विराहिय समाधे कालेमासे कालंकिच्चा सुक्कवडिंसए विमा

णे उववाएसभाए देवसयणिज्जंसि जाव तोगाहणाए सुक्कमहग्गहत्ताए उववन्ने ततेणंसेसुक्के महग्गहे अहु

नयउपांथकां यावत सामानयथीनिपूरीकीयां इमनिश्चय देगोतम सुक्र मोटोग्रह तेथकान यावत देवताकी ऋद्धिसन्मुष

णोवचन्नोसमाणे जाव सासमणपज्जत्तीए एवंखलु गोयमा सुक्केणं महग्गहे साहिया जाव अस्सिंमनप्पया

कुइ एकयथीयमनीस्थितिः सुक्रदेवस्य मोटाग्रह तिणदेवलोकथकी आयुसोभवीनइं किसेजाइगा देगोतम महाविदेहवासै

एंगंपलियोवमंठिती सुक्केणंभंते महग्गहेणं ताउदेवलोगाउ आउक्खएणं कहिंगए गोयमा महाविदेहेवासे।

यावत सीझेगाते इमविश्वयहेतुपे तेणइकाचइ तपस्वीइं पूर्वलोपाव इतिश्रीतृतीयअध्ययनसमाप्त कयो अर्थविचार्योछै ॥

जंबू

जाव सिज्झिहिति एवंखलुजंबू तेणंकालेणं समणेणं णिक्खेवउ इतिश्रीतितियंअज्झयणंसमत्तं॥ ३ ॥

गर्दणा डोदेवस्य अधिकारः इमनिश्चयहेजंबू तेणइकावइ तेणइसमयइ राजगृहनामइ नगर गुणसिलनामाचैत्य श्रेणिकनामेरा

जा

र्दणाडइणंभंते निक्खेवउ एवंखलुजंबू तेणंकालेणं तेणंसमएणं रायगिहेणामंणयरे गुणसिलेचेइए सेणियराया

सामीसमोसस्या परिसापडिगया तेणइकालइ तेणइसमय बहुपुत्रिकादेवी सौधर्मदेवलोके बहुपुत्रिकाविमानइ तस्या सुधर्मइं

सामीसहे परिसानिग्गया तेणंकालेणं तेणंसमएणं बहुपुत्तियादेवी सोहम्मेकप्पे बहुपुत्तियविमाणे सभाए सुहम्माए

बहुपुत्रिकानामे सिंघासनविषे चारहजारसामानिकसाथइ चारमहत्तरादेवीसाथइ यावत जिमसूरियान यावत सीगवतीविचरइछै

बहुपुत्तियंसि सीहासणंसि चउहिंसामाणियसहस्सीहिं चउहिंमहत्तरादेवीहिं जाव सूरियाते जाव बत्तीसइबद्धनाडगाणं वि

इयतइ संपूर्ण जंबूद्वीपनामेद्वीपे विस्तीर्ण अवधिज्ञानेकरि देषतीछई देषीनइ तयसी ज्ञानवंत जोसूरियानदेव

सरति इमंचणं केवलकप्पं जंबूदीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी पासित्ता समणं भगवं महावीरियाते

यावत नमस्कारकरी सीहासनथकाउभवि पूर्वदिसन्मुखहोई बयठी आभियोगदेवता जिमसूरियासदेवे सुसघानामघंटा सेवकदेवताप्र

जावणमंसित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे सन्निसन्ना आभिउगा जहासूरियाणो सुसराघंटा आभिउगं

तइ बोलावीनइ यांन विमान योजन एकहजारकाविस्तीर्ण यांनविमानकावर्ण यावत उत्तरदिशि आवणेकेमार्गइ

देवसदोवेइत्ता जाणविमाणं जोयणसहस्सविच्छिन्नं जाणविमाणारुहइ जाव उत्तरिलेणं निज्जाणमग्गेणं

योजन हजारकी उपांथधरती आई जिमसूरियासनइ धर्मकथाचूंदीसुणकइ तिवारइते बहुपुत्रिकादेवी जीम

जोयणसहस्सीहिं विग्गहेहिं आगया जहासूरियाणो धम्मकहंनिसामित्ता ततेणंसाबहुपुत्तियादेवी दाहि

णिल्लुआओंविस्तारइ देवकुमारएकसोनइ आवकाढे मावीछआधीयसारइ देवकुमारिकाएकसो आवकाढइ निवारइयवइ

णउत्तरंपसारेति देवकुमारीणंअट्ठसयं वामाउत्तरंपसारेति देवकुमारियाणय अट्ठसयं तयाणंतरंचणं

घणा बालकबालिका आतवर्षउघातेकिंतःफिटका हरबहु नाटिक जिमसूरियानाट्यकसो नाटकदेषामीनइ पाछीगई सदंतइति इतिवृं

बहवे दारगायदारियाउय डिंभएय डिंभयाउय एट्ठविहं जहासूरियाणो उवदंसेत्ता पडिगया तंतेतिभगवं

देवोत्तम तपस्वी ज्ञानवंत ऋषभागारशालानोदृष्टांत बकुशचरित्रनामे देवस्य देवीइं तेदिव्य देवताकी ऋद्धिकिम यावत् किमएऋद्धिसनमुपत्व पामीऽमयूर्वी ई

गोयमे समणे भगवंगा ऊडागारसाला बक्कुसचरियाएणं तेते दीवीए सादिहा देविही उच्चा जाव अनिसमाणगया
इमनिश्चय देगोतम तेणइकालइ तेणइसमयइ वाणारसीनामइनगरीइं अंबसालवइमेइ चेत्यदे तिहां वाणारसी नगरीयइ

एवंखलु गोयमा तेणंकालेणं तेणंसमएणं वाणारसी नयरिए अंबसालवणे चेइए तत्थणं वाणारसी णयरिए
सइनामइसार्थवाहइरूवे ऋद्धिवंत यावत् अपरिभूत तिणइ सदनामइ सार्थवाहकेसुनयानामेनार्या सुकमाल बांझदे

तद्देनामंसत्थवाहदेहोत्था अद्देदिने जाव अपरिभूए तस्सणं सदसस्य सुतदाणामंभारिया सुकमालां बंझा
जणवारहित जनवाकोमरजन्मवाकीरीतिरहित तिण ते सुतइइं सार्थवाही अन्यदासमय आधीरात्रिकासमयविषे

अवियाउरा जाणुकोप्परमायाविहोत्था ततेणंतीसेसुतदाए सत्थवाहीए अन्नयाकयाइं पुव्वरत्तावरत्तकाल
ऊंघनकीजागरणा जागनीथकी एतादृशरूप यावत् विचार अध्यवसाय इम निश्चय ऊं सदनामे सार्थवा

समयंसि कुडंबजागरियं जागरमाणी इमेयारूवे जाव संकप्पे समुप्पडित्था एवंखलु अहंसदेणं सत्थ
इकइ साथइ विस्तीर्ण सोगनइ उपसोगसोगवती विचरी पिणनही ऊं बालक बालिका धसत्यो नेधन्यइइ तेह

वाहेणं सद्धिंविपुलाइं भोगभोगाइंभुंजमाणे विहरइ नोचेवणं अहंदारगंवा दारियंवा पयामि तेधन्नाणं ताउ
माताजिनकी यावत् सत्पापत्यजन्म तेधन्य माताऊ मनुष्यकाजन्म जीवणेकाफल जिनमाताऊंमोनू आपणे ऋद्धिके अपजइ मन

अम्मयाउ जाव सुलद्धेणं तासिंअम्मयाणं माणुसंजम्मजीवियफले जासिंमन्ने णियगकुच्छिसंभूयगाइं थ
कोइमकाबोली मक्करवचननाबोलणहार मुमणावचनबोलना मनकेमूलकेविचारकाथाहिजेनेलेम ऊंकुंबकेमनयानकरइवेध यानोआ

णऊणखुगाइं मंजुलमप्पभणियावगाणं मंजुलए कंपिताणिं थणमूलकक्खदेसभागं अतिसरमाणगाणि पस्स
इफिरइ यऊंअधन्य

वे वचीवली सकोमलकमलांकीउपमाइंजे हाथतिणकरि पकडइ गोदीमइवयक्षावइ सदाजीणवोलता वारंवारमकर वंच

यंतिणेय कोमलकमलोवमेहिं इक्किक्किएणं उच्छंगनिवेसियाणे देंतिसमुल्लावएसु मंजुलेणंच स

नसम्यक्प्रकारवोले ऊंअधन्य जमरहित पुन्यरहित सर्वईनकीयासुन्य इतनाबोलांमेएकहीबोलनदीयाम्या यावत् आरतिध्यावे तिणइकालइ

मयूरिणियाए अदूरंसे अथला अफला अकयपुन्ना एतोएगमविनयन्नाउ उच्चय जाव झियाइंति तेणंकालेणं
तिणइसमय सुव्रतानामइ आर्या ईर्यासमितियुक्त सान्तोषासमिति एषणासमति इ लेणा सांझपाछादि

तेणंसमएणं सुव्वयाउणं अज्जाउ इरियासमियाउ भासासमियाउ एसणासमियाउ आयाणभंडम
छोकराकी सुमतिश्च वचीनीति लघुनीति मुखनाकनोमेइल परिष्ठवणकीसुमतिय मनगुप्ति१ वचनगुप्ति२ काय

त्तनिक्खेवणासमियाउ उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाण पारिठावणियासमियाउ मणगुत्तीउ वयगुत्तीउ गुत्ति
गुप्ति३ गुप्तब्रह्मचारिणीइइ वहुश्रुतज्ञानवंतदे घणेपरिवारथकी अवहुमइ वालतीथकी भाग्यामनइगामइ हतकीडइंवालती

दियाउ गुत्तबंभयारिणीयाउ बहुसुया बहुपरिवाराउ पुव्वाणुपुव्विंचरमाणीउ गामाणुगामं दूइज्जमाणीउ
तिहां वाणारसी नगरी तिहांआवइ आवीनइ यथायोग्य आज्ञालेके संयमकरी तपेकरी यावत् विचरइ ति

जेणेववाणारसी णयरी तेणेवउवागच्छइत्ता अहापडिरूवं उग्गहंउग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा जाव विहरंति त
वादे तिणा सुव्रतानामे आर्यीका एकसिंघाडो वाणारसीनइ नगरीविषे ऊंचनीच मध्यम ऊलइ घरतिहांसमुदाय

तेणं तासिं सुव्वयाणं अज्जाणं एगेसिंघाडए वाणारसीए णयरीए उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स
सिद्धानइअर्थइं फिरतीथकी सघ सार्थवाहकइ घरमइ पधरी तिवारे तेसुलक्षा सार्थवाही तिणा आर्याऊं

सिक्कायरियाए अक्खमाणे सदस्स सत्थवाहस्स गिहेअणुप्पविठ्ठा ततेणं सासुसद्दासत्थवाही ताउ अज्जाउ
आवतीथकी देषइदेषीनइ हर्षी संतोषपामी तत्काल आसनथकी ऊवी ऊठीनइ सातआठपगमांमी आवे आवीनइ वंदइ

एज्जमाणीउपासेइत्ता हट्ठ उठ्ठा खिप्पामेव आसणाउ अब्भुट्ठेइत्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छंतिइत्ता वंदी
नमस्कारकरीनइ विस्तीर्ण असन आहार पाणीक्षादिमसादिमइ पमिछासीनइ इमबोली इमनिश्चय मइं देखार्या सत्र

त णमंसंतिइत्ता निउलं असणं पाणं खाइमं साइमेणं पडिलाभित्ता एवंवयासी एवंखलु अहं अज्जाउ सद्दे

नामे सार्थवाहके साथह अतिद्यूण सोगउयसोगाइते सोगवती विचरीपिण नहीनिश्चय मह बालक तथाधुत्री पंजनमा तेथमहे

एं सद्धवाहेणं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणेविहरामि नोचेवणं अहंदारगंवा दारियंवा पयामि तंधन्नाणं

तिणकी माता यावत् एकबोलही नहीथाम्या ते उभे आर्याओ घणेउंणीतो घणासणपाउह घणेनगरविषह यावत्

नाउ अमयाउ जाव एतो एगमवि नयना ते उसे अज्जाउ बज्झनायाउ बज्झपडियाउ बज्झएगामारणगर जाव स

सन्निवेसांविषइं किरनाधका घणा राजेश्वर तलवर यावत् सार्थवाह आदिदेईनइ तिनकेघरे अवेज्जकरोवा वइतेकाईकवस्म

निवेमाइं आहिंडइ बहुणय राईसर तलवर जाव सद्धवाह पल्लिवणं गिहाइं अणुप्पविसइ अछिसेकेइ

विद्यादेवाराधनादिप्रयोग मंत्रसाधनरूप कोईवमन तथाविरेचनवस्ति कर्मनेत्यादिक एकजातीज बकुजातिसेय इनमूलिकाइजा छिणइमइ

कहिंवि विज्जापउएवा मंतपउएवा वमणंवा विरेयाणंवा वत्थिकम्मेणवा उसह सेसज्जेवा उवलद्धे डेणंअहं

बालक बालिका जनमूं तदयालइ तिण आर्यो सुसद्धा सार्थवाहीघरे इमकहइ हमेदेवाणप्पिए साधवी

दारगंवा दारियंवा पयाएज्जा तंतेणं ताउ अज्जाउ सुसद्धा सद्धवाहिं एवंवयासी अम्हेणंदेवाणुप्पिए समणीउ

नियंथणी ईर्यासमतिकी यावत् गुप्तबंभयारिणीउ निश्चयकल्पइ हमेहूं एहअर्थः कांमांकरिसुए वानिजोगयनही तो

णियथीउ इरियासमीयाउ जाव गुत्तबंभयारिणीउ णोखलुकप्पति अम्हं एयमहं करेत्तिवि नामित्तए किमं

कामकरणं उपदेसवउ कायाकरिसमाचरिवो अमनइहदेवाणुप्रिये तुझआगेतपविविधयंका केवलीधर्मपितधर्म कहांहमे ति

गुणए उवदंसित्तएवा समायरित्तएवा अम्हेणंदेवाणुप्पिए तवंतेवविचित्तं केवलिपन्नत्तंधम्मं परिकहेमो त

वारइते सुसद्धासार्थवाही तिणआर्यकइ पासइ धर्मसांभली हरीनइ हवी संतोषी तेणे आर्यानइ तिणवार वांदइ

तेणंसा सुसद्दासद्धवाही तासिंअज्जाणं अंतिए धम्मसोच्चा निसम्म हट्ठ उट्ठ ताउ अज्जाउ तिक्खुत्तो वंदति

नमस्कारकरे इमबोली सद्दहुंछलवं हेआर्यो श्रीजिनकावचनउपइ प्रीतकरी रोचवुंछं हेआर्यो श्रीजिनराजाकावचन

णमंसति एवंवयासी सद्दहामिणं अज्जाउ निग्गंथं पायवणं पत्तियामि रोएमिणं अज्जाउ निग्गंथाउ एवमेयं।

तहमेयं अवितहमेयं जाव सावगधम्मं पडिवज्जए अहासुहं देवाणुप्पिए मापडिबंधंकरेह ततेणंसासुसद्धा

वाही तेणइआर्यांकइ पासइ यावत् श्रावकाधर्मआदस्या तेआर्याकुं वांदइ नमस्कारकरे विदाकरइवइ तिवारइते

सद्धवाही तासिंअज्जाणं अंतियं जाव पडिवज्जंतिउत्ता तउअज्जाउवदंति णमंसति पडिविसज्जति ततेणंसा

सुसद्धानामइसार्थवाही समणोवासिक जवेनइ यावत् विचरइ तिवारइ तिणसुसद्धानामइ श्राविका अन्यदाधस्मावइं

सुसद्दसद्धवाही समणोवासियाजाया जाव विहरंति ततेणं तीसेसुसद्धासमणोवासियाए अन्नयाकयाइं

आधीरात्रिकासमयनइविषइ कुटंबकीजागरणाइं एतादृशस्वरूप यावत् अपत्या इमनिश्चय कुं सद्ध सार्थ

पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडंबजागरियं अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था एवंखलु अहंतदेणं सद्ध

वाहकुं विस्तीर्ण भोगभइउभोग यावत् विचरूं नहीनिश्चय कुं बालक बालिका जनम्या तोजलोमुकने मइ

वाहेणं विउलाइं भोगभोगाइं जाव विहरामि णोचेवणं अहं दारगंवा दारियंवा पयाया तंसेयंखलु ममं

प्रभाते यावत् सूर्यउगे सद्धसार्थवाहकुंपुछिके सुव्रतानामे आर्यकि पासइ साधवी होउंगी एहवासलांमी यावत् दी

कल्लं जाव जलंते सद्दस्स आपुछिता सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए अज्जासवामि अणगाराउ जाव प

क्षाहेउं इमविचारे विचारकै प्रभाति जिहां सद्धनामइसार्थवाहके तिहांआवेआवीनइ हाथजोमी यावत् इमकहइ इमनिश्च

व्वत्तए एवंसंपेहइउत्ता कल्लं जेणेव सद्देसद्धवाहे तेणेवउवागच्छइउत्ता करतल जाव एवंवयासी एवंख

य कुं अहोदेवानुप्रिय तुमारेसाथइ घणा वर्षयगइसोगतीउपुरुजोगभोगवती यावत् विचरूं नहीनिश्चय बालक

लु अहं देवाणुप्पिया तुब्भेहिंसद्धिं बज्झइं वासाइं विउलाइं भोगभोगाइं जाव विहरामि णोचेवणं दारगं

तथाबालिका जन्म्यामइ नोवातुकुं अहोदेवानुप्रिय तुमारी आज्ञाकुंवांछकी सुव्रतानामे आर्यकिपासेयावत् दीक्षालेउंगी

वा दारियंवा पयाभित्ते इत्तामिणं देवाणुप्पिया तुब्भेहिं अब्भणुण्णायासमाणी सुव्वया अज्जाणं जाव पव्वहि

तिवारइतेनइ सार्थवाह सुनंदानामइ सार्थहीकाक्वनमुणके सार्थवाहबोल्यो मतिअमेदेदेवाणुप्रिय अविघं सुकृतदोयकइ आव
ति ततेणंसेनंदे सत्थवाहे सुनंदस्ससमणोवासियाणं एवंवयासी माणंतुमंदेवाणप्पिया इयाणिंमुंडेत्तविता जा
त दिक्षालेवेणि लोगाव अथमदेदेवाणुप्रिय मुंडमाथे विस्तीर्ण लोगलोगाव तदपाछइ सुक्तलोगीकरणे मुंडता आर्यकि
वपव्वयामि सुंडोहि तावदेवाणप्पिए मएसद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं ततोपच्छा मुत्तयाणं अजाणं
यावत दीक्षालीजे तिवारे तेइ सुनंदा श्राविका सत्थसार्थवाहके एहवुंवचनसीलोवाइ महोसलोजांणइ इजीवार तीजीवार स
जाव पव्वहिमिति ततेणंसा सुनंदासमणोवासिया तहस्स एयमट्ठंणोआढेति नोपरिजाणंति तुसिणीए तच्चेपि त
एकवतइ तेइसबोली मोसूकं देदेवाणुप्रिया तुमारी आज्ञालोइजोजुं यावत दिक्षालेउं तदपछेतेतला श्राविकानइ
दस्स एवंवयासी इच्छामिणं देवाणप्पियाउसेहिं अणुण्णाया समाणी जाव पव्वइए ततेणंसेनंदेसमणोवा
नही राघणेऊंसमर्थः घणाइ साम्राज्यसकारेकदे विशेषेकरइ धनादिकका लालचमणाय घणयत्निवीनतीघमुखकरि आग्रहकेवचनइया करीत्र
सिया जाहेणोसंचाएति बहूहिं आघवणेहिय पन्नवणेहियसनवणेहिय विन्नवणाहिय आघविउएवा जा
वत वीनतीकरइ तिसते अनिच्छायरहित सुनंदा निकलणइकी आज्ञादइ तदपछइतेसेसइ सार्थवाह विस्तीर्ण असन
व विपुलंपुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं सुनंदाए निरकमणं अणुमन्निता ततेणंसेनंदे सत्थवाहे विउलं असणं
पाणी मेवादिक वर्णगादि यावत नियज्ञायकइ मित्रज्ञाती स्वतदपछे सोजनकीविलाइ यावत मित्रज्ञातीनइ सत्कारइ सनमानै
पाणं खाइमं साइमं जाव उवरवहावेति मित्तणाइं तंचेवजाव सोयणवेलाए जाव मित्तणाति सकारेति सम्माणे
सम्मानीनइ सुनंदा सार्थवाही स्नानकरी यावत कुषेशुसुयननिवा सर्वशृंगारकी विस्तारकरी हजारपुरुषवहेतेपालषी शिवकाऊपरचढइ
निरुद्धा सुनंदं सत्थवाहिं एसया जाव पायच्छित्तं सव्वालंकारविभूसियं चउरिससद्दसवाहिणी सीयंरुहंति
तदपछे सा सुनंदा सार्थवाही मित्रज्ञाती यावत सयसाथइपरवरी सर्वऋद्धिकर यावत वाजित्रइसहित वाणारसी नगरीयइ मां
ततेणंसासुनंदासत्थवाही मित्तणाय जाव संबंधिसंपरिवुडेसचिड्ढीए जाव वरचेणं वाणारसीणयरी म

इसमइइ जिहां सुव्रताका आर्यका उपश्राइ तिहां आवे आवीनै हजारपुरिषवहे इसीपालषी पायेथायइ सुनंदा
संमग्गेणं जेणेव सुव्वयाणं अज्जाणं उवसए तेणेवउवागच्छइत्ता उरिससद्दसवाहिणी सीयंरुवेति सुतहं
सार्थवाही शिवकाथी ऊतरे ऊतरीनइ तदपछे ते सघसार्थवाह सघसार्थवाहीनै आगइकरि जिहां सुव्रता आर्या
सत्थवाहिं सीयाउ पच्चोरुहइत्ता ततेणं सेनंदेसत्थवाहे सुनंदंसत्थवाहिं पुरउकाउं जेणेव सुव्वया अज्ज
कइ तिहां आवे आवीनइ सुव्रता आर्याक्ति वांदइ नमस्कारकरइ इमकहइछे इमनिश्चल हेदेवाणप्रिये सुनंदा सार्थ
या तेणेवउवागच्छंतिरित्ता सुव्वया अज्जाउ वंदंति णमंसंतिएवंवयासी एवंखलु देवाणप्पिये सुनंदा सत्थ
वाही मेरी आर्या बलम्ब कमनीय यावत मति वात पित्त कफ संन्निपात अनेकप्रकारकरोग शूलादिफरस
वाही ममंसारिया इच्छा कंता जाव माणं वल्लिया पित्तया निंसिया सलिवाया विविहारोगा आतंकाअभिसंति
इसकारणे हेदेवानुप्रिये संसारथीभरीयकी विशेषइडरी जन्मकेमरणकेडःषत देदेवानुप्रियेतुमकइ पासइ मुक्तिलेथकै यावत दीक्षा
एसणं देवाणप्पिए संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं देवाणप्पिएणं अंतिएमुंडेत्तविता जाव पव्व
लहै तिणकारणाभइ हेदेवानुप्रिये शिष्यणीकीनीभ्याक्रंदेताक्रं त्यउ तुमे हेदेवानुप्रिये शिष्यणी निक्षाघतइ आर्या
यामि तएणंतंअम्हेदेवाणप्पिएणं सिसणीभिक्खंदलयामि पडिच्छहउमंदेवाणप्पिए सिसणीभिक्खं अहा
कहेनिम हेदेवानुप्रिया मतिढीलकरो तदपछे तेसुनंदा सुनंदा आर्याहि इमकहइथकइ हर्षसंतोषी थोतइही आ
सुहं देवाणप्पिया मापडिबंधं ततेणं सासुनंदा सुव्वयाहिं अज्जाहिं एवंवुत्ता समाणी हट्ठतुट्ठा सयमेव आ
सरणमत्ताअवहरणाघतइ उतारे उतारीनइ पंचमुष्टी पांचमुष्टी लोच करेकरीनइ जिहां सुव्रता आर्याइइ तिहां आवेआवी
भरणामत्तालंकारंतुयइत्ता सयमेव पंचमुट्ठियंलोयंकरेतित्ता जेणेव सुव्वया अज्जाउ तेणेवउवा
नइ सुव्रता आर्याक्रं तीनवार पदक्षणादेके विशेषइ वांदइ नमस्कारकरीनइ इमबोली तावरूपआगलाभी
गच्छइत्ता सुव्वया अज्जाउ तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं वंदइ णमंसतित्ता एवंवयासी आलित्तेणंभंते

जिमदेवंगनानइं तिमघवर्ज्यो यावत् आयश्चित्तयाव गुप्तबंभचारिणीइं तिवारइतेसुनंघानामइ आर्यां अन्यदासमयइ घणाजनलोक
दीक्षा देइ त
डाहादेवाणंदा महामाहणी डाव अद्धा डाव गुत्तबंभयारिणी ततेणंसासुसद्दाणप्पं अद्धा अज्जयाकयाइं बंभणस्स
का बालकांविषइमूर्छिनइईयावत् मनतिसदीक्षाअ अन्यंगनतेलनै उवट्टणइक फासूपाणीथकी अलताकेमंडन वाक्षित्रविशेषइ अंजननै अवीरखमु
चेडरूवेसंपरिवुडा डाव धम्मोवदेसं अभिंगणंच उवट्टणंच फासुयंपाणंच अलत्तगंच कंकणाणिय अंजणं वंदनगं
परण्याप्यो
च चंदनइकनी खेलणाइं खानानइ इअनइ फूलकइ लोकांकेघरविषेदेषी घणामनुष्यका दारबालक बालिका वर्षदिकेकुमार
चुन्नगंच खेलणगाणिय डाव दारियं वा कुमारियं वा खीरंवा घुम्मणिं वा डाव दासिं वा डाव दासं वा दारियं वा कुमारियं।
वर्षदीकीकुमरी वर्षदउपरांतमिं वर्षदउपरांतमिं एकेकनइ तेलचोपमेलइ अएकेकनै मर्दनकरइ इमएकेकनइ फासंपाणीइं
त काखत्ती
कुमारियाय सिंगारेइ सिंगारेइत्ता अप्पेगइयाए अप्पेगतिया उवट्टेति एवंअप्पेगतिया फासुयंपाणएणं
स्नानकरावइ एकेकनइ पगला रंगइ एकेकनइ उबटणइ एकेकनइ आष्यां आंखइ एकेकनइ गोदवयवा
न्हावेति अप्पेगतिया कायएरं ति अप्पेगतिया उवेरेति अप्पेगतिया अहीणि संधेति अप्पेगतिया उसुप्पक
एकेकनइ तिलकंकरइ एकेकनइ एकेकनइ पंक्तिवइठावइ एकेकनइ
रेति अप्पेगतिया तिलएकरेति अप्पेगतिया दिमिंदलएकरेति अप्पेगतिया पंतियाउंकरेति अप्पेगतिया चि
एकेकनइं हस्तीआदिकनावणीलगावइ एकेकनइ अवीरादिचूर्णलगावइ एकेकनइ खेलणादिक
डाइंकरेति अप्पेगतिया एवंएएणं समालत्तंति अप्पेगतिया कुसुरणं समालत्तंति अप्पेगतियाणं खेलणगाइं
देवइ एकेकनइ घाजादिक देवइ एकेकनइ इधनोनोजन लीभावइ अएकेकनै फल सुंघावइ
दलयति अप्पेगतिया खलउगाइं दलयति अप्पेगतिया खीरनोयणं भुंजावेति अप्पेगतिया फुफाणियसुयं ३०
एकेकनइ पगांविषेवइठावइ एकेकनइ जंघांविषेबैठावइ इमसाथलविषे गोदीकडीयइ पृष्ठिवातीइं खंधाविषेमसनक हाथका
ति अप्पेगतिया पादेसुहवेति अप्पेगतिया जंघेसुहवेति एवंउरूसु उच्छंगेकडीए पिट्ठेउरंसि खंधे सीसे करतल

पुमांविषेलेवइ लोरीदेतीथकी गीतगावतीथकी विशेषइगावती वेटाकी इच्छाइ पुत्रीकीइच्छइ दोहितेकीविवासा दोहित्रीकी
पुडेणगहाय दलउलेमाणी अगायमाणी परिहायमाणी पुत्तपिवासंच धूयपिवासंच नत्तुइपिवासंच नत्तिपिवा
इच्छा एवातनोगवतीथकी विचरइ तिवारइ ते सुव्रता आर्यां सुनघा आर्यानइ इमबोली हमे हेदेवानुप्रिये सा
संच पच्चक्खवमाणी विहरंति ततेणं ताउ सुव्वयाउ अज्जाउ सुनघा अज्जंएवंवयासी अम्हेणं देवाणप्पिएस
धवी निर्ग्रंथणी ईर्यासमितिसहित यावत् गुप्तब्रह्मचारिणीइ नहीनिश्चय अप्रमइकव्यइ माइकीजंकर्मकरणा हमे हेदेवानुप्रि
मीणीउ निग्गंथीउ इरियासमियाउ डाव गुत्तबंभयारिणीउ णोखलु अम्हंकप्पति डातिक्कंमंकरित्तए इमंचणंदे
ये घणामनुष्याका बोकरांकइविशेसमुक्ति यावत् तिहांहीजन्मथाप्पा तेलमइमर्दनादि यावत दोहात्रीकीइच्छा तेणेकरांकास्वरूपनोगव
करवे ती
वागरित्तए बज्जंणंस चेडरूवेसमुच्चिया डाव अन्नोवएसा अत्तेणं डाव नत्तिपिवासंच पच्चक्खवमाणी
विचरइदे तेनहीसमनइ देवानुप्रिय एहथानकनं आलोयं यावत् प्रायश्चित्तनं अंगीकारकरं तिवारे तेसुनघाआर्या सुव्रता
विहरति तंन इमंदेवाणप्पिए अयमाणस्स अलोएहिं डाव पायच्छित्तं पडिवज्जाहिं ततेणं सासुसद्धाअज्जासुव
नी एहअर्थः नहीआदरइ नहीनजोजाणइ तेवचननहीआदरती सत्यनहीजांणती विचरइ तिवारइ ते साध्वीनं निर्ग्रंथी
याणं एयमहं णोआढाहंति णोपरिजाणंति अणाढायमाणी अपरिजाणमाणी विहरंति ततेणं ताउ समणीउ निग्गंथी
नं सुनघाप्रतइ हीलइ नीदइ निर्संछइ मर्मघाटइ वारंवार एहअर्थनं वर्जई तदयीछइ तेसुनघा आर्यानइ साध्वी
उसुनंदअज्जं हीलेंति णिंदंति खिंसंति गरहंति अभिक्खणंअभिक्खणं एयमहं निवारेंति ततेणंसेसुनदाए अज्जाए समणी
इं निर्ग्रंथीइं हीलतीथकी यावत् वारंवार एहअर्थनं मनइ कीयाथको अवसाएकरूप यावत् अयत्ना जिहा
हिं निग्गंथीहिं हीलिज्जमाणीए डाव अभिक्खणंअभिक्खणं एयमहं निवारिज्जमाणीए अयमेयारूवे डाव समुप्पज्जित्था डा
रइमइ घरमइ वसतीथी तिवारइ मइआपकेवशकी यावत् जिणदिनथी मई मुंडितकरई घरथकी साधपणो
याणंअहं आगारवासंचसामि तयाणं अहंअप्पवसा डाव डप्पनियंवणं अहंमुंडेभवित्ता आगाराउ अणगारि

DR BHAU DAJI MEMORIAL

करूप नामधेय करेगा तिणकारण हमे इण सुतीका नामधेय सोमा तिवारेतेसोमाधुत्री बोमिकेबालपनाव विज्ञानहिता

यरूवे णामधिज्जं करेइंते तंदोऊणंदम्हं इमीसेदारियाए णामधिज्जंसोमा ततेणंसोसोमा उम्मुक्कबालभावे विणायपरि
इतरूपपरणम्मि योवनवयप्राप्तिकई रूपइकी योवनवयकरी चतुराईकरि उत्कृष्टी उत्कृष्टशरीरवंत यावत् होयगी तिवारइ तेसोमा

णयमित्ते जोवणगमणुपत्ता रूवेणय जोवणेणय लावलेणय उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाव सव्वसाति ततेणं तंसो
दारिकाना माता पिताइ जोगीयो बालपनाव विज्ञान योवनवयकई प्रतिरूपवंत सदृशइ प्रतिरूपयुक्तः आपणाइ

मंदारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं विणाय जोवणगमणुपत्तं पडिरूवेणं सुक्केणं पडिरूवेणं णियगसमत्ता
सोजनइ राष्ट्रकूटनइ सार्थपणइ देसपइ तिहु राष्ट्रकूटनीनार्थ होगी बलनःकमनीययावत् रत्नकाकरंडसारीखी सु

णुहुच्च रट्ठकूडस्स दारियत्ताए दलयिस्संति साणंतस्सदारिया तंविरंति इट्ठा कंता जाव मणामाणी ति
गंधतेल्य सखीपरइगोववी सुंदरवस्त्रोको पहिरतीथकीरत्नके करंडीए सारीखी सखीपरइ राखीया सखांगोपवती

इक्कलाइवा सुसंगोविन्ना चेल [illegible] विवसुसारक्खिया सुसंगोविन्ना
प्रतिज्ञीति यावत् अनेक रोग शूल फरिस तदपछे तेसोमाब्राह्मणी राष्ट्रकूटनइसाथइ विस्तीर्ण भोगनेउपभोग सोभवती

माणसीयं दुक्खं विविदारोयातंकाछंसंच ततेणंसासोमामाहणी [illegible] दारियं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमा
२ वरसिइ बेतावेती जनमतीथकी सोलइ वरसइ वतीस बालकरूप जनम्या तिवारइतिका सोमाब्राह्मणी

माणे संवच्छरेइ दुयगं पयायमाणी सोलसएहिं संवच्छरेहिं वत्तीसंदारगरूवे पयाया ततेणंसासोमामाहणी।
तेह बकुधणे बालकांकरि बालिकांकरि बालिकमारकरि कुमारिकरिकइ डिंभकइकरि डिंभिकाकरी एकेकनइ सीक्ष

तेसिंबहूणं दारगेहिय दारियाहिय कुमारेहिय कुमारियाहिय डिंभएहियडिंभियाहिय अप्पेगइएहिं उन्ना
सोवावइ एकेकनइ स्तनपानकरावइ एकेकनइ एकेकनइ जवालइ एकेकनइ

णसोहिएहिं अप्पेगइएहिय खीरयाएहिं अप्पेगतिएहिं दहियाएहिं अप्पेगतिएहिं णवणीएहिं अप्पेगतिएहिं

एकेकनइ स्नानकरावइ एकेकनइ स्तनमांगइ एकेकबालक दूधमांगइ एकेक

घरक्खमणेहिं अप्पेगतिएहिं घरकोलणएहिं अप्पेगतिएहिं छणमगमाणेहिं अप्पेगतिया खीरमयमाणेहिं अप्पेगतिया ते
तेलमांगनाथका एकेका खेलणा मांगनाथका कोईएक पकवांन मांगताथक अनेकेईएक सातमांगताथका केई

छेमगमाणेहिं अप्पेगतिया सिरकरणयंमगमाणेहिं अप्पेगतिया रुज्जामगमाणेहिं अप्पेगतिया कूरमगमाणेहिं अप्पे
क पीणी मांगताथका हस्ताथका खूसणोकरता आक्रोजकरताथका गालीदेताथक दूणाकरि मारणकरि नावताथका

प्पाणीयंमगमाणेहिं दसमाणेहिं रुस्समाणेहिं अक्कोसमाणेहिं अक्कुसमाणेहिं हसमाणेहिं हम्ममाणेहिं विपलायमा
एकेकमासवेनाथका रोवणेकरि आक्रोशकरिवेकरि विलापकरता तर्जताथका बंधाबोलताथका सोवताथका नावणेक

णेहिं अण्णगममाणेहिं रोवमाणेहिं कंदमाणेहिं विलवमाणेहिं [illegible] उच्चारमाणेहिं पिच्चयमाणेहिं लिंपाय
रिकइ बालणेकरि वमनकरणेतइ विरकताथका मूतताथका मूत्रइकरीनइ वमनइसत्यापाणीइश्रोवइ मयलनस्वा

माणेहिं पलवमाणेहिं [illegible] माणेहिं [illegible] माणेहिं [illegible] कुमारीसवमियसु लिसोवलित्ता मियजवस
वस्त्रपीतडायाव अशुच स्त्रग अतिहीदुर्गंध नहीसमर्थः राष्ट्रकूटनइसाथे विस्तीर्ण भोगभोगवणइ सोभवती क्विरइ

णुहुच्च जाव अण्णया कयाइ पसत्थंसि वासहरंसि पसत्थगंधोदएणं हायाइं पसत्थाइं मंगलाइं वत्थाइं पवरा
तिवारइ तेसोमाब्राह्मणी अन्यदासमयइ आधीरात्रिकासमयनइविषइ कुटंबजागरणाइं जागतीथकी एयसाएकरूप

ततेणं तीसेसोमाएमाहणीए [illegible] यावीहोत्था कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे
यावत् कयज्या इमनिश्चय मइं एयतइ घणा बालकेकरि यावत् मिलिकायइ एकेकनइ सोवावणेकरि या

जाव समुप्पज्जित्था एवंखलु अहं इमेहिं बहूहिं दारगेहिय जाव डिंभयाहिय अप्पेगतिएहिं उन्नाणसिज्जाएहिं जा
वत् एकेकनइ मूतताथका कष्टवेटा कष्टजनमा तिणकरिकइ मनमांगा जाणीयेएकैयकरेयमि जेणकरिमूत्रखरीस वमनकरि

व अप्पेगतिएहिं सुत्तमाणेहिं [illegible] दयविप्पियत्तेहिं एगप्पहारपडिएहिं जेणंसुक्कसुरीसवमियसु

सोमावतीवगइंदेवाणुप्पिये सुव्वयाहिं विसीर्ण तीसेणंतीसेवीनि तिवारइंपवेसुक्कजोगीइं सुव्वयानामे आर्यिकाइं पासइं मुणिदीक्षयके दीक्षले
यनइं
खुड्डाहिं तावदेवाकप्पिए मरणहिं विइलाइं तीसेणंसोमाइं तंसिपएसंसुव्वयाएं अज्जाएं इरियं पडिसंडाव पच्चया
जे तिवारइंतेसोमाब्राह्मणी रात्रभूमिका एहवातांकं सुणकइं तिवारे तिवारेतेसोमाब्राह्मणी स्नानकरनेयावत् सोनायमानचेडीयांके समूहइं
मि तेणेंतासोमामाहणी इंडंडस्स एवमहं पडिसुणेंति तेणेंसासोमाणाहणी एहाया जाव सरीरा चेडीया चक्कवा
परिवरीयिकी मोतानाघरथी नीकलइनीकलीनइं विनेलनामासन्निवे इकेकिवाले२ जिहां सुव्रता आर्यकी उपाश्रयहे ति
लएविन्ना साउसिद्धाउं पडिणिक्खमंतिसा विनेलंसन्निवेसं मज्झंमज्झेणं जेणेवसुव्वयाएं अज्जाएं उवसमइ ते
हां आवे आवीनइं सुव्रतानामे आर्यांकं वांदइं नमस्कारकरे सेवाकरइं तिवारे तिण आर्यकीइं सोमाब्राह्मणीकं नानाप्रकारको
णेइंडधम्मंइंसा सुव्वयाउ अज्जाउ वंदति णमंसति वंदइ. णमंसइत्ता तेणेंताउ अज्जाउ सोमामाहणीए विचित्तं के
केवलीप्ररूपितधर्मकइं जिणसुं आवकधर्मोपावइं तिवारेतिका सोमानामइंब्राह्मणी सुव्रतानामे आर्यकि पासइं यावत् बारहविधधकार
वलियमूलंधम्मंकहेति इच्छाजीणंदेवाणुप्पिये तहेवपडिच्छति तहेवसा सोमामाहणी सुव्वयाणं अज्जाणं अंतियं जाव इवाणंविहरसा
नोश्रावकधर्मकं आदरेआदरीने सुव्रता आर्यकं वांदके नमस्कारकरी जिणदिक्षइंआइवी तिणहीदिशइंगई घरेगईथावी तिवार
वगधम्मं पडिवज्जेतिएसा सुव्वयाउ अज्जाउ वंदति णमंसति जामेवदिसिं पाउब्भया तामेवदिसिं पडिगया तेणेणं
तिकासोमाब्राह्मणी श्रावकणीकइंईआणाव्रतजीवाजीवादिनवत यावत् आत्माकं भावतीधकी विचरइं तिवारइंतेणइं सुव्रता आर्यइं
तेणं जिणइं
सासोमामाहणी समणोवासियाजाया अभिगय जाव अप्पाणंभावेमाणी विहरंति तेणेंताउ सुव्वयाउ अज्जाया
अन्यदासमयइं विनेल ग्रामथी नीकलीनइं बाहिर देशनइंविषे विहार विचरइं तिवारइं ते सुव्रता
उ अण्णयाकयाइं विनेलाउ सन्निवेसाउ पडिनिक्खमंति बहियाजणवयविहारं विहरंति तेणेंताउ सुव्वयाउ ऽ ३४
आर्या अन्यदासमयइं अनुक्रमइं यावत् यात्रीआई तिवारे ते सोमाब्राह्मणी साधवीआयांकीवात लाधइं थकइं हर्षवंतकाय स्नानक
जाउ अण्णायाकयाइं सुव्वाणं जाव विहरंति तेणेंसा सोमामाहणी इमीसेकहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठ तुट्ठा एहाया

तिमही नीकली यावत् वांदइं नमस्कारकरी धर्मसांभली यावत् इतरेविशेषप्रश्नकरने बूझकइं तिवारे दीक्षालेवुंगी यथासुख
तहेव सिग्घया जाव वंदति णमंसतिश्ता धम्मंसुच्चा जाव डंणवरं रहरूडं अणुजाणामि तेणं यवयामि अहासु
तिवारे सोमानामे ब्राह्मणी सुव्रता आर्याकं वंदकइं नमस्कारकरिके सुव्रताका पासथकी नीकलेनीकलीने जिहांथीतांथी
हं तेणेंतासोमामाहणी सुव्वयेअज्जाये वंदति णमंसंतिश्ता [illegible] एयमट्ठं पडिसुणेंति डेणेवसए
र तिहांआवेआवीनइं तिहां आवीनइं हाथजोम विनयकरि तिमहीअहलो यावत् लेसुंदीक्षा अवयणासुखदेदेवाणु
गेहे तेणेवउवागच्छइत्ति करयल परिग्गहं सहेवआउत्ति जाव पडिसुणए अहासुहंदेवाणु
प्रिये दीलमतिकरु तिवारेरथकूट विसीर्ण आहार थ तिमहीन यावत् वर्जनवइं सुव्रता यावत् आर्या कई ईर्यासुप्रतिस
प्पिए मयहिंबंधं तेणेंरहरूडे विइलं अरुणंसन्नेवेसं जाव सुव्वयाणं [illegible] जाव वज्जा जाया इरियामि
हित यावत् गुप्तब्रह्मचारणी तिवारइंतेसोमाआर्या सुव्रता आर्यकिइं पासइं सामाइक्कआदिदेई इग्यारहअंग
मिया जाव सुव्वयंतयारणी तेणेंसासोमाइं [illegible] सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए सामाइयमाइयाइं इक्कारसअंगाइं
पढे पढकइं घणा उपवास वेला तेला पंचोला यावत् आत्मानावती घणावर्षलगइं चारित्तकीयायवि पालीनइं
अद्धिकंतिश्ता बहूहिं चउत्थ छट्ठ अट्ठम दुवालस जाव मासीमाणी बहूइंवासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता
एकमहीनाकी संलेषणाइं सातिनइं अनशनकं वेदीनइं आलोयकइं यमिकमकइं समाधिवंत कालकेवस कालिकरिनइं सक
मासीएए संलेणाइए सट्ठिभत्ताए अणसणाएछेदित्ता आलोइय पडिक्कंता समाहिपत्ता कालेमासे कालंकिच्चा सो
देवेंद्र देवतांकीराजा इंद्रकैवरोवरकादेवताए ऊपजेगा तिहां केईकदेवतांकी दोयसागरकी स्थित प
धारणेविंदस्स देवरन्नो सामाणियदेवत्ताए उववज्जंति तएणं अहुणोवयण्णे देवाणं दोसागरोवमाइंठितिप
सूर्यइंद्रतणां सोमनामादेवकीयिए दोयसागरकीस्थितिकवी तिकोइंद्रप्रभ सोमदेवतातिए देवलोकथी यावुःक्षयकरी सदकोक्षयकरी
सही तएणंसोमस्सदेवस्स दोसागराइं ठिईपन्नत्ता सेणंभंते सोमदेवताउ देवलोगाउ आउक्खएणं भवक्खएणं

॥ तेरेइज्ज तपस्वीइं झानवंतइ महावीरदेवइ पूर्वलीपरइ यावत् इनकादशअध्ययनकदापरइ नेकदेवइ श्रीदेवी१ ह्रीदेवी२ धृति३ की
प्पा
कीर्ति४ बुद्धि५ लक्ष्मी६ एहइ वैक्रियजाणवा इलादेवी७ सुरादेवी८ रसदेवी९ गंधदेवी१० ऊर्ध्वलोकइज्ज तपस्वी झानवंतइ महा
वीरइ यावत् मुक्तिगया उपांगका चउथइ वर्गना पुष्पइलानामेवर्गका दशअध्ययन परूप्याकला पहिलइकादेइज्ज पूर्वलीपरइ ५
मनिश्चय देवकुं तिणइकालइ तिणइसमयइ राजगृह नगरइ गुणशिल चैत्यइ श्रेणिकराजाइइ साम्यस्वामीसमोसस्या मरयदावंदनगई
तिणइकालइ तिणइसमयइ सिरीनामेदेवी सौधर्मदेवलोकइ उपनी सुधर्मसभाविषइ श्रीनामइसिंहासनविषइ च्या
रइकारसामाविकसाथइ च्यार भइसणदेवीकइ परिवारइसहित जिमवरुकुंजिकातिम यावत् नाटकविध देषावीनइ पा
वीगई एविजेय बालकनडी पूर्वभवपूछी इमनिश्चय देवकुं तिणइकालइ तिणइसमय राजगृहनगरे गुणशिलचैत्यइ
जिम राजुनामइराजा तिहा राजगृह नगरइ सुदर्शननामे गाथापति वसइ ऋद्धिवंत तिणइ सुदर्शनगाथापतिकै पीयानामइजा
यीकई सुकुमाल तिणा सुदर्शनइ गाथापतीनइ वेटी पियानामे गाथापतिणीकीआतमज सुलानामे बालकई

नमइ नागइदेवे

या अनिषेककरणिमित्यादिकः घोडारथीरथपर्यन्तं यावत् आकीर्णान्यैर्यो तिवारैतेत्यादिकः वासुदेव सतांनकाधरविषे यावत् हाथीयेवढे आ

या अनिसेहंदहिकप्पे हयगयरहपवर जाव पडिरूवंति ततेणंसेकण्हे वासुदेवे मज्झणदारे जाव छरूढे अठ

वैप्रंगलीकआगे जिमकृणिक सेतपरकानवामरकरी वीडनकध्वजकः समुद्रविजयप्रमुख दशेदशार्हेत्यादिक यावत् सार्थवाह

ठमंगलगा जाहाकूणिए सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणेहिं समुद्दविजयपामुक्काणं दसहिंदसारेहिं जाव सत्थवा

वर्तनिकः साथकपरिवस्या सर्वऋद्धिकः यावत् वाजित्रे द्वारिकानगरीकः विचरः सेयजिम कूणिकतिम यावत् सेवाक

ह प्पसिहहिं सद्धिंसंपरिवुडे सव्वड्ढीएजावरवेणं दारावतीएणगरिं मज्झंमज्झेणं सेसंजहा कूणियस्स जाव पज्जुवा

रुः तिवारेतेनिषढनिकुमारः ऊपरघरासादध्वजन बैठः तेमहामोटा मनुष्यकेसहसुणिकेजिमनमालीतिम यावत् धर्मकंसुणके

मंति ततेणंतस्सनिसढकुमारस्स उप्पिंपासायवरगयस्स तंमहया जणसद्देच जहाजमाली जाव धम्मसोच्चा

विचारी वांदः नमस्कारकरः इमवोल्यो सरदकंमहहेसूत्र निर्ग्रंथिकावचनयते जिमविध यावत् श्रावकधर्मअंगीका

णिसम्म वंदति एमंसतिच्चा एवंवयासी सद्दहामिणंभंते णिग्गंथंपावयणं जहादेवो जाव साचंधम्मंपडि

रूकरि यात्रागया तिणःकालेः तिणःसमयः अरिहंत अरिष्टनेमिनाथनः पोतानोशिष्य वरदत्त नामः साधु यथान्त

वकंतिच्चा पडिगए तेणंकालेणं तेणंसमएणं अरहओ अरिट्ठनेमिस्स अंतेवासी वरदत्ते नामं अणगारे उरा

यावत् विचरः तिवारेतेवरदत्त साधु निषढकुमारकुं देषीनः उपजीश्रद्धा यावत् सेवकरतोथकी इमकहे आश्चर्य

ले जाव विहरंति ततेणंसेवरदत्ते अणगारे निसढंकुमारं पासित्ता सद्दे जाव पज्जुवासमाणे एवंवयासीणं

देषूत्प निषढकुमारःरूपदे इष्टरूपदे कांत वाकांतरूप प्रिए प्यारोरूप मनोगत मनोगतरूप सौम्य सो

संते निषढकुमारे इठे इठरूवे कंते कंतरूवे पिए पीयरूवे मणुण्णए मणोण्णरूवे मणामे मणामरूवे सोमे सो

म्यरूप प्यारोदर्शन रूपवंत निषढनामःकुमारे एनादृशरूप मनुष्यकीऋद्धिकिमणामी किमवाली इमहुवो जिमकरि

मरूवे पियदंसणे सुरूवे निसढेणंभंतेकुमारे अयमेयारूवे मणुयइड्ढीकिमालद्धा किन्नापत्ता भिन्ना जहास

MEMORIAL

थाजनकंसुणी इमनिसढेदेवरदत्ती तिणःकालेः तिणःसमय इनद्वीजंबूद्वीपः सरतक्षेत्रः रोहीक नामः नगरमहाव

रियात्तस्स एवंखलुवरदत्ता तेणंकालेणं तेणंसमएणं इहेवजंबूद्वीवे२ भारहेवासे रोहीमए णामं णयरेहु

लनामःराजा पदमावतीराणी अम्मदासमयः तेघन्यवंतांयेप्य सुतांत्रिण्यांविषः सीहकासुत्र इमजन्माधिका

ब्भेणामंराया पउमावईणामंदेवी अन्नयाकयाइं तंसितारसगंसि सयणेजंसि सुमिणेसीहं एवंजहामहा

रजाणवी जिमममहाबलनो इनतेविशेष वीरंगतनामदीक्षी बत्तीसदात बत्तीसवरप्रधानराजकन्यासु पाणिग्रहणकराया यावत्

साणियद्धं जहामहाबलस्स णवरं वीरंगउणामं बत्तीसदाउ बत्तीसाएरायवरकण्णगाणं पाणिग्गहणं जाव उ

संसारसुखनोगवतावि थेषः आषाढया श्रावणनाद्रवोः आसोजकाती मृगसरपोष माघफागुण चैत्र वैशाख इमसेवऋतुसंभवीयया सुखनोगवताथका

वरिज्झमाणेर पउमरु२ वरिसारियरु सरयरु हेमरु सिसिरु तंचेव गिम्हरु एवंखलुछप्पिउऊहा वित्तचेणंमाणे सिद्धार्थनामा

कालऋंकृयकरताइस आदि यावत् विचरःदे तिणःकालि तिणःसमय आचार्य जातिसंपन्नः जिमकेसी इविशेष सिद्धाणामं

कालेगामेमाणे इहेसद्धे जाव विहरंति तेणंकालेणं तेणंसमएणं आरिया जाइसंपन्ना जहाकेसी णयरं

बऋषभदत्त बऋपरिवारे जिसां रोहीक नगरः मेघवर्ण उद्यानदे जिदांमणिवहनामः यक्षका देहराहः

बऋसुया बऋपरिवारा डेणेव रोहीए णयरे मेहवण्णे उद्याणे डेणेवमणिदत्तस्स डरक्खस्स डरक्कायतणे

तिसां आव्या यासुषयोग्यथानके यावत् विचरदे परिषदागई तिवारः तिणवीरंगत कुमारके ऊपरघरासादकेवेवः

तेणेवउवागए अहापडिरूवं जाव विहरंति परिसाणिग्गया ततेणं तस्सवीरंगसकुमारस्स उप्पिंपासायवर

छकै तेमोटो मनुष्यांकाऋद्धसुणके जिमकुमाली नीकल्योतिम धर्मकंसुणके एतलोविशेष देदेवानुप्रिय मातापिताकुं पूछिकः

गयस्स तंमहाया जणसद्दच जहाजमाली णिग्गउ धम्मसुच्चा जंणवरं देवाणप्पिया अम्मापियरो आपुच्छामि

जिमनमाली निमही नीकल्यो यावत् साधुधर्मवो यावत् गुप्तबंभचारीधर्मवो तिवारेतेवीरंगत अणगार सिद्धार्थनामः

जहाजमाली तहेव णिक्कंतो जाव अणगारेजाए जाव गुत्तबंभयारी ततेणंसेवीरंगअणगारे सिद्धाणं

आचार्यकइ समीपइ सामाइकआदिदेई यावत् इग्यारइ अंगनइं पढइ घणा यावत् उपवास आपणीआत्मानइभावता थ
आय तियाणं अंतिए सामाइयमाइयाइं जाव एक्कारसअंगाइं अहिज्जेत्ता बहूइं जाव चउत्थ छट्ठट्ठम दसम दुवालस खमणेहिं अप्पाणं भावेमाणे ब
ण प्रतिपूर्ण पचासीसवर्षनइ चारित्रकीपर्यायनइं पालीनइ दोयमासकी संलेषणाइं आत्मानइं झूसइ एकवी
सइभत्तसयं पणपन्नासेहासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसियत्ता सवी
सतइका अंनशनकरनेवीनइ आवोयके पडिकमे समाधिवंत कालकैवसि कालकरिके पांचमाब्रह्मदेवलोक मनोरमवि
संतत्तसयं अणसणाएछेदित्ता आलोइय पडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालंकिच्चा बंभलोएकप्पे मणोरमे
मानविषइ देवतापणे ऊपज्या तिहां अवइठाइवीगति देवांकी दससागरोपमकी स्थिइ कही तिहां वीरंगत देवनइपिण
विमाणे देवत्ताए उववन्ने तहिंएइंदियतिरियाणं देवाणं दससागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता तहिं वीरंगयस्सदेवस्स
दससागरोपमनी स्थितिकही तेवीरंगत देवलोकथी देवगतिथी आयुःक्षयकरि भवनोक्षयकरी थिननोक्षयकरी यावत् वेहनइ
दससागरोवमाइं ठिईएसेणंवीरंगए देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिईक्खएणं जाव अणंतरं
गामइलांमीनइ इणहीज भारिकानामइनगरी बलदेवनामइराजाकी रेवतीरांणीनि इथिनइविषे उत्पन्न अयज्या तिवारे निकारेवतीरांणी
चइत्ता इहेव बारवतीनयरीए बलदेवस्सरन्नो रेवतीएदेवीए कुच्छिंसि दारगत्ताए उववन्ने ततेणंसारेवती
तेतारिसगसिसुपवंतयोग्य सयानइविषइसुत्रदेषीजनमी यावत् घाल्यादकपरइ वयथी किचरइवै तेइमनिश्चय देवरदत्त निषढ
देवी तंसितारिसगंसि सयणिज्जंसि सुमिणदंसणं जाव जणिंधामाय वराए विहरंति तंजहेव वरदत्ता निष
नामे कुमारनै एतादृशरूप प्रधान मनोज्ञऋद्धि बाधी पांमी सनमुखआई समर्थहितेइमप्रेमयुक्त निषढकुमार देदेवानुप्रिय
हेणं कुमारेणं अयमेयारूवे ओरालेमणुयड्ढी लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया पत्तणंलंते निसढकुमारे देवाणप्प ४५२
कुमारइ पासेधर्मितदोय यावत् दीक्षालेगाइं समर्थहितेइमप्रेमयुक्त देवरदत्त अणगार यावत् आपणीआत्माकइंभाव विचरइ
यिआणं अंतिएमुंडा जाव पव्वइए हेता पत्तसेयवंलंते इरियावहियंपडिक्कमइ वरदत्तेअणगारे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरंति

तिणइ अरिहंत श्रीनेमिनाथइ अन्यदाधसावइ बारिकाथी यावत् बाहिर देशनइविषे विहार करइ तिवारे तेनिषढकु
तेतेणं अरिहा अरिट्ठनेमि अन्नयाकयाइं बारवईउ जाव बहिया जणवय विहारंविहरंति ततेणंसेनिसढ
मार श्रावकहुवा जीणाजीवाजीवादितत्व यावत् विचरइ तिवारइते निषढकुमारे अन्यदासमयइ जि
हेकुमारि समणोवासएजाए अभिगयजीवाजीवे जाववि हरंति ततेणंसे निसढेकुमारे अन्नयाकयाइंजे
हां पोषधशालाविषइ निहांआवे आवीनि यावत् मांतनोसंथारइबयतो विचरइ तिवारेविणइ निषढकुमार
णवयोसहसालाए तेणेवउवागच्छइत्ता जाव दब्भसंथारोवगए विहरंति ततेणंतस्स निसढकुमारस्स
आधीरात्रिकासमयनइविषइ धर्मजागरणाइं जागतां थका एतादृशरूप अध्यवसायरूप प्रार्थनइते गामनगर यावत्
उच्चावयकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए गामागर जाव
सन्निवेशइं तिहां अरिहंतरिष्टनेमी विहरंतिविचरइ तेथनदे तिकेराजेश्वर यावत् सार्थवाह प्रमुख जिणे अरिहंत
सन्निवेसा जाणं अरहा अरिट्ठनेमी विहरंति तंधन्नाणं तेराईसर जाव सत्थवाह पभिइओ जेणं अरिहा
नेमिनाथनइ वांदइ नमस्कारकरे यावत् सेवाकरेइ जो अरिहंतनेमनाथकी अनुक्रमइ नंदनभावनवंमइविचरइ
अरिट्ठनेमिं वंदंति णमंसंति जाव पज्जुवासंति जइणं अरिहा अरिट्ठनेमी पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे विहरेज्जा
तेहनइकुं श्रीनेमिनाथने वांदीनइ यावत् सेवाघतइकरुं तिवारइ अरिहंतश्रीनेमिनाथजी निषढनामा कुमारका एहवारू
तेणंबहवे अरिट्ठनेमिं वंदिका जाव पज्जुवासिता तंतेणं अरहा अरिट्ठनेमी निसढस्स कुमारस्स अयमे
पमनवा अध्यवसाय यावत् जाणीनइ अतारेहजारसांधनइसाथइपरिवस्या यावत् नंदणवनइ उद्यानि विचरइ परिष
यारूवे अज्झत्थिए जाव चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था अहासुहंदेवाणुप्पिया जाव एंदणवणे उज्जाणे विहरंति परि
दावांदवाआई तिवारेतेनिषढकुमार इसीनगवंतआवानीवातजाणइएथके दर्शनसंउछकई वरघंटनामे अश्वरथेवेठी नीसस्या जिम
साहिया ततेणंसेनिसढेकुमारे इमीसेकहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ चाउघंटेणं आसरहेणं णिग्गए ज

जिमाचीति यावत् मातापितानइ स्वजीनइ दीक्षाथीथी साधकरवने गुप्तबंभचारीपणे तिवारेतेनिषढकुमारअरिहंत श्रीनेमि
म
दाकुमाली जाव अम्मापियरो आपुच्छित्ता एक्कइए अणगारेजाए गुत्तबंभयारी ततेणंसेनिसढे अणगारे अरहा अ
नाथनइ तथारूप थिवरकइयासइ सामाइकआदिदे इग्यारइअंगइ पढइपढीनइ घणा उपवास बेला यावत नानाप्र
रिहनेमिस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयाइं एक्कारसअंगाइं अहिज्जेति बहुहिं चउत्थ छठ जाव विचित्ते
कारनातपोकर्मइकरे आथणो आत्माकं घणा प्रतिपूर्ण नववर्षलग चारित्रीपर्याय पालिनइ बयालीसनक्कइ अ
हिंतबोकम्मेणं अप्पाणंभावेमाणे बहुइं पडिपुण्णाइं णववासाइं सामन्नपरियागं पाउणति बयालीसंभत्ताइं अ
नसननइछेदीनइ आलोयनइ पडिकमनइ समाधिवंत आलइछीयइ कालइछी कालगतकरे तिवारइतेवरदत्त अणगा
णासणणछेदित्ता आलोइय पडिक्कंते समाहिप्पत्ते आणुपुव्वीए कालगइ ततेणंसेवरदत्ते अण
र निषढनामे कुमार अणगारने कालगतकरेजाणीने जिहां अरिहंत श्रीनेमिनाथछे तिहां आवइ आदीनइ यावत इम
गारे निसढं कुमारं अणगारं कालगयंजाणित्ता जेणेव अरिहा अरिट्ठनेमी तेणेवउवागच्छति उत्ता जाव एवं
बोल्यो इम निश्चयदेवानुप्रियतुमारो सिष्य निषढनामा अणगार प्रकृतसरकक यावत विनीत तेहेप्रजप निषढकु
वयासी एवंखलुदेवाणुप्पिया अंतेवासी निसढेणामं अणगारे पगतिभद्दए जाव विणीए सेणंतुंगे निसढेकु
मारे साधकः कालकेअवसरकालकरी किहांगया किहांउपना वरदत्तइमइछो अरिहंत श्रीनेमनाथ वरदत्त अणगा
मारे अणगारे कालेमासेकालंकिच्चा कहिंगए कहिंउववन्ने वरदत्तादि अरहा अरिट्ठनेमि वरदत्ते अणगा
रइम इमबोल्या इमनिश्चय हेवरदत्त मेरा अंतेवासी निषढनामा साधक पकृतिभद्रक यावत विनीत मेरा तथारूप
रं एवंवयासी एवंखलु वरदत्ता ममंअंतेवासी निसढेणामं अणगारे पगतिभद्दे जाव विणीए ममंतहारू ध३२
थिवरांकइ कनइ सामाइकआदिदेई इग्यारइअंगइं पढीनइ घणा प्रतिपूरा नववर्षलगइ चारित्रकी
वाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारसअंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुन्नाइं णवमासाइं सामन्न

पर्याय बयालीसनक्का बयालीसनक्का असणपाणखाइमबेदीनइ आलोयकइ पडकमकइ समाधिवंत कालकेवसि का
पालीनइ
परियागं पाउणित्ता बायालीसभत्ताइं अणसणाइछेदित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालेमासे का
लकरीनइ ऊंचोचंद्रमासूर्य नक्षत्र ग्रहसमूह तारारूपसोधर्मनामइदेवलोक यावत अच्युत तीन्नि
सयकिच्चा उहेचंदसूरिय गहगण तारारूवाणंसोहम्मीसाणे जाव अच्चुए तिन्नि अठारसुत्तरे
नवग्रैवेकवेमानिकवासी व्यतीकमीनइ सर्वार्थसिद्धिविमाणइ देवतोपणइ अपज्जा तिहांदेवतानो तिरतेत्रीससागरो
गेविज्ज विमाणावीससए वीइवइत्ता सव्वट्ठसिद्धेविमाणे देवत्ताए उववन्ने तहिंदेवाणं तित्तीससागरो
पमनी स्थिति कही तिहां निषढ देवकी तेत्रीससागरोपमनी स्थितिकही तेहेप्रजप निषढदेवइ ति
वमाइं ठितीपन्नत्ता तहाणं निसढस्सदेवस्स तित्तीससागरोवमाइंठितीपन्नत्ता सेणंतेणं निसढेदेवे ना
णदेवलोकथी आउक्षयकरी सवक्षयकरी थितक्षयकरी अंतररहित देहछांडिकइ किहांजायगा किहां उपज
उ देवलोगाउ आउक्खएणं भवक्खएणं ठितीक्खएणं अणंतरं चयंचइत्ता कहिंगमिहिति कहिं उवव
ज्जिहिगा देवरदत जंबूद्वीपइ महाक्षेत्रनइविषे नलनलनामनगरछे निर्दोष अढपिताकेवंशराजकुल युत्रपणइ
ज्जिहिति वरदत्ता इइवे जंबूदीवे२ महाविदेहेवासे उसभपुरे सिंगइपियवंसे राथकुले पुत्तत्ता
ए पच्चायाहिति तणेणंसेउम्मुक्कबालभावे विणायपरिणयमित्ते जोवणगमणुपत्ते महाहवाणं थेरा
पासइ संपूर्णसम्यक्त बूझइगा घरथकी घररहितसेइकै दीक्षालेई तेतिहा अणगार होयगा
णं अंतिए केवलंबोहिं बुज्झिहिति आगाराउ अणगारियं पव्वज्जिहिति सेणंतत्थ अणगारे भविस्सति
ईर्यासमिति यावत गुप्तबंभचारीपणे तेतिहा घणा उपवास बेलातेलाचउत्थपचोला इकरिनइ मासअर्धमासखमण
इरियासमिए जाव गुत्तबंभयारी सेणंतत्थ बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम दसम दुवालसेहिं मासद्धमास खम

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

इकरी भानाइकारको तपकर्मकिरवइ आत्माकंभावनायका घाण वर्धनगइ वाचिपर्यायिक पाठीनइ एकलमल्लिनइकी संलेहणा

लोहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणंभावेमाणे बहुइं वासाइंसामन्नपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेह

आत्माकं सोषकइ स्नायिनकुकं अनसनकं लेवीनइ अनसनइअर्थे करइ वस्त्ररहित प्रयत्नावेमुक्ति स्नानविनो

णाए अप्पाणं झूसित्ति सट्ठिभत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइय पडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं

यावत दांतणरहित वस्त्ररहित उपानतरहित पादहेकीछाया केशउंचाय ब्रह्मचर्यविशेषवसिवो परघरकीभिक्षा लाभनेलाभमे

किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए महाविमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स

मरिवा नीचा इंद्रीस्थीयांमकट पगीसदसइ तेत्रर्थिकंधारनइ आवाधिकइ वेदडका अंगुलीजेतेउसाम नीचाबीजेतेउ सीकइगा

असंखेज्जइभागमित्ताए ओगाहणाए सिरीदेवत्ताए उववन्ना तए णं सा सिरीदेवी अहुणोववन्नमेत्तिया

यावत सर्वइ स्वकाअंतकंकरइगा इमनिश्चयइजंब तपस्वीइं ज्ञानवंतइ महावीरइ यावत पूर्वलीयानजाणवो इमपावि

चेव समाणी पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ तंजहा आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए

ता इग्यारइ अध्ययन जाणवा संग्रहणगाथा अनुसारइ नवीदीन नव्याअिक एकादशअध्ययन निरवलिकानाम श्रुत

इंदियपज्जत्तीए आणापाणुपज्जत्तीए भासामणपज्जत्तीए तए णं सा सिरीदेवी पंचविहाए पज्जत्तीए

पांचइंद्रियविषइ पही

पज्जत्तिभावं गया समाणी उग्गहे उग्गहे ईहा ईहा अवाए अवाए धारणा धारणा उप्पत्तियाए

यइ तिहांव्यारवगतिविषइ दससउद्देसाकह्या पांचमावर्गविषे बारइउद्देसाकह्या॥ इतिश्रीनिरयावलिकानामाउपांगश्रुतस्कंधसमा

वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए चउव्विहाए बुद्धीए उववेया तए णं सा सिरीदेवी अन्नया

प्त कहवा॥

कयाइं तंचेव सव्वं भाणियव्वं जाव अंतं काहिइ॥ एवं खलु जंबू समणेणं भगवया महावीरेणं जाव सिद्धिगइनामधेज्जं ठाणं

संपत्तेणं उवंगाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि॥ इति श्रीनिरयावलिकासूत्रं समाप्तं॥ ग्रंथाग्रं ४५०॥

संपूर्णम्॥संवत१८४५वर्षेमितिआसोजमासेशुक्लपक्षेऽतिथौ॥ श्रीरस्तु॥ कल्याणमस्तु ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥